राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 30 अप्रैल 2025 वर्ष-8,अंक-70 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हाई लेवल मीटिंग के बाद पीएम मोदी ने सेना को दी पूरी छूट

कहा- आतंकवाद को करारा जवाब देना हमारा राष्ट्रीय संकल्प

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, सीडीएस अनिल चौहान और तीनों सेनाओं के प्रमुखों के साथ बैठक की अध्यक्षता की। बताया जा रहा है कि पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर सुरक्षा स्थिति का जायजा लेने के लिए सभी शीर्ष अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की। इस बैठक के बाद एक अधिकारी ने बताया कि उच्च स्तरीय सुरक्षा बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आतंकवाद को करारा जवाब देना हमारा राष्ट्रीय संकल्प है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सुरक्षा बैठक में कहा कि सशस्त्र बलों को भारत की प्रतिक्रिया का तरीका, लक्ष्य और समय तय करने की पूरी छूट है। नरेन्द्र मोदी ने कहा कि सशस्त्र बलों को भारत की प्रतिक्रिया का तरीका, लक्ष्य और समय निर्धारित करने की पूरी परिचालन स्वतंत्रता है। सरकारी सूत्रों ने बताया कि उन्होंने भारतीय सशस्त्र बलों की पेशेवर क्षमताओं पर पूर्ण विश्वास और भरोसा जताया। यह ऐसे समय में हुआ है जब पहलगाम आतंकी हमले के बाद सुरक्षा चिंताएं बढ़ गई हैं, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई थी।

इस बीच, पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर जम्मू-कश्मीर में कई स्थानों पर गहन आतंकवाद विरोधी अभियान चल रहे हैं, मामले से परिचित सूत्रों ने एएनआई को बताया। सूत्रों के अनुसार, चल रहे अभियानों की संवेदनशील प्रकृति के कारण इस स्तर पर कोई विशेष अपडेट साझा नहीं किया जा रहा है। सोमवार को, जम्मू-कश्मीर पुलिस ने आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त करने और आतंकी गतिविधियों से जुड़े व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए डोडा जिले में 13 स्थानों पर छापेमारी की।

दूसरी ओर केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने मंगलवार को एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की जिसमें तीन अर्धसैनिक बलों के प्रमुखों और दो अन्य सुरक्षा संगठनों के वरिष्ठ अधिकारियों ने शिरकत की। सूत्रों ने यह जानकारी दी। यह बैठक जम्मू-कश्मीर में पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद उत्पन्न तनावपूर्ण माहौल के बीच आयोजित की गई है। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे जिनमें ज्यादातर सैलानी थे। सूत्रों ने बताया कि बैठक में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के महानिदेशक (डीजी) दलजीत सिंह चौधरी, राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के महानिदेशक ब्रिघु श्रीनिवासन और असम राइफल्स के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल विकास लखेरा शामिल हुए।

भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा को मिली कश्मीर-लद्दाख की कमान

नई दिल्ली। लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा को उदयपुर स्थित नॉर्दर्न आर्मी कमांड का नया कमांडर-इन-चीफ बनाया गया है। सरकार ने 28 अप्रैल को उनकी नियुक्ति को मंजूरी दी थी। पहलगाम हमले के तुरंत बाद वे सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी के साथ श्रीनगर भी पहुंचे थे। प्रतीक शर्मा अब लेफ्टिनेंट जनरल एमवी सुचेंद्र कुमार का स्थान ले रहे हैं, जिनका 15 महीने का कार्यकाल पूरा हो चुका है।

उनका कार्यकाल ऐसे समय में शुरू हो रहा है जब भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कड़े कदम उठाए हैं, जिसमें सिंधु जल संधि का निलंबन, अटारी-वाघा बॉर्डर का बंद होना, पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द करना और उन्हें भारत छोड़ने का निर्देश देना शामिल है। लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा भारतीय सेना के एक अनुभवी और प्रतिष्ठित इन्फैंट्री अधिकारी हैं, जिनका सैन्य करियर तीन दशकों से भी अधिक समय में फैला है। उन्होंने विभिन्न चुनौतीपूर्ण अभियानों में भाग लिया है, जिनमें ऑपरेशन पवन (श्रीलंका में भारतीय शांति सेना का मिशन), ऑपरेशन मेघदूत (सियाचिन ग्लेशियर अभियान), ऑपरेशन रक्षक (कश्मीर में आतंकवाद विरोधी अभियान) और ऑपरेशन पराक्रम (2001 संसद हमले के बाद सीमा पर तैनाती) शामिल हैं। उत्तरी कमान को पाकिस्तान के साथ नियंत्रण रेखा और चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भी चौकसी रखनी होती है, ऐसे में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील होगी।

राम मंदिर का निर्माण 5 जून को पूरा होगा

* शिखर पर 42 फीट ऊंचा धर्म ध्वज दंड लगाया

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर का निर्माण इस साल 5 जून तक पूरा हो जाएगा। मंगलवार दोपहर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मंदिर के शिखर पर 42 फीट ऊंचा धर्म ध्वजदंड भी लगाया गया है। अब दंड के सबसे ऊपरी हिस्से पर ध्वज लगाया जाएगा। राम मंदिर ट्रस्ट के मुताबिक, मंदिर का शिखर 161 फीट ऊंचा है। ध्वज लगने के बाद मंदिर की ऊंचाई 203 फीट होगी। ध्वजदंड का वजन 5.5 टन है और यह पीतल (ब्रास) से बना है। इसकी आयु करीब 100 साल है। इसे 60 कारीगरों ने 7 महीने में तैयार किया है।

क्रेन की मदद से ध्वजदंड को लगाया गया

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय ने बताया- मंगलवार सुबह साढ़े 6 बजे, 160 फीट की ऊंचाई पर शिखर के पास इंजीनियर ऊपर चढ़कर मौजूद रहे। यहां 2 क्रेनों की मदद से ध्वजदंड को ट्रॉले के ऊपर से उठाया गया। धीरे-धीरे उसे वर्टिकल खड़ा किया गया, फिर क्रेन की सहायता से मुख्य शिखर पर स्थापित किया गया। यह प्रक्रिया सुबह 8 बजे तक चली।

खरगे-राहुल ने संसद का विशेष सत्र बुलाने के लिए मोदी को लिखा पत्र

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर पहलगाम आतंकी हमले के कारण उपजी स्थिति पर विचार विमर्श के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने का आग्रह किया है। कांग्रेस अध्यक्ष तथा पूर्व अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री को सोमवार को लिखे अलग- अलग पत्र में कहा है कि यह वक्त देश की एकजुटता को प्रदर्शित करने का है इसलिए संसद के दोनों सदनों का विशेष सत्र बुलाकर यह कड़ा संदेश देना आवश्यक है कि देश संकट की घड़ी में एकजुट है। पार्टी ने दोनों पत्र मंगलवार को मीडिया के लिए जारी किए हैं। श्री खरगे कहा 'इस समय जब एकता और एकजुटता बहुत जरूरी है, विपक्ष का मानना है कि संसद के दोनों सदनों का विशेष सत्र जल्द से जल्द बुलाना जरूरी है। यह 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में निर्दोष नागरिकों पर हुए क्रूर आतंकी हमले से निपटने के लिए हमारे सामूहिक संकल्प और इच्छाशक्ति का एक शक्तिशाली प्रदर्शन होगा। हमारी हार्दिक आशा है कि सत्र तदनुसार बुलाया जाएगा।' श्री गांधी ने लिखा 'पहलगाम में हुए आतंकी हमले से हर भारतीय क्षुब्ध है। इस नाजुक समय में देश को यह दिखाना होगा कि हम आतंकवाद के खिलाफ हमेशा एकजुट रहेंगे। विपक्ष का मानना है कि संसद के दोनों सदनों का विशेष सत्र बुलाया जाना चाहिए, जहां इस हमले के खिलाफ जनप्रतिनिधि अपनी एकता और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन कर सकें।' '

मार्क कार्नी की जीत पर पीएम मोदी ने दी बधाई, कहा- आपके साथ काम करने को उत्सुक

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कनाडा के आम चुनाव में जीत के लिए मार्क कार्नी को बधाई दी और कहा कि वह अधिक से अधिक अवसरों को खोलने के लिए साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा कि कनाडा के प्रधानमंत्री के रूप में आपके चुनाव पर मार्क कार्नी और लिबरल पार्टी को उनकी जीत पर बधाई। भारत और कनाडा साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, कानून के शासन के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता और लोगों के बीच जीवंत संबंधों से बंधे हैं। मैं हमारी साझेदारी को मजबूत करने और हमारे लोगों के लिए अधिक से अधिक अवसरों को खोलने के लिए आपके साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। सुबह 3:15 बजे (ओटावा समय) तक मार्क कार्नी की लिबरल पार्टी के उम्मीदवार 167 सीटों पर आगे चल रहे थे या चुने जा चुके थे, जबकि कंजर्वेटिव पार्टी की 145 सीटें आगे थीं। लिबरल पार्टी के पास राष्ट्रीय वोट का लगभग 43 प्रतिशत था, लेकिन 343 सदस्यीय हाउस ऑफ कॉमन्स में बहुमत के लिए आवश्यक 172 सीटों से पीछे रह सकते हैं। बहुमत से पीछे रहने का मतलब होगा कि कार्नी की सरकार को बजट और अन्य कानून पारित करने के लिए अन्य पार्टियों के साथ मिलकर काम करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

दो दिवसीय दौरे के दौरान राहुल गांधी पहुंचे रायबरेली, 'दिशा' बैठक में की समीक्षा

रायबरेली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी मंगलवार को अपने संसदीय क्षेत्र के दो दिवसीय दौरे पर रायबरेली पहुंचे हैं। दौरे के दौरान पहले दिन उन्होंने विभिन्न विकास कार्यों और योजनाओं की समीक्षा की। कलेक्ट्रेट स्थित बचत भवन में हुई जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण समिति (दिशा) की बैठक में वह बतौर सभापति शामिल हुए, जहां विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

राहुल गांधी की मौजूदगी में हुई इस बैठक में पिछली बैठक में उठाए गए मुद्दों पर चर्चा की गई और संबंधित विभागों से प्रगति रिपोर्ट मांगी गई। पिछली बैठक में जिन मामलों पर कार्य नहीं हुआ था, उन्हें लेकर राहुल गांधी ने अधिकारियों से जवाब-तलब किया। उन्होंने केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की भी समीक्षा की और जमीनी हकीकत जानने पर जोर दिया। राहुल गांधी के साथ अमेठी से सांसद केएल शर्मा भी दिशा की बैठक में मौजूद रहे।

विशाखा इंडस्ट्रीज का किया दौरा

दो दिवसीय दौरे के दौरान सांसद राहुल गांधी ने बछरावां क्षेत्र की विशाखा इंडस्ट्रीज का दौरा किया, जहां उन्होंने कंपनी के कार्यों का निरीक्षण किया। इसके साथ ही उन्होंने दो मेगावॉट एटम सोलर रूफ प्लांट और एटम इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन का उद्घाटन किया। सामाजिक सरोकार की दिशा में पहल करते हुए उन्होंने 15 जरूरतमंदों को हाथ ठेले भी वितरित किए।

पोस्टरबार भी आया नजर

इस बीच, राहुल गांधी के दौरे से पहले हरचंदपुर क्षेत्र में उनके खिलाफ लगाए गए कुछ पोस्टर और होर्डिंग चर्चा का विषय बने रहे। इन पोस्टरों में उनके कथित बयानों को लेकर नाराजगी जताई गई है। एक पोस्टर में लिखा गया, 'तुम जातिवाद से तोड़ोगे, तो हम राष्ट्रवाद से जोड़ेंगे।' वहीं, एक अन्य पोस्टर में अपील की गई, 'राहुल गांधी जी, कृपया हमारी रायबरेली को जातिवाद में मत उलझाइए।'

21वीं सदी की जरूरतों के अनुसार आधुनिक बनाई जा रही देश की शिक्षा प्रणाली : पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत मंडपम में आयोजित 'युग्म कॉन्क्लेव' में हिस्सा लिया। इस दौरान पीएम मोदी ने मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि देश का भविष्य उसकी युवा पीढ़ी पर निर्भर होता है, इसलिए ये जरूरी है कि हम अपने युवाओं के भविष्य के लिए और उनको भारत के उज्ज्वल भविष्य के लिए तैयार करें। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में आगे कहा कि आज यहां सरकार, एकेडमी, साइंस और रिसर्च से जुड़े भिन्न-भिन्न क्षेत्र के लोग इतनी बड़ी संख्या में उपस्थित हैं। इस एकजुटता को ही युग्म कहते हैं। एक ऐसा युग्म जिसमें विकसित भारत के फ्यूचर टेक से जुड़े स्टेकहोल्डर्स एक साथ जुड़े हैं, एक साथ जुटे हैं। मुझे विश्वास है, हम जो भारत की इनोवेशन कैपेसिटी और डीप टेक में भारत की भूमिका को बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं, उसे इस आयोजन से बल मिलेगा। पीएम मोदी ने आगे कहा कि किसी भी देश का भविष्य उसके युवाओं पर निर्भर करता है, इसलिए उन्हें भारत के उज्ज्वल भविष्य के लिए तैयार करना बहुत जरूरी है। इसमें शिक्षा की अहम भूमिका है।

दारुल कजा या शरिया कोर्ट जैसे किसी भी निकाय को कानूनी मान्यता नहीं

- सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए सुनाया अहम फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में दोहराया है कि काजी की अदालत, दारुल कजा या शरिया कोर्ट जैसे किसी भी निकाय को भारतीय कानून के तहत मान्यता प्राप्त नहीं है और इनके द्वारा दिया गया कोई भी निर्देश या फैसला कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं होता है। जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की युगलपीठ ने यह टिप्पणी एक महिला द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए की। इस मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक फैसले को चुनौती दी गई थी, जिसमें फैमिली कोर्ट ने काजी की अदालत में हुए समझौते के आधार पर फैसला दिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने फैमिली कोर्ट के फैसले को गलत ठहराते हुए साफ कहा कि इस तरह के निकायों का फैसला केवल उन पक्षों के लिए मान्य हो सकता है जो स्वेच्छा से उस पर अमल करने के लिए सहमत हों, लेकिन इसे कानूनी रूप से लागू नहीं किया जा सकता है। पीठ ने 2014 में दिए गए अपने ऐतिहासिक फैसले विश्व लोचन मदन बनाम भारत सरकार के मामले का भी हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि शरिया अदालतों और उनके फतवों को भारतीय कानून में कोई मान्यता प्राप्त नहीं है। इस फैसले में साफ कहा गया था कि कोई भी गैर-सरकारी निकाय बलपूर्वक किसी पर अपने फैसले लागू नहीं कर सकता है।

बता दें याचिका में बताया गया है कि महिला का विवाह 24 सितंबर 2002 को इस्लामी रीति-रिवाजों के मुताबिक हुआ था। यह दोनों की दूसरी शादी थी। 2005 में काजी की अदालत मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में महिला के खिलाफ तलाक का मुकदमा दायर किया गया था, जो बाद में समझौते के आधार पर खारिज हो गया। 2008 में, पति ने दारुल कजा में फिर से तलाक के लिए मामला दायर किया और 2009 में तलाकनामा जारी किया गया। महिला ने 2008 में भरण-पोषण की मांग करते हुए फैमिली कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसे फैमिली कोर्ट ने खारिज कर दिया था।

अहमदाबाद से लेकर नेपाल बॉर्डर तक अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात के अहमदाबाद से लेकर नेपाल बॉर्डर तक अवैध निर्माण को बुलडोजर से ढहा दिया गया है। अहमदाबाद में बुलडोजर कार्रवाई के दौरान करीब 2,000 पुलिसकर्मियों को मौके पर तैनात किया गया है। मंगलवार को जिस चंदोला झील क्षेत्र में बुलडोजर एक्शन हुआ, कुछ दिन पहले ही उसी झील के आसपास बसी बस्तियों से अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को हिरासत में लिया गया था। इसके अलावा नेपाल बॉर्डर से सटे श्रावस्ती जिले में लगातार चार दिनों से मदरसों पर हो रही ताबड़तोड़ कार्रवाई से हड़कंप मच गया। जनपद में अब तक 32 मदरसों पर शासन के ताले लग चुके हैं।

दरअसल, यूपी में 24 हजार से ज़्यादा मदरसे चल रहे हैं। इनमें 16,500 मदरसे रजिस्टर्ड यानी मान्यता प्राप्त हैं। 560 मदरसे सरकारी खर्च से चलते हैं। 15,940 मदरसे संचालन का खर्च खुद उठा रहे हैं। विदेशी फंडिंग को लेकर कई मदरसों की यूपी एटीएस जांच कर रही है। जिनमें से 8-10 हजार मदरसों को लेकर स्थिति साफ नहीं है। जांच के बाद नेपाल से सटे श्रावस्ती में संचालित मदरसों पर प्रशासन की खास निगाह है। अवैध रूप से चल रहे मदरसों को जांच के बाद सील किया जा रहा है। जिले में अब तक 32 मदरसों पर शासन के ताले लग चुके हैं। वहीं, भारत नेपाल सीमा के 15 किलोमीटर के दायरे में आने वाले सरकारी जमीनों से 127 रकबो से अतिक्रमण हटाया गया।

मदरसों पर 4 दिन से चल रही ताबड़तोड़ कार्रवाई के बाद मदरसा संचालकों में हड़कंप मच गया। मंगलवार को मदरसा संचालकों का एक डेलिगेशन सपा विधायक इंद्राणी वर्मा के नेतृत्व में डीएम श्रावस्ती से मिलने पहुंचा, लेकिन डीएम की व्यवस्था के कारण डेलिगेशन को बैरंग ही वापस लौटना पड़ा।

वहीं, अहमदाबाद के चंदोला झील क्षेत्र में भी बुलडोजर कार्रवाई हुई है। कुछ दिन पहले ही झील के आसपास बसी बस्तियों से अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को हिरासत में लिया गया था। पुलिस आयुक्त जी एस मलिक के मुताबिक, अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) यह कार्रवाई कर रही है। चंदोला झील पर आखिरी बार ध्वस्तीकरण अभियान 2009 में चलाया गया था। झील के चारों ओर झुग्गियां बनाई गई हैं। इस झील के आसपास के सियासतनगर और बंगाली वास जैसे इलाकों में अवैध बांग्लादेशी प्रवासी रहते थे।

देश में स्पाईवेयर का इस्तेमाल हो रहा है, इसमें गलत क्या

-सुप्रीम कोर्ट बड़ी टिप्पणी, अगली सुनवाई 30 जुलाई को

नई दिल्ली। स्पाईवेयर पेगासस मामले में सुनवाई कर रहे सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी टिप्पणी कर दी है। शीर्ष न्यायालय ने कहा है कि अगर देश में स्पाईवेयर का इस्तेमाल हो रहा है, तब इसमें गलत क्या है। खास बात है कि सुप्रीम कोर्ट ने दो टूक कहा है कि पेगासस के द्वारा जासूसी की जांच कर रही कमेटी की रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं कर सकते। रिपोर्ट के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने कहा, अगर कोई देश स्पाईवेयर का इस्तेमाल कर रहा है, तब इसमें गलत क्या है? एक बात साफ कर दें कि स्पाईवेयर रखने में कोई परेशानी नहीं है...। इसका इस्तेमाल इस तरह के कुछ लोगों... जैसे... पर किया जा सकता है। राष्ट्र की सुरक्षा के साथ समझौता नहीं कर सकते। हां सवाल यह हो सकता है कि इसका इस्तेमाल किसके खिलाफ किया जा रहा है। अगर इसका इस्तेमाल सिविल सोसाइटी व्यक्ति के खिलाफ हो रहा है, तब सोचा जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा, देश की सुरक्षा और संप्रभुता से जुड़ी किसी भी रिपोर्ट को नहीं छुआएगा, लेकिन जो व्यक्ति जानना चाहते हैं कि उन्हें इसमें शामिल किया गया है या नहीं, उन्हें सूचित किया जा सकता है। हां, व्यक्तिगत आशंकाओं से निपटा जाना चाहिए लेकिन इस मामले को हर चौहारे पर चर्चा का दस्तावेज नहीं बनाया जा सकता।

महाराष्ट्र सरकार का बड़ा ऐलान, पहलगाम हमले के मृतकों के परिवार को मिलेगा 50 लाख का मुआवजा

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को कहा कि राज्य सरकार पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए महाराष्ट्र के छह लोगों के परिवारों को 50-50 लाख रुपए देगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए महाराष्ट्र के लोगों के परिजनों को नौकरी देगी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कैबिनेट बैठक के दौरान आधिकारिक तौर पर घोषणा की कि पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ित संतोष जगदाले की बेटी को सरकारी नौकरी दी जाएगी। यह कदम उन चर्चाओं के बाद उठाया गया है जिसमें सरकार ने पहले पीड़ित की बेटी को नौकरी देने का उल्लेख किया था; अब मुख्यमंत्री के विशेष प्राधिकरण के माध्यम से यह निर्णय लिया गया है।

भयंकर खौफ में पाकिस्तान, एयर स्ट्राइक से बचने के लिए खोज लाया उपाय!

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के हमले के डर से पाकिस्तानी सेना इस वक्त बड़ी तैयारियों में जुटी हुई है। पाकिस्तानी सेना फॉरवर्ड पोस्ट पर न सिर्फ हथियारों की तैनाती कर रही है। बल्कि पाकिस्तानी सैनिकों को भी लगातार बॉर्डर की तरफ भेज रही है। इस बीच एक बड़ी जानकारी निकल कर सामने आ रही है। खबर मिल रही है कि पाकिस्तानी बॉर्डर पर पाकिस्तानी सेना ने इस समय अपने रडार सिस्टम को भी आगे की तरफ लोकेट कर दिया है। पाकिस्तानी सेना किसी भी भारतीय हमले का पता लगाने के लिए सियालकोट सेक्टर में रडार सिस्टम को आगे की लोकेशन पर ले जा रही है। पहले ही भारतीय मिसाइलों को कैच कर पाने में नाकाम रहा पाकिस्तान इस बार अपने रडार सिस्टम को सबसे आगे ले जाना चाहता है। बता दें कि पाकिस्तान का रडार सिस्टम हमेशा से ही फेल साबित रहा है। लेकिन एक बार फिर पाकिस्तान अपनी नाकाम कोशिशों में जुट चुका है। पहलगाम आतंकी हमले के सात दिन बीत जाने के बाद पाकिस्तान की नींद अब तक उड़ी हुई है।

पाकिस्तान को डर है कि भारत किसी भी वक्त उसकेसैनिकों पर हमला कर सकता है। इसके लिए पाकिस्तानी सेना तैयारियों में जुटी हुई है। इसलिए भारत की ओर से किसी भी संभावित हमले से बचने के लिए पाकिस्तानी सेना अब एलओसी पर फॉरवर्ड पोस्ट की ओर बढ़ रही है। उसने वहां कई कदम उठाए हैं। भारी भरकम हथियारों की तैनाती की है। फाइटर जेट्स को भी सीमा के पास तैनात कर दिए हैं। पाकिस्तानी सेना संभावित भारतीय हवाई हमलों का पता लगाने के लिए सियालकोट सेक्टर में अपने रडार सिस्टम को अग्रिम स्थानों पर ले जा रही है। फिरोजपुर सेक्टर के सामने भारतीय गतिविधियों का पता लगाने के लिए पाकिस्तानी सेना की इलेक्ट्रॉनिक युद्ध टुकड़ियों को भी अग्रिम स्थानों पर तैनात किया जा रहा है। हाल ही में पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय सीमा से सिर्फ 58 किलोमीटर दूर चोर छावनी में टीपीएस-77 रडार साइट स्थापित की है। टीपीएस-77 मल्टी-रोल रडार (एमआरआर) एक अत्यधिक सक्षम रडार प्रणाली है और इसका उपयोग दुनिया भर में स्थितिजन्य जागरूकता और हवाई यातायात निगरानी के लिए किया जाता है।

इस बीच, लगातार पांचवें दिन पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा पर संघर्ष विराम का उल्लंघन किया। पाकिस्तानी सेना ने कुपवाड़ा, बारामुल्ला और अखनूर सेक्टरों में बिना किसी उकसावे के गोलीबारी शुरू कर दी, जिसका भारतीय सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया। %मिनी स्विट्जरलैंड% के नाम से मशहूर बैसरन घास के मैदान में 22 अप्रैल को पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों द्वारा किए गए नरसंहार में 26 लोग मारे गए और कई घायल हो गए। इस हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान समर्थित लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के छद्म आतंकवादी समूह द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हर आतंकवादी और उनके समर्थकों की ÷पहचान करने, उन्हें ट्रैक करने और दंडित करने÷ की कसम खाने के बाद, पाकिस्तान जवाबी हमले से सावधान है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, सीडीएस अनिल चौहान और तीनों सेनाओं के प्रमुखों के साथ बैठक की अध्यक्षता की। बताया जा रहा है कि पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर सुरक्षा स्थिति का जायजा लेने के लिए सभी शीर्ष अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की। इस बैठक के बाद एक अधिकारी ने बताया कि उच्च स्तरीय सुरक्षा बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आतंकवाद को करारा जवाब देना हमारा राष्ट्रीय संकल्प है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हिंदुस्तान में पत्रकारिता की विकास यात्रा

19 वीं सदी का 50 वा दशक हिंदी पत्रकारिता के लिए काफी महत्वपूर्ण साबित हुआ ,18 57 के बाद हिंदी पत्रकारिता में एक जबरदस्त उछाल आया, 1854 मैं कोलकाता से हिंदी के प्रथम दैनिक समाचार पत्र सुधा का प्रकाशन प्रारंभ हुआ जिस के संपादक श्याम सुंदर सेन थे, निर्भीक और प्रगतिशील सोच पर आधारित पत्रकारिता के चलते इस समाचार पत्र को ब्रिटिश सरकार की तमाम सारी यातनाएं झेलनी पड़ी , फरवरी 18 57 में दिल्ली से प्रकाशित पयामे -ए -आजादी समाचार पत्र की आवाज तो दिल्ली की आवाम के दिलों में घर कर गई। इस समाचार पत्र ने आजादी की एक ऐसी मशाल जलाई जिसे 18 57 के रणबांकुरे ने अपने हाथों में थाम करअंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ विद्रोह का झंडा बुलंद किया।

(लेखक- मुकेश तिवारी)

(वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम दिवस पर विशेष)

वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम दिवस प्रति वर्ष 3 मई को मनाया जाता है। वर्ष 1991 में यूनेस्को और संयुक्त राष्ट्र के जन सूचना विभाग ने मिलकर इसे मनाने का निर्णय किया था।संयुक्त राष्ट्र महासभा ने भी 3 मई को अंतर्राष्ट्रीय पत्रकारिता स्- वतंत्रता दिवस की घोषणा की थी। यूनेस्को महासम्मेलन के 26वें सत्र में 1993 में इससे संबंधित प्रस्ताव को स्वीकार किया गया था। इस दिन के मनाने का उद्देश्य प्रेस की स्वतंत्रता के विभिन्न प्रकार के उल्लंघनों की गंभीरता के बारे में जानकारी देना है।

हिंदुस्तान में पत्रकारिता की शुरुआत 18वी सदी में हुई थी। पहला समाचार पत्र 1780 में प्रकाशित हुआ था। बंगाल गैजेट सबसे पहला मीडिया पब्लिकेशन था। भारतीय भाषा में प्रकाशित हुआ कौमुदी बांग्ला भाषा का प्रथम दैनिक समाचार पत्र था। यह किसी भारतीय भाषा में प्रकाशित पहला समाचार पत्र था। उक्त समाचार पत्र की शुरुआत स्वयं राजा राम मोहन राय के द्वारा की गई थी।

हिंदी पत्रकारिता के लिहाज से बंगाल का योगदान सर्वाधिक है, 1822मे मुंबई से बाम्बे समाचार पत्र को फरदुन जी मर्जबान द्वारा प्रारंभ किया गया था, जिसका प्रकाशन आज भी यथावत जारी है। 1822में ही जाम ए जहांनुमा का प्रकाशन दिल्ली से प्रारंभ हुआ हालांकि उक्त समाचार पत्र का प्रकाशन सिर्फ उर्दू में होता था।

30मई 1826 में भारत के प्रथम हिंदी दैनिक समाचार पत्र उदन्त मार्तण्ड का प्रकाशन जुगल किशोर शुक्ल द्वारा कोलकाता कोलकाता से किया गया। उदन्त मार्तंड के पश्चात 10 मई 1929 को राजा राममोहन राय ने कोलकाता से ही हिंदी साप्ताहिक बंगदू त का प्रकाशन शुरू किया ,बंगदूत के प्रथम संपादक नीलरतन

हलदार थे, इतना ही नहीं 18 46 मैं कोलकाता से ही मार्तंड 1848 में मालवा और 18 49 मैं जगदीप भास्कर जैसे हिंदी साप्ताहिक समाचार पत्र प्रकाशित होने प्रारंभ हुए थे,

पत्रकारिता को जल्दबाजी में लिखे जाने वाले जीवंत साहित्य के बतौर स्वीकार किया जाए तो हिंदी साहित्य की तमाम विधाओं की तरह भारतीय हिंदी पत्रकारिता को भी एक लंबे अंतराल तक ब्रिटिश सरकार के अधीन गुलाम भारत में अपने विकास की रूपरेखा निर्धारित करनी पड़ी थी , यह भी कम दिलचस्प नहीं है कि भारत का प्रथम हिंदी साप्ताहिक समाचार पत्र उदन्त मार्तण्ड एक गैर हिंदी भाषी प्रांत बंगाल से प्रकाशित हुआ, उदंत मार्तंड के संपादक युगल किशोर शुक्ला यूपी के बाशिंदे थे, लेकिन तालीम पूरी करने के पश्चात उन्होंने कोलकाता की ओर रुख किया, वे सदर दीवानी अदालत में वकालत करते थे , आर्थिक परेशानियों और बंगाल में हिंदी भाषी लोगों के न होने की वजह से यह समाचार पत्र

ज्यादा समय तक प्रकाशित नहीं हो सका अंत11 दिसंबर 18 27 को इसका प्रकाशन हमेशा के लिए बंद हो गया, लेकिन उदंत मार्तंड को हिंदी पत्रकारिता के शीर्ष पर स्थान मिला , हिन्दुस्तान में जब भी पत्रकारिता के इतिहास पर चर्चा होती है तो चर्चा की शुरुआत उदंत मार्तंड से ही होती है हिंदी पत्रकारिता के लिहाज से बंगाल का योगदान सर्वोपरि है उदंत मार्तंड के पश्चात 10 मई 1829 को राजा राममोहन राय ने कोलकाता से ही हिंदी साप्ताहिक बंगदूत का प्रकाशन प्रारंभ किया बंगदूत के प्रथम संपादक नीलरतन हलदार थे 1832मेबाला शास्त्री जममेकर ने दर्पण नामक समाचार पत्र की शुरुआत की।1838मे द बॉम्बे टाइम्स एण्ड जर्नल ऑफ़ कॉमर्स की शुरुआत हुई बाद में उक्त समाचार पत्र टाइम्स ऑफ इंडिया में तब्दील हो गया।औ 1840 में मासिक दिग्दर्शन निकला। इतना ही नहीं 1846 मैं कोलकाता से ही मार्तंड 1848 में मालवा और 1849 में जयदीप भास्करजैसे हिंदी साप्ताहिक समाचार पत्र प्रकाशित होना प्रारंभ हुए थे,

हिंदी भाषी क्षेत्र का प्रथम साप्ताहिक

हिंदी पत्रकारिता के प्रारंभिक दौर में कोलकाता के पश्चात यदि किसी अन्य शहर को अपनी स्मृतियों में दर्ज कराते हैं तो वह काशी, है ,जनवरी 1845 में काशी से प्रकाशित होने वाला बनारस अखबार हिंदी भाषी क्षेत्र का प्रथम साप्ताहिक समाचार पत्र था, इसे राजा शिवप्रसाद सितारे हिंद ने प्रकाशित किया था ,इस पत्र के संपादक गोविंद रघुनाथ थे , 18 53 मैं बनारस से हिंदी साप्ताहिक सुधाकर प्रकाशित होना शुरू हुआ ,जिसके संपादक तारा मोहन थे ,1850 में संपादक युगल किशोर शुक्ला ने एक साप्ताहिक का प्रकाशन शुरू किया जिसका नाम था ,इसी क्रम में 18 52 मैं साप्ताहिक बुद्धि प्रकाश का प्रकाशन आगरा से शुरू हुआ जिसके संपादक मंशी सदा सुख लाल थे ,1848 में शिमला से शेख अब्दुल्ला ने हिंदी और उर्दू का साप्ताहिक समाचार पत्र प्रकाशित करना शुरू किया ,जिसका नाम शिमला समाचार पत्र था ,

19 वीं सदी का 50 वा दशक हिंदी पत्रकारिता के लिए काफी महत्वपूर्ण साबित हुआ ,18 57 के बाद हिंदी पत्रकारिता में एक जबरदस्त उछाल आया, 1854 मैं कोलकाता से हिंदी के प्रथम दैनिक समाचार पत्र सुधा का प्रकाशन प्रारंभ हुआ जिस के संपादक श्याम सुंदर सेन थे, निर्भीक और प्रगतिशील सोच पर आधारित पत्रकारिता के चलते इस समाचार पत्र को ब्रिटिश सरकार की तमाम सारी यातनाएं झेलनी पड़ी , फरवरी 18 57 में दिल्ली से प्रकाशित पयामे -ए -आजादी समाचार पत्र की आवाज तो दिल्ली की आवाम के दिलों में घर कर गई। इस समाचार पत्र ने आजादी की एक ऐसी मशाल जलाई जिसे 18 57 के रणबांकुरे ने अपने हाथों में थाम करअंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ विद्रोह का झंडा बुलंद किया। उस दौर में पयामे -ए-आजादी में 16 पंक्तियों की एक कविता प्रकाशित हुई थी जिसे 18 57 में कौमी झंडे को सलामी देते वक्त जगह-जगह गाया जाता था, किंवदंतियों तो यह भी है कि जिन लोगों के घरों पर पयाम --ए- आजादी की प्रति पाई गई उन्हें अंग्रेजी हुकूमत द्वारा फांसी पर लटका दिया गया। हालांकि दुर्भाग्य सेआज हिंदुस्तान में पहले उर्दू समाचार पत्र पयाम -ए-आजादी की एक भी प्रति उपलब्ध नहीं है ,,सिर्फ लंदन के संग्रहालय में इसकी एक प्रति सुरक्षित रखी हुई है, कुल मिलाकर 18 57 के पहले कालखंड को हिन्दी समाचार पत्र पत्रकारिता के प्रारंभिक युग और 18 57 से अब तक की हिंदी पत्रकारिता को मोटे तौर पर पांच भागों में विभाजित किया जा सकता है ।

गौरतलब बात है कि लोकमान्य तिलक महात्मा गांधी जैसे कद्दावर नेताओं ने भी समाचार पत्र निकाले, 1881 में बाल गंगाधर तिलक ने मराठी समाचार पत्र केसरी का प्रकाशन प्रारंभ किया। 1903 में महात्मा गांधी ने भी कमजोर तबकों के लिए इंडियन ओपिनियन दक्षिण अफ्रीका नाम से अखबार का प्रकाशन किया।इसी क्रम में 1909 में पंडित मदन मॉल मालवीय ने द लीडर नामक समाचार पत्र का प्रकाशन किया था 1913 में गणेश शंकर विद्यार्थी ने क्रांतिकारियों के लिए कानपुर से प्रताप नामक समाचार पत्र का प्रकाशन किया

(लेखक -मध्य प्रदेश शासन से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

(यह लेखक के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

संपादकीय

एकता- शांति का संदेश

ऐसे वक्त में जब पहलगाम आतंकी हमले के बाद पूरा देश दुख और गुस्से की मन-स्थिति से गुजर रहा है, जम्मू-कश्मीर विधानसभा ने शांति और सांप्रदायिक सद्भाव का एक सशक्त संदेश दिया है। जो कि वक्त की जरूरत भी थी। जम्मू-कश्मीर विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान सदन ने सर्वसम्मति से इस वीभत्स हत्याकांड की पुरजोर निंदा करते हुए बाकायदा एक प्रस्ताव पारित किया। जिस आतंकी हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया, लोगों को आक्रोशित तथा दुखी किया, उसके खिलाफ जम्मू-कश्मीर विधानसभा का विशेष सत्र बुलाना व निंदा प्रस्ताव पारित करना निश्चित रूप से देश के जख्मों पर मरहम लगाने जैसा ही है। निश्चय ही यह संदेश देश की गंगा-जमुनी संस्कृति के अनुरूप ही है। निर्विवाद रूप से आतंकियों का कोई धर्म नहीं होता है, लेकिन हर धर्म के व्यक्ति को खुले मन से आतंकियों की निंदा करनी चाहिए। यह विडंबना ही है कि यह भयावह घटना राज्य से केंद्रशासित बने जम्मू-कश्मीर में शांतिपूर्ण और सक्रिय भागीदारी वाले विधानसभा चुनावों के बाद उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार के सत्ता में आने के छह माह बाद हुई। ऐसे में मुख्यमंत्री के लिये सबसे बड़ी चुनौती यह सुनिश्चित करना है कि संवेदनशील केंद्र शासित प्रदेश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया के पुनरुद्धार से होने वाले लाभ यूं ही व्यर्थ न चले जाएं। यह सकारात्मक संदेश ही है कि जम्मू-कश्मीर के लोगों ने आतंक को सिरे से खारिज किया है। यही वजह है कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला नरसंहार के बाद घाटी के लोगों के दिलों से सीधे निकल रहे आक्रोश और दुख को कश्मीर के लिये एक उम्मीद की किरण के रूप में देखते हैं। जो पाक पोषित आतंकवाद को नकारने जैसा ही है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने विधानसभा में कहा भी कि इस केंद्रशासित प्रदेश की हर मस्जिद में पहलगाम हमले में मारे लोगों की याद में मौन रखा गया। जो यह बताता है कि धर्म-संप्रदाय से परे लोग पूरे देश की संवेदनाओं को महसूस करते हैं। साथ ही आतंकवाद को सिरे से खारिज भी करते हैं। निश्चित रूप से इस नये कश्मीर से आया यह संकेत दिल को छूने वाला है। जो यह भी बताता है कि अभी भी सब कुछ खत्म नहीं हुआ है। निश्चित रूप से राष्ट्रीय एकता, करुणा और लचीलेपन की यह भावना स्वागत योग्य है। साथ ही यह भी उम्मीद जगी है कि यह नई सोच विघटनकारी ताकतों का मुकाबला कर सकती है। उन अलगाववादियों का जो विकासशील जम्मू-कश्मीर को फिर से 1990 के दशक की शुरुआत के बुरे दौर में धकेलना चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री होने के नाते उमर अब्दुल्ला ने स्पष्ट रूप से स्वीकार किया किया है कि वे राज्य में आये पर्यटकों को सुरक्षित घर वापस भेजने की अपनी जिम्मेदारी में विफल रहे हैं। उन्होंने उन कयासों को खारिज किया कि त्रासदी का उपयोग राजनीतिक लाभ हेतु राज्य का दर्जा पाने के लिये किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक आतंकवाद अपना भयानक रूप दिखाता रहेगा, तब तक जम्मू-कश्मीर का केंद्रशासित प्रदेश का दर्जा समाप्त नहीं होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि आतंक के खिलाफ लड़ाई में कश्मीरियों और उनके निर्वाचित प्रतिनिधियों की पूरी तरह से भागीदारी जमीन पर एक स्पष्ट अंतर ला सकती है।

बिना मुहूर्त निकलवाए कोई भी शुभ कार्य करने का दिन है अक्षय तृतीया

(लेखक -- योगेश कुमार गोयल)

(अक्षय तृतीया (30 अप्रैल) पर विशेष)

प्रत्येक वर्ष वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को 'अक्षय तृतीया' पर्व मनाया जाता है, जो इस वर्ष 30 अप्रैल को मनाया जा रहा है। अक्षय तृतीया की शुरुआत 29 अप्रैल की शाम पांच बजकर 31 मिनट पर हो रही है, जो 30 अप्रैल की दोपहर दो बजकर 12 मिनट पर समाप्त होगी। ऐसे में उदया तिथि को ध्यान में रखते हुए अक्षय तृतीया की पूजा और खरीदारी करना 30 अप्रैल को ही सबसे शुभ है। अक्षय तृतीया की पूजा के लिए 30 अप्रैल को प्रातः पांच बजकर 41 मिनट से दोपहर 12 बजकर 18 मिनट तक का समय बहुत शुभ है। मांगलिक कार्यों के लिए अक्षय तृतीया पर्व को हिन्दू धर्म में बहुत शुभ माना गया है। मान्यता है कि इस दिन स्वयंसिद्ध योग होते हैं और बिना मुहूर्त निकलवाए कोई भी शुभ कार्य आयोजित किया जा सकता है। यह पर्व आस्था, परंपरा और अध्यात्म का संगम है। सनातन धर्मानुसार, वैशाख मास में शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को 'अक्षय तृतीया' या 'आखा तीज' कहते हैं। पौराणिक शास्त्रानुसार, अक्षय तृतीया विवाह और अन्य शुभ कार्यों के लिए स्वयंसिद्ध मुहूर्त माना जाता है। इस दिन किए गए शुभ कार्य, दान, उपवास और व्रत का अक्षय फल अर्थात संपूर्ण फल मिलता है। मान्यता है कि अक्षय तृतीया के दिन स्वयंसिद्ध योग होते हैं और इस दिन बिना मुहूर्त निकलवाए कोई भी शुभ कार्य सम्पन्न किया जा सकता है, इसीलिए लोग बिना पंचांग देखे अक्षय तृतीया के दिन विवाह, गृह प्रवेश, नया व्यापार, धार्मिक अनुष्ठान, पूजा-पाठ, घर, भूखंड या नए वाहन आदि की खरीदारी करते हैं। मान्यताओं के अनुसार, इसी तृतीया तिथि को माता पार्वती ने अमोघ फल देने की सामर्थ्य का आशीर्वाद दिया था, जिसके प्रभाव से अक्षय तृतीया के दिन किया गया कोई भी कार्य निष्फल नहीं होता। पुराणों के अनुसार, इस दिन सूर्योदय से पहले उठकर स्नान, दान, जप व स्वाध्याय करना शुभ फलदायी होता है।

भविष्यपुराण के अनुसार, अक्षय तृतीया को युगादि तिथि माना गया है, यानी इसी तिथि से सतयुग व त्रेतायुग का प्रारंभ हुआ था। भगवान विष्णु के तीन अवतारों, नर-नारायण, हयग्रीव और परशुराम का अवतरण भी इसी तिथि को हुआ था। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, इस वर्ष अक्षय तृतीया पर बहुत से शुभ योग बन रहे हैं। इन योग में लक्ष्मी पूजा करने से धन वृद्धि होती है। अक्षय तृतीया के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग बन रहा है, जो बहुत खास है। इसके अतिरिक्त, जो अन्य शुभ योग बनने वाले हैं, उनमें शोभन योग दोपहर 12 बजकर दो मिनट तक रहेगा। रवि योग शाम को चार बजकर 18 मिनट से शुरू होकर पूरी रात रहने वाला है। इस दिन सोना खरीदना बहुत शुभ माना गया है। अक्षय तृतीया तिथि संपूर्ण पापों का नाश करने वाली और समस्त सुख प्रदान करने वाली मानी गई है। विभिन्न शास्त्रों के अनुसार, इस दिन हवन, जप, दान, स्वाध्याय, तर्पण इत्यादि जो भी कर्म किए जाते हैं, वे सब अक्षय हो जाते हैं।

मान्यता है कि द्वापर युग इसी तिथि को समाप्त हुआ था, जबकि त्रेता, सतयुग और कलियुग का आरंभ इसी तिथि को हुआ था, इसीलिए इसे 'कृतयुगादि तृतीया' भी कहा जाता है। भारत में कई स्थानों पर अक्षय तृतीया को 'आखा तीज' के नाम से भी जाना जाता है। भविष्य पुराण के अनुसार, इस तिथि की गणना युगादि तिथियों में होती है। इस तिथि की अधिष्ठात्री देवी पार्वती मानी गई हैं और इस दिन मां लक्ष्मी की भी विधिवत पूजा की जाती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, पृथ्वी पर देवताओं ने 24 रूपों में अवतार लिया था, जिनमें छठा अवतार भगवान परशुराम का था, जिनका जन्म अक्षय तृतीया के ही दिन हुआ था। ब्रह्मा के पुत्र अक्षय कुमार का प्राकट्य भी इसी दिन हुआ माना जाता है। भगवान विष्णु के चरणों से गंगा भी इसी दिन धरती पर अवतरित हुई थी। इस पर्व को लेकर लोक धारणा है कि इस तिथि को यदि चंद्रमा के अस्त होते समय रोहिणी आगे होगी तो फसल अच्छी होगी।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

(चिंतन-मनन)

सबसे बड़ी दौलत

एक विधवा अध्यापिका के दो बेटे थे। वह उन्हें गुरुकुल में अच्छी शिक्षा दिला रही थी। वह खुद भी अनेक बच्चों को संस्कृत पढ़ाती थी। इससे उसे जो कुछ प्राप्त होता था, उसी से वह अपना जीवनयापन करती थी। उसने अत्यंत गरीबी के दिनों में भी कभी किसी के आगे हाथ नहीं फैलाए। उसके स्वाभिमान को देख अनेक लोग अध्यापिका का बहुत आदर करते थे।

एक दिन एक बहुत बड़े सेठ को अध्यापिका की विद्वता व उसकी निर्धनता के बारे में मालूम हुआ। उस सेठ के कोई संतान नहीं थी। उसने सोचा हुआ था कि वह कुछ गरीब बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करने के लिए उन्हें धन प्रदान करेगा। सेठ अध्यापिका के घर पहुंचा और बोला, देवी, आप निर्भीक व स्वाभिमानी हैं। मैं चाहता हूं कि आपके बच्चे अच्छी शिक्षा ग्रहण करें। उसके लिए आप यह कुछ रुपये स्वीकार करें। इसके बाद उसने रुपयों की थैली अध्यापिका की ओर बढ़ाई। अध्यापिका हाथ जोड़कर सेठ से बोली, शायद आपको कुछ भ्रम हो गया है। मैं इतनी गरीब भी नहीं हूं कि अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा न दे पाऊं। मेरे पास जितनी दौलत है, उतनी शायद ही किसी के पास हो। सेठ अचरज से बोला, कहां है दौलत, जरा हमें भी तो बताइए।

अध्यापिका ने अपने दोनों पुत्रों को आवाज लगाई तो दोनों पुत्र तुरंत वहां आए और अपनी मां के पैर छूने के बाद उन्होंने सेठ के पैर छुए। फिर उन्होंने मां से पूछा, कहिए कैसे याद किया? दोनों पुत्रों की ओर देखकर अध्यापिका बोली, यही दोनों मेरी सबसे बड़ी दौलत हैं। दोनों लड़कों को देखकर सेठ अभिभूत हो गया और बोला, बिल्कुल सही। वास्तव में जिसकी संतान संस्कारी और गुणी है, वह कभी गरीब हो ही नहीं सकता। अध्यापिका ने सेठ से कहा, जो कुछ आप मुझे देने आए हैं, उसे अनाथ बच्चों को शिक्षित करने के लिए दे दें। सेठ ने वैसा ही किया।

विचार मंथन

फर्जी दस्तावेजों के सहारे सरकारी खजाने को अरबों का नुकसान

(लेखक- सनत जैन)

केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने मध्य प्रदेश के शराब कारोबारियों से जुड़े हुए फर्जीवाडे को लेकर 11 शराब कारोबारी के 18 ठिकानों पर छापेमारी की है। इस छापामारी में 49 करोड़ 42 लाख रुपए की धोखाधड़ी और सरकारी खजाने मे और वह रुपए की डकैती डालने का मामला सामने आया है। ईडी ने मनी लॉड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत कार्रवाई की है। जांच एजेंसी को छापे के दौरान कई ऐसे दस्तावेज और जानकारियां प्राप्त हुई हैं, जिससे करोड़ों-अरबों रुपए का किया गया घोटाला मध्य प्रदेश में उजागर हुआ है। मध्य प्रदेश में 2015-16 मे पहली बार यह मामला उजागर हुआ था। उस समय इस मामले को दबा दिया गया था। हाल ही में ईडी की टीम ने जब छापा मारकर जांच शुरू की। उसके बाद एक के बाद एक नए फर्जीवाड़े की परतें खुलकर सामने आनी शुरु हो गईं हैं। 2015-16 से 2017-18 के बीच चालानो में फर्जीवाडा किया गया। जिससे सरकार को अरबो रुपए का नुकसान उठाना पड़ा। बैंक गारंटी के रूप में फर्जी गारंटी प्रस्तुत की गई। शराब कारोबारियों द्वारा दस्तावेजों में हेराफेरी करके करोड़ों रुपए का नुकसान सरकारी खजाने को पहुंचाया गया। सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों की मिलीभगत से शराब कारोबारी फर्जीवाड़ा कर रहे थे। इस लूट में सभी शामिल थे। जब मामला सामने आया, तब तत्कालीन आबकारी मंत्री की भूमिका संदेहासप्रद रही। आबकारी विभाग के जिस अधिकारी संजीव दुबे की सरपरस्ती में आबकारी विभाग में करोड़ों रुपए के घोटाले हुए थे, 2017 में उसकी एफआईआर दर्ज हुई। क्योंकि इस लूट में आबकारी विभाग के महत्वपूर्ण पदों में बैठे लोग शामिल थे अत- मामले को दबा दिया गया। जब यह मामला उजागर हुआ, तब शराब ठेकेदारों ने 22 करोड़ रुपए सरकार के खाते में जमाकर मामले को दबबा दिया था। इस मामले को दबाने मे आबकारी विभाग के अधिकारी और तत्कालीन मंत्री की भूमिका थी। उस समय सभी जिम्मेदार पदों पर बैठे हुए पदाधिकारियों ने इस लूट में अपना-अपना हिस्सा वसूल किया था। 2017 से यह मामला ईडी के पास लंबित पड़ा हुआ था। केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों द्वारा बार-बार जानकारी मांगी गई। उसके बाद भी आबकारी विभाग द्वारा ईडी को समय पर जानकारी नहीं दी जा रही थी। ईडी ने शराब कारोबार से जुडे ठेकेदारों और अधिकारियों की जांच अपने स्तर पर कर 18 ठिकानों पर छापेमारी की है। अभी तक लगभग 50 करोड़ रुपए के सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचाने वाले दस्तावेजों को ईडी ने जप्त किया है। इस मामले की जिस तरह से ईडी जांच कर रही है, उससे अरबो रुपए की धोखाधड़ी के नए मामले उजागर होने की संभावना ईडी के अधिकारियों ने व्यक्त की है। शराब कारोबारियों और आबकारी विभाग के अधिकारियों तथा राजनेताओं की मिली भगत से बड़े पैमाने पर अरबों रुपए के घोटाले हर राज्य में हो रहे हैं। दिल्ली का मामला पिछले कई वर्षों से चर्चाओं में है। मध्य प्रदेश मे भी हर साल सैकड़ों करोड़ रुपए का घोटाला शराब कारोबारियों और आबकारी विभाग की मिलीभगत से होता है। शराब कारोबार मे सरकारी खजाने को सुनियोजित रूप से नुकसान पहुंचाया जाता है। केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय के निशाने पर शराब कारोबार से जुड़े किस तरह के अपराध होते हैं, यह मामला सामने आ चुका है। केंद्रीय परिवर्तन निदेशालय द्वारा आबकारी विभाग में चल रहे घोटाले की ट्रैकिंग पिछले कई महीनो से की जा रही थी। सही तरीके से कार्रवाई हुई, तो इसमें बड़े-बड़े खुलासे होंगे। यह मामला मध्य प्रदेश का है। देशभर में इसी तरीके से फर्जी दस्तावेजों के जरिए बड़े पैमाने पर सरकारी खजाने में घोटाले किए जा रहे हैं। ट्रेजरी में चालान से और ऑनलाइन ट्रांसफर की गई राशि का मिलान कई-कई वर्षों तक नहीं हो पाता है। अधिकारियों की कोई रुचि नहीं रहती है। जिस तरीके से ट्रेजरी में लेन-देन बढ़ रहा है। वित्त मंत्रालय और वित्त विभाग के पास जो दस्तावेज प्रस्तुत किए जाते हैं। सरकार के खातों में जो रकम जमा होती है। उसका मिलान करने का सिस्टम नहीं होने से हर राज्य में अरबो रुपए की धोखाधड़ी बदस्तूर जारी है। विभागों और वित्त मंत्रालय की ट्रेजरी के बीच में ऐसा कोई तरीका नहीं अपनाया जाता है, जिससे यह पता लगे, कहां पर किस लेवल पर गड़बड़ी हो रही है। ईडी ने इस मामले में छापे डाले हैं। निश्चित रूप से नए-नए खुलासे होंगे। धोखाधड़ी और दस्तावेजों में हेरा-फेरी करके राज्य सरकारों और केंद्र सरकार को अरबों रुपए का नुकसान हर महीने पहुंचाया जा रहा है। उसमें रोक लगेगी, यही आशा की जा सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आरबीआई मई में 1.25 लाख करोड़ के सरकारी बॉन्ड खरीदेगा

बैंकिंग प्रणाली में तरलता बढ़ाने में मदद मिलेगी

मुंबई।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मई में 1.25 लाख करोड़ रुपये के सरकारी बॉन्ड खरीदने की योजना बनाई है। इस पहल में, 50,000 करोड़ रुपये की किस्त 6 मई को जारी की जाएगी और आगे की तीन किस्तें 9, 15 और 19 मई को जारी की जाएंगी। इससे बैंकिंग प्रणाली में तरलता बढ़ाने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही, एक अन्य विकल्प चरखी दाधी जेनसोल इंजीनियरिंग क्षेत्र में संकट का सामना कर रही है। ईडी ने जेनसोल के परिसरों में छापा मारा और कई दस्तावेजों, वित्तीय रिकॉर्डों और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को जब्त किया। विनिर्माण, खनन और बिजली क्षेत्रों में उत्पादन की वृद्धि दर मार्च, 2025 में गिरकर तीन फीसदी रही। इससे इंडस्ट्रियल उत्पादन की चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। सरकार ने आंकड़े संशोधित करके इसे सुधारने का प्रयास किया है। आंकड़ों के मुताबिक विनिर्माण क्षेत्र की उत्पादन वृद्धि दर मार्च में तीन फीसदी रह गई है, जबकि खनन की वृद्धि दर 0.4 फीसदी और बिजली की 6.3 फीसदी रही। इससे इंडस्ट्रीज की स्थिरता में सुधार के लिए चुनौती है।

वर्ष 2024-25 में आधार कार्ड धारकों ने 2,707 करोड़ सत्यापन किए गए

अब तक हुए सत्यापन लेनदेन की कुल संख्या 14,800 करोड़ से अधिक हुई

नई दिल्ली।

आधार कार्ड धारकों ने वित्त वर्ष 2024-25 में सत्यापन के लिए 2,707 करोड़ से अधिक लेनदेन किए जिनमें से 247 करोड़ सत्यापन अकेले मार्च महीने में ही किए गए। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक मार्च 2025 में आधार के जरिये सत्यापन की कुल संख्या (246.75 करोड़) पिछले वर्ष की इसी अवधि के साथ फरवरी 2025 में किए गए सत्यापन से भी अधिक है। इसके साथ ही आधार की शुरुआत के बाद से अब तक हुए सत्यापन लेनदेन की कुल संख्या 14,800 करोड़ से अधिक हो गई है। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण द्वारा विकसित कृत्रिम मेधा/मशीन लर्निंग पर आधारित आधार चेहरा सत्यापन में महत्वपूर्ण वृद्धि देखने को मिल रही है।

पेट्रोल-डीजल 1 मई से हो सकता है 1.30 रुपए महंगा!

केरोसिन की कीमत भी बढ़ सकती है 1.35 रुपए

नई दिल्ली।

वैश्विक बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है, जिससे घरेलू बाजार भी प्रभो वित हो रहा है। इसी की वजह से पेट्रोल-डीजल के दाम में बदलाव देखने को मिल रहा है। हालांकि बीते दिनों कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है, जिसके बाद ये माना जा रहा है कि 1 मई से पेट्रोल-डीजल के भाव बढ़ सकते हैं। इस संबंध में अधिकारिक तौर पर बुधवार को अधिसूचना जारी की जा सकती है। जानकारी के अनुसार पेट्रोल-डीजल के दाम में 30 अप्रैल रात 12 बजे के बाद से 1.30 रुपए बढ़ोतरी हो सकती है। वहीं केरोसिन की कीमत भी 1.35 रुपए बढ़ सकते हैं। बता दें कि हाल ही में यहां की सरकार ने पेट्रोल पर लेवी 8.02 रुपये बढ़ाकर 78.02 रुपए प्रति लीटर और हाई स्पीड डीजल पर लेवी 7.01 रुपए बढ़ा दी थी। हालांकि इसका असर आम जनता पर नहीं पड़ा। फिलहाल ब्रेंट क्रूड की कीमत 65.52 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड की कीमत 61.87 डॉलर प्रति बैरल पर बनी हुई है। ऐसा मुख्य रूप से बाजार में अधिक आपूर्ति की उम्मीदों और अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ वार्ता को लेकर अनिश्चितता के दबाव में हुआ है।

अंबुजा सीमेंट्स ने वित्त वर्ष 25 में कमाया अब तक का सबसे अधिक 5,158 करोड़ रुपए का मुनाफा

अहमदाबाद।

अदाणी ग्रुप की सीमेंट और बिल्डिंग मटेरियल कंपनी अंबुजा सीमेंट्स ने मंगलवार को नतीजे जारी किए। वित्त वर्ष 25 में कंपनी का मुनाफा सालाना आधार पर 9 प्रतिशत बढ़कर 5,158 करोड़ रुपए हो गया है। इसके साथ ही कंपनी की उत्पादन क्षमता बढ़कर 100 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) हो गई है। इस क्षमता के साथ अंबुजा सीमेंट्स दुनिया की नौवीं सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी बन गई है। कंपनी ने बताया कि वित्त वर्ष 25 में आय सालाना आधार पर 6 प्रतिशत बढ़कर 35,045 करोड़ रुपए हो गई है। बीते वित्त वर्ष में कंपनी की एनुअल वॉल्यूम सालाना आधार पर 10 प्रतिशत बढ़कर 65.2 मिलियन टन हो गई है। वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही में कंपनी ने 1,868 करोड़ रुपए का ईबीआईटीडीए दर्ज किया है। इसमें सालाना आधार पर 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। यह किसी एक तिमाही में कंपनी द्वारा दर्ज किया गया, अब तक का सबसे अधिक ईबीआईटीडीए है। वहीं, स्टैंडअलोन आधार पर कंपनी का तिमाही में मुनाफा 75 प्रतिशत बढ़कर 929 करोड़ रुपए हो गया है। अंबुजा सीमेंट्स के पूर्णकालिक निदेशक और सीईओ विनोद बहेटी ने कहा, यह वर्ष अंबुजा सीमेंट्स की यात्रा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है क्योंकि हम 100 एमटीपीए क्षमता को पार कर गए हैं। इसके अतिरिक्त, हम देशभर में विभिन्न चरणों में क्षमता विस्तार कर रहे हैं, जो हमें वित्त वर्ष 2026 के अंत तक 118 एमटीपीए क्षमता हासिल करने में मदद करेंगे और हमें 2028 तक 140 एमटीपीए के हमारे लक्ष्य के करीब लाएगा। उन्होंने आगे कहा, 100 एमटीपीए मील का पत्थर सिर्फ एक संख्या नहीं है, यह हमारी महत्वाकांक्षा, मजबूती और उद्देश्य का प्रतीक है। जैसे-जैसे भारत 10 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की नींव रख रहा है, हम देश के इन्फ्रास्ट्रक्चर के निर्माण में अपनी भूमिका के प्रति प्रतिबद्ध हैं, जो विकास को सशक्त बनाता है, समुदायों को जोड़ता है और एक ग्रीन फ्यूचर को सपोर्ट करता है।

ग्रीनप्लाई का चौथी तिमाही में मुनाफा घटकर हुआ 16.6 करोड़

वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में मुनाफा 28.36 करोड़ रुपये रहा था

नई दिल्ली।

प्लाईवुड उद्योग की अग्रणी कंपनियों में से एक ग्रीनप्लाई इंडस्ट्रीज का वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही का मुनाफा 41.45 प्रतिशत घटकर 16.60 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी का वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में मुनाफा 28.36 करोड़ रुपये रहा था। ग्रीनप्लाई ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि जनवरी-मार्च 2025 में कंपनी की परिचालन आय 8.16 प्रतिशत बढ़कर 648.77 करोड़ रुपये हो गई। एक साल पहले यह 599.78 करोड़ रुपये रही थी। कंपनी ने कहा कि चुनौतीपूर्ण बाजार परिदृश्य में चौथी तिमाही के लिए प्लाईवुड व्यवसाय में वृद्धि संतोषजनक रही। उच्च ब्रांड प्रचार व्यय के बावजूद वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में मार्जिन सुधार के साथ 9.2 प्रतिशत हो गया। समूचे वित्त वर्ष 2024-25 में मुनाफा 31.12 प्रतिशत बढ़कर 91.72 करोड़ रुपये हो गया। एकीकृत राजस्व 14.11 प्रतिशत बढ़कर 2,487.58 करोड़ रुपये रहा।

आईफोन 17 की लांचिंग पर मंडरा रहे संकट के बादल

चीन से आयात में देरी बनी बड़ी चुनौती

नई दिल्ली।

चीन से आईफोन बनाने के लिए आवश्यक मशीनरी के आयात की अनुमति में लगातार हो रही देरी ने चिंता बढ़ा दी है। अगर यह देरी जारी रहती है, तो न केवल अपकमिंग आईफोन 17 के लॉन्च पर असर पड़ सकता है, बल्कि भारत में आईफोन मैन्युफैक्चरिंग को दोगुना करने की एप्पल की संभावित योजना भी प्रभावित हो सकती है। कंपनी का लक्ष्य था कि भारत से उत्पादन बढ़ाकर अमेरिका में आईफोन की मांग को पूरा किया जाए, ताकि चीन पर लगाए गए भारी आयात शुल्क से बचा जा सके। चीन से आयात को लेकर मंजूरी में देरी केवल इलेक्ट्रॉनिक्स तक ही सीमित नहीं है, बल्कि सुरंग निर्माण में इस्तेमाल होने वाली ड्रिलिंग मशीनों और सोलर एनर्जी से जुड़ी मशीनों सहित अन्य क्षेत्रों में भी यही स्थिति देखने को मिल रही है। यह ऐसे समय में हो रहा है जब सरकार देशभर में सुरंगों के निर्माण पर आक्रामक रूप से काम कर रही है। एक बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी के टॉप सूत्र ने बताया कि आम तौर पर एप्पल इंक हर साल एक नया मोबाइल फोन लॉन्च करता है, जबकि बाकी कंपनियां कम से कम दो मॉडल लॉन्च करती हैं। भारत में नए मॉडल असेंबल करने के लिए बड़ी मात्रा में नई आयातित मशीनों को रेट्रोफिट करना पड़ता है। लेकिन इस प्रक्रिया में अब लगातार देरी हो रही है, जो नए मॉडल के लॉन्च को प्रभावित कर सकती है। यह भी आशंका है कि मोबाइल असेंबली के लिए चीन से सेकंडहैंड मशीनरी के आयात जो कि वहां से भारत में उत्पादन क्षमता शिफ्ट करने का हिस्सा है, पर भी सख्ती बढ़ सकती है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने दिया सहारा, मंगलवार को हरे निशान पर बंद हुआ बाजार

मुंबई।

वैश्विक बाजारों से मिलेजुले रुख के बीच घरेलू शेयर बाजार सोमवार की बढ़त को कायम रखते हुए मंगलवार को हरे निशान पर बंद हुए। रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में लगातार दूसरे दिन तेजी ने बाजार को बढ़त बनने में अहम भूमिका निभाई। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 100 से ज्यादा अंक चढ़कर 80,396.92 पर खुला। कारोबार के दौरान यह 80,661.31 अंक तक चढ़ गया था। अंत में सेंसेक्स 70.01 अंक की बढ़त लेकर 80,288.38 पर बंद हुआ। इसतर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 भी पॉजिटिव शुरुआत लेकर 24,370.70 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान यह 24,457.65 अंक के शीर्ष तक गया। अंत में यह 7.45 अंक की मामूली बढ़त लेकर 24,335.95 पर बंद हुआ। इंडेक्स हैवीवेट रिलायंस इंडस्ट्रीज लगातार दूसरे ट्रेडिंग सेशन में सबसे ज्यादा लाभ में रही और कंपनी ने बीएसई बेंचमार्क को हरे निशान में बंद होने में काफी हद तक मदद की। रिलायंस का शेयर मंगलवार को 2.3 प्रतिशत बढ़कर 1,399 पर बंद हुआ और बीएसई बेंचमार्क में 180 अंकों

का योगदान दिया। इसके अलावा टेक महिंद्रा, इटरनल (पूर्व में ज़ोमैटो), एचसीएल टेक्नोलॉजीज, बजाज फिनसर्व, इंफोसिस और टीसीएस लाभ में रहने वाले अन्य प्रमुख शेयरों रहे। इनमें 1 से 2 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वहीं अल्ट्राटेक सीमेंट और सन फार्मा में 2 प्रतिशत की गिरावट आई। पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन, कोटक महिंद्रा बैंक, एनटीपीसी, एसबीआई और नेस्ले इंडिया भी प्रमुख रूप से गिरावट में बंद हुए।

वैश्विक बाजारों से क्या संकेत?

अमेरिकी शेयर बाजार ने उतार-चढ़ाव भरे सेशन को हरे निशान पर बंद किया। एसएंडपी 500 में 0.06 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 5,528.75 पर बंद हुआ। नैस्डैक कंपोजिट में 0.1 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 17,366.13 पर बंद हुआ। डॉव जोन्स 0.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 40,227.59 पर बंद हुआ।

एसएंडपी 500 से जुड़े फ्यूचर्स 0.08 प्रतिशत चढ़े। जबकि नैस्डैक 100 वायदा 0.11 प्रतिशत और डॉव जोन्स फ्यूचर्स 0.05 प्रतिशत चढ़ा।

डीबीआई बैंक का चौथी तिमाही में मुनाफा बढ़कर हुआ 2,051 करोड़

बैंक का वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में मुनाफा 1,628 करोड़ रहा था

नई दिल्ली।

आईडीबीआई बैंक का वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में मुनाफा सालाना आधार पर 26 प्रतिशत बढ़कर 2,051 करोड़ रुपए रहा। बैंक का वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में मुनाफा 1,628 करोड़ रुपए रहा था। एलआ कंपनी ने कहा कि समीक्षाधीन तिमाही में कुल आय बढ़कर 9,035 करोड़ रुपए हो गई, जो जनवरी-मार्च 2024 में 7,887 करोड़ रुपए थी। इस दौरान ब्याज आय मामूली रूप से घटकर 6,979 करोड़ रुपए रह गई, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 6,990 करोड़ रुपए थी। पूरे वित्त वर्ष 2024-25 में मुनाफा सालाना आधार पर 33 प्रतिशत बढ़कर 7,515 करोड़ रुपए हो गया। वित्त वर्ष 2023-24 में यह 5,634 करोड़ रुपए रहा था। कुल आय बढ़कर पिछले वित्त वर्ष में 33,826 करोड़ रुपए हो गई, जो 2023-24 में 30,037 करोड़ रुपए थी। परिसंपत्ति गुणवत्ता के मामले में, बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) 31 मार्च 2025 तक सकल अग्रिमों के 2.98 प्रतिशत तक कम हो गई, जबकि 31 मार्च 2024 के अंत तक यह 4.53 प्रतिशत थी। शुद्ध एनपीए भी सालाना आधार पर 0.34 प्रतिशत से घटकर 0.15 प्रतिशत रह गया। आईडीबीआई बैंक के निदेशक मंडल ने 2.10 रुपए प्रति शेयर लाभांश का प्रस्ताव किया है। यह शेयरधारकों की मंजूरी पर निर्भर है।

केनरा एचएसबीसी लाइफ ने आईपीओ लाने सेबी के पास जमा किए दस्तावेज

बिक्री पेशकश के तहत केनरा बैंक 13.77 करोड़ शेयर बेचेगा

नई दिल्ली।

रोबेको एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) द्वारा सेबी के समक्ष आईपीओ के लिए दस्तावेज दाखिल करने के कुछ दिन बाद केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल किए हैं। सेबी के समक्ष दस्तावेजों के अनुसार केनरा रोबेको एएमसी की तरह ही केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी का आईपीओ प्रवर्तकों और एक निवेशक द्वारा 23.75 करोड़ शेयर की पूर्ण बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित होगा। बिक्री पेशकश के तहत, केनरा बैंक 13.77 करोड़ शेयर बेचेगा, एचएसबीसी इंश्योरेंस (एशिया-पैसिफिक) होल्डिंग्स लिमिटेड 47.5 लाख शेयर बेचेगा और पंजाब नेशनल बैंक 9.5 करोड़ शेयर बेचने की योजना बना रहा है। आईपीओं के पूरी तरह ओएफएस होने के कारण कंपनी को सार्वजनिक निर्गम से कोई आय प्राप्त नहीं होगी। केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी, केनरा बैंक द्वारा प्रवर्तित एक संयुक्त उद्यम है। इसके पास 51 प्रतिशत हिस्सेदारी है तथा एचएसबीसी समूह की एचएसबीसी इंश्योरेंस (एशिया पैसिफिक) होल्डिंग्स के पास 26 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

नए फोल्डेबल फोन को लॉन्च करने की तैयारी में वीवो

नई दिल्ली।

चाइनीज कंपनी वीवो अपने नए फोल्डेबल फोन को लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। इस अपकमिंग फोल्डेबल फोन का नाम वीवो एक्स फोल्ड 4 या एक्स फोल्ड 5 हो सकता है। इसी बीच टिपस्टर डिजिटल चैट स्टेशन ने कहा है कि वीवो का नया फोल्डेबल फोन इस साल की तीसरी तिमाही में मार्केट में एंट्री कर सकता है। हालांकि, टिपस्टर ने इस फोन का नाम अभी नहीं लिया है, लेकिन लीक में फोन के बारे में जो जानकारियां दी हैं, उससे माना जा रहा है कि यह एक फोल्डेबल डिवाइस हो सकता है। टिपस्टर ने कहा कि वीवो का यह नया फोन स्नैपड्रैगन 8 जेन 3 प्रोसेसर के साथ आ सकता है। वीवो एक्स फोल्ड 3 की बात करें, तो कंपनी ने इस फोन को स्नैपड्रैगन 8 जेन 2 चिपसेट के साथ लॉन्च किया था। वीवो एक्स फोल्ड 4 प्रो के बारे में अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। अगर कंपनी इसे लॉन्च करती है, तो इसमें आपको स्नैपड्रैगन 8 एलीट चिपसेट देखने को मिल सकता है। एक्स 4 फोल्ड प्रो की बात करें, तो कंपनी इस फोन में बायोमेट्रिक सिक्योरिटी के लिए साइड-माउंटेड फिंगरप्रिंट सेंसर दे सकती है। यह फोन पेरिस्कोप-स्टाइल टेलिफोटो कैमरा और वायरलेस चार्जिंग से लैस हो सकता है। अफवाह है कि कंपनी इस फोन में 50 मेगापिक्सल का

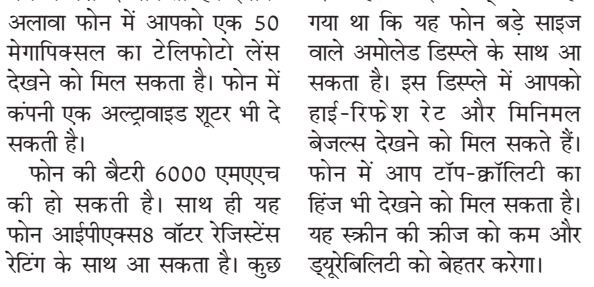

मेन कैमरा दे सकती है। इसके अलावा फोन में आपको एक 50 मेगापिक्सल का टेलिफोटो लेंस देखने को मिल सकता है। फोन में कंपनी एक अल्ट्रावाइड शूटर भी दे सकती है।

फोन की बैटरी 6000 एमएएच की हो सकती है। साथ ही यह फोन आईपीएक्स8 वॉटर रेजिस्टेंस रेटिंग के साथ आ सकता है। कुछ दिन पहले आई रिपोर्ट्स में कहा गया था कि यह फोन बड़े साइज वाले अमोलेड डिस्प्ले के साथ आ सकता है। इस डिस्प्ले में आपको हाई-रिफ्रेश रेट और मिनिमल बेजल्स देखने को मिल सकते हैं। फोन में आप टॉप-क्वॉलिटी का हिंज भी देखने को मिल सकता है। यह स्क्रीन की क्रीज को कम और ड्यूरेबिलिटी को बेहतर करेगा।

भारतीय बाजार में लॉन्च होने वाली हैं 5 नई एसयूवी

नई दिल्ली।

दिग्गज ऑटोमोबाइल कंपनियां 10 लाख रुपये से कम कीमत में भारत में अपनी नई एसयूवी मॉडल लॉन्च करने की योजना बना रही हैं। आने वाले दिनों में भारतीय बाजार में 5 नई एसयूवी लॉन्च होने वाली हैं, जिनमें कुछ अपडेटेड वर्जन और इलेक्ट्रिक मॉडल्स शामिल होंगे। टाटा मोटर्स अपनी पॉपुलर एसयूवी पंच का फेसलिफ्ट वर्जन पेश करने जा रही है।

इस नई टाटा पंच में बदलते हुए डिजाइन के साथ बेहतर फीचर्स मिलेंगे, हालांकि इसमें पावरट्रेन में कोई बदलाव नहीं होगा। वहीं, मारुति सुजुकी अपनी फ्रोंक्स एसयूवी का अपडेटेड वर्जन लाने की तैयारी कर रही है। इस मॉडल में हाइब्रिड पावरट्रेन मिलेगा, जिससे एसयूवी का माइलेज करीब 30 किलोमीटर प्रति लीटर तक हो सकता है। हुंडई अपनी वेन्यू एसयूवी का नया वर्जन लॉन्च करेगी, जिसमें डिजाइन और इंटीरियर्स में सुधार होगा, लेकिन पावरट्रेन में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा। महिंद्रा अपनी बेस्ट-सेलिंग एसयूवी एक्सयूवी 3एक्सह्न का इलेक्ट्रिक वेरिएंट लाने जा रही है, जो एक बार चार्ज करने पर 400 से 450 किलोमीटर की रेंज ऑफर करेगा। यह महिंद्रा की पहली इलेक्ट्रिक एसयूवी होगी और इसका मुकाबला टाटा पंच ईवी से होगा। रेनॉल्ट भी अपनी किगर एसयूवी के फेसलिफ्ट वर्जन को लॉन्च करेगी, जिसमें नए एक्सटीरियर्स और इंटीरियर्स मिलेंगे, हालांकि पावरट्रेन में कोई बदलाव नहीं होगा। इन सभी नई एसयूवी के लॉन्च से भारतीय उपभोक्ताओं को बेहतर और किफायती विकल्प मिलने की संभावना है। बता दें कि वर्तमान में, भारत में होने वाली कुल कार बिक्री में 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी एसयूवी सेगमेंट की है, और यह आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है।

बीवायडी की सबसे महंगी ईवी एसयूवी सिलियन 7 लॉन्च

नई दिल्ली।

भारत में बीवायडी ने अपनी सबसे महंगी ईवी एसयूवी, सिलियन 7, लॉन्च की है। बीवायडी कंपनी ने घोषणा की कि उसके कोच्चि स्थित डीलरशिप ईवीएम बीवायडी ने एक दिन में सबसे ज्यादा प्रीमियम ईवीएस की डिलीवरी की है, जिसमें कुल 52 बीवायडी सिलियन 7 एसयूवी शामिल थीं। इस शानदार इवेंट में विभिन्न रंगों की एसयूवीएस को एक साथ खड़ा दिखाया गया और डिलीवरी के दौरान पारंपरिक ढोल वादक, नर्तक, और वायलिन वादक भी शामिल हुए। सिलियन 7 ने यूरो एनकैप क्रैश टेस्ट में 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग प्राप्त की है। इस एसयूवी ने वयस्क और बाल यात्रियों के लिए उत्कृष्ट सुरक्षा अंक हासिल किए हैं। इसके अलावा, सिलियन 7 में 11 एयरबैग, 360-डिग्री कैमरा और एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम जैसे कई सुरक्षा फीचर्स दिए गए हैं। यह एसयूवी यूजर्स को एक बेहतरीन ड्राइविंग अनुभव प्रदान करने के साथ-साथ उच्चतम सुरक्षा मानकों को भी सुनिश्चित करती है। सिलियन7 की कीमत रुपए 48.9 लाख (निचला वेरिएंट) और रुपए 54.9 लाख (पर्फॉर्मेंस वेरिएंट) है। बीवायडी सिलियन 7 ने अपनी शानदार सुविधाओं और प्रदर्शन के कारण भारत में ईवी एसयूवी सेगमेंट में अपनी मजबूत स्थिति बना ली है।सिलियन 7 के दो वेरिएंट्स उपलब्ध हैं। निचला वेरिएंट एक सिंगल मोटर सेटअप के साथ आता है, जो 308 बीएचपी और 380 एनएम टॉर्क उत्पन्न करता है, जबकि पर्फॉर्मेंस वेरिएंट डुअल मोटर सेटअप के साथ 523 बीएचपी और 690 एनएम टॉर्क प्रदान करता है। दोनों वेरिएंट्स 82.56 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक से लैस हैं, जो क्रमशः 567 किमी और 542 किमी की रेंज प्रदान करता है।

एक साल के भीतर 70 हजार तक जा सकता है सोना

दिल्ली में 24 कैरेट सोने का भाव 97680 हजार रुपये प्रति दस ग्राम

नई दिल्ली।

अक्षय तृतीया पर सोने की खरीदारी को शुभ माने जाने की वजह से इस दिन लोग अक्सर सोने की खरीदारी करते हैं। सोने के खरीदारों के लिए एक अच्छी खबर है कि आने वाले दिनों में सोने का भाव 1 लाख रुपये प्रति दस ग्राम से 70000 रुपये के स्तर तक पहुंच सकता है। यह दावा गोल्ड माइनिंग यानी खदानों से सोना निकालने वाली कंपनी ने किया है। फिलहाल, दिल्ली में 24 कैरेट शुद्ध सोने का भाव 97680 हजार रुपये प्रति दस ग्राम के आसपास है। ऐसे में अगर यह भाव टूटकर 70 हजार के लेवल पर पहुंचता है तो सोना तो 27000 रुपये सस्ता हो सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, गोल्ड माइनिंग का काम करने वाली कंपनीने दावा किया है कि अगर टैरिफ वॉर और ट्रेड टेंशन घटता है तो 12 महीनों में सोने की कीमतों में बड़ी गिरावट आ सकती है। इस कंपनी का कहना है कि वैश्विक बाजार में सोने का भाव 2500 डॉलर प्रति औंस तक जा सकते हैं। फिलहाल, अभी यह कीमत 3300 डॉलर प्रति औंस से ऊपर है। अगर इस कंपनी के दावे पर यकीन किया जाए तो भारत में सोने की कीमतें 1 लाख रुपये के रिकॉर्ड स्तर से टूटकर 70000 रुपये के स्तर तक आ सकती

है। फिलहाल, सोने का भाव 97000 रुपये प्रति दस ग्राम से 27000 रुपये सस्ता हो सकता है। वहीं सोने के भाव में आने वाले दिनों में बड़ा उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है, ऐसा कमोडिटी एक्सपर्ट्स कर रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हर्षित राणा को डगआउट में गंभीर के आभा और रोमांच की कमी हो रही महसूस

नई दिल्ली। भारतीय टीम के गेंदबाज हर्षित राणा ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मंगलवार को होने वाले आईपीएल मैच से पहले कहा कि कोलकाता नाइट राइडर्स के डगआउट में गौतम गंभीर से जुड़ी आभा और रोमांच की कमी उन्हें महसूस हो रही है। गंभीर के कोच रहते हर्षित ने 2024 आईपीएल में 19 विकेट लिए थे। केकेआर ने पिछले साल खिताब भी हासिल किया था। पिछले एक साल में हर्षित ने भारत के लिए तीनों प्रारूपों में खेला। केकेआर ने इस सत्र में अभी तक 6 अंक हासिल किए हैं और तालिका में सातवें स्थान पर है। हर्षित ने कहा कि सहयोगी स्टाफ वही है। अभिषेक नायर भी लौट आए हैं। चंदू सर, ड्वेन ब्रावो सभी अच्छे हैं, लेकिन मुझे उस समय के रोमांच की कमी खल रही है। मैं अपने बारे में बोल रहा हूं। उन्होंने कहा कि आपको पता है कि गंभीर की एक आभा हैं, जिस तरह से वह टीम को लेकर चलते हैं। आस्ट्रेलिया में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में खराब प्रदर्शन के बाद बीसीसीआई ने नायर को सहायक कोच के पद से हटा दिया था जिसके बाद वह केकेआर में लौटे हैं। हर्षित ने कहा कि नायर के वापस आने से काफी बदलाव होंगे क्योंकि वह चतुर हैं। वह हालात को बखूबी पढ़ लेते हैं और केकेआर टीम से अच्छी तरह वाकिफ हैं। उन्होंने इस टीम को तैयार किया है। अब उनके आने से काफी मदद मिल सकती है।

चंडीगढ़ में चैंपियन फुटबॉल एकेडमी की शुरुआत, कठोर चयन प्रक्रिया से होगा 20 खिलाड़ियों का चयन

चंडीगढ़।

चंडीगढ़ में चैंपियन फुटबॉल एकेडमी की शुरुआत की घोषणा हुई है, जो संजय गांधी एजुकेशनल सोसाइटी और संधू फुटबॉल एकेडमी के सहयोग से एक अच्छी पहल है। इसका मकसद भारत भर में असाधारण युवा फुटबॉल प्रतिभाओं को पहचानना, संवारना और सशक्त बनाना है। इस एकेडमी का मुख्य मकसद उभरते हुए फुटबॉल खिलाड़ियों को अपनी खेल क्षमताओं को निखारने, गेम इंटेलिजेंस विकसित करने और अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने के लिए एक आदर्श मंच देना है। शुभारंभ के मौके पर बताया गया कि एकेडमी को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए कठोर चयन प्रक्रिया होगी। जिसमें 2012 और 2013 में जन्मे 20 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन होगा। इन खिलाड़ियों का चयन विशेषज्ञ कोच द्वारा कठोर ट्रायल्स के माध्यम से होगा। चैंपियन फुटबॉल एकेडमी अपने खिलाड़ियों के समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित करेगी। अनुभवी कोचों द्वारा विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिसमें खिलाड़ियों को फुटबॉल के उच्च मानकों तक पहुंचने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण मिलेगा। इसके अतिरिक्त, खिलाड़ियों को शीर्ष फुटबॉल अकादमियों के भ्रमण का मौका मिलेगा और प्रतिष्ठित टूर्नामेंटों में भाग लेने का मौका भी मिलेगा। खिलाड़ियों की शिक्षा और खेल को संतुलित रूप से बढ़ावा देने के लिए शैक्षणिक समर्थन भी दिया जाएगा। युवाओं के बेहतर विकास के लिए एकेडमी में निःशुल्क आवास की सुविधा होगी और किफायती आवासीय सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी। चयनित खिलाड़ियों को मुफ्त में प्रशिक्षण और प्लेइंग किट भी दी जाएगी। इसके अलावा, खिलाड़ियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए प्राथमिक उपचार की निःशुल्क सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के पूर्व निदेशक प्रो. डॉ.आई.पी. नागी द्वारा विशेषज्ञ

मार्गदर्शन और मेंटरशिप मिलेगी। एकेडमी को चुनने के लाभ बताकर रंजन सेठी और चोपड़ा ने कहा कि यह खिलाड़ियों को विशेषज्ञ कोचिंग, अत्याधुनिक सुविधाएं और व्यक्तिगत मेंटरशिप प्रदान करेगी।

इसके साथ ही, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टूर्नामेंट्स और एक्सचेंज कार्यक्रमों के माध्यम से एक्सपोज़र के अवसर भी मिलने है।

शुभमन ने की वैभव की तारीफ, कहा-ये उसका दिन था, जिसका उसने फायदा उठाया

नई दिल्ली।

गुजरात टाइटन्स के खिलाफ धुंआधार बल्लेबाजी करने वाले वैभव सूर्यवंशी की तारीफ शुभमन गिल ने भी की है। वैभव ने 11 छक्के और सात चौकों की मदद से शतक बनाया था, जो आईपीएल के इतिहास के दूसरा सबसे तेज शतक था। इसके अलावा वे सबसे कम उम्र में शतक जड़ने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं। मैच के बाद शुभमन गिल ने कहा कि ये वैभव का दिन था, जिसका उसने फायदा उठाया। गिल ने पोस्ट मैच प्रेजेंटेशन सेरेमनी में कहा कि उन्होंने पावरप्ले में हमसे गेम छीन लिया और इसका श्रेय उन्हें जाता है। कुछ चीजें ऐसी थीं जो हम बेहतर कर सकते थे, लेकिन बाहर बैठकर ऐसी बातें कहना बहुत आसान है। कुछ मौके हमें जल्द मिले, लेकिन हम फायदा नहीं उठा सके, लेकिन पीछे मुड़कर देखने पर लगता है कि कुछ ऐसे क्षेत्र हैं, जिन पर हमें काम करने की जरूरत है।गिल ने दूसरी पारी में बाहर बैठने पर कहा कि मेरी पीठ में थोड़ी ऐंठन महसूस हुई और हमें इसके कुछ दिन बाद एक और मैच खेलना है, इसलिए फिजियो कोई जोखिम नहीं लेना चाहते थे। मैच को लेकर कहा कि पिछले मैच में जो हुआ जीत या हार - हम मैच दर मैच चलते हैं। अगला मैच अहमदाबाद में है, हमने वहां अच्छा प्रदर्शन किया, इसलिए उम्मीद है कि हम इसे जारी रख पाएंगे। वैभव के तूफानी शतक को लेकर शुभमन गिल ने कहा कि यह उनका दिन था। उनकी बल्लेबाजी बहुत शानदार थी और उसने इसका पूरा फायदा उठाया। वैभव सूर्यवंशी ने महज 35 गेंदों में शतक लगाया, जो आईपीएल में किसी भी भारतीय का सबसे तेज शतक है। यहां तक कि वे इस लीग ही नहीं, बल्कि प्रोफेशनल टी20 क्रिकेट में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले बल्लेबाज बने गए हैं।

वैभव के मुरीद हुए शुभमन गिल, ये उनका दिन था

मुंबई।

गुजरात टाइटन्स के खिलाफ गर्दा उड़ाने वाले वैभव सूर्यवंशी की तारीफ जीटी के कप्तान शुभमन गिल ने भी की। वैभव ने 11 छक्के और सात चौकों की मदद से आईपीएल के इतिहास के दूसरा सबसे तेज शतक जड़ा। इसके अलावा वैभव सबसे कम उम्र में शतक जड़ने वाले बल्लेबाज बने। गिल ने कहा कि ये उनका दिन था, जिसका उन्होंने खूब फायदा उठाया। गिल ने मैच के बाद कहा, उन्होंने पावरप्ले में गेम छीन लिया और इसका श्रेय वैभव को जाता है। कुछ चीजें ऐसी थीं जो हम बेहतर कर सकते थे, लेकिन बाहर बैठकर ऐसी बातें कहना बहुत आसान है। कुछ मौके हमें जल्दी मिले, लेकिन हम उनका फायदा नहीं उठा सके, लेकिन पीछे मुड़कर देखने पर मुझे लगता है कि कुछ क्षेत्र हैं, जिन पर हमें एक ग्रुप की तरह काम करना होगा। गिल ने बाहर बैठने पर कहा, मेरी पीठ में थोड़ी ऐंठन महसूस हुई और हमें इसके कुछ दिन बाद एक और मैच खेलना है, इसलिए फिजियो कोई जोखिम नहीं लेना चाहते थे। उन्होंने कहा, पिछले मैच में जो हुआ -जीत या हार-हम मैच दर मैच चलते हैं। अगला मैच अहमदाबाद में है, हमने वहां अच्छा प्रदर्शन किया है, इसलिए उम्मीद है कि हम इसे जारी रख पाएंगे। वैभव के तूफानी शतक को लेकर गिल ने कहा, यह उनका दिन था। उनकी बल्लेबाजी बहुत शानदार थी और उन्होंने अपने दिन का पूरा फायदा उठाया। वैभव ने महज 35 गेंदों में शतक जड़ा था, जो आईपीएल में किसी भी भारतीय का सबसे तेज शतक है।

17 साल के बाद आईपीएल के 18वें सीजन में राजस्थान रॉयल्स ने बना दिए कई रिकॉर्ड

मुंबई।

इंडियन प्रीमियर लीग यानी आईपीएल को शुरू हुए 17 साल हो चुके हैं और 18वां सीजन जारी है, लेकिन किसी भी टीम ने 200 से ज्यादा रन का लक्ष्य 16 से कम ओवर में हासिल नहीं किया। हालांकि, इस बार राजस्थान रॉयल्स ने ये रिकॉर्ड ब्रेक कर दिया, जो कि अब तक आरसीबी के नाम दर्ज था।

इसके अलावा भी राजस्थान रॉयल्स बनाम गुजरात टाइटन्स मैच में कई बेजोड़ रिकॉर्ड बने और टूटे। आईपीएल में सबसे कम ओवरों में 200 से ज्यादा रनों का लक्ष्य हासिल करने का रिकॉर्ड राजस्थान रॉयल्स के नाम दर्ज हुआ है। राजस्थान ने 15.5 ओवर में 210 रनों का टारगेट हासिल किया। वहीं, आरसीबी ने 16 ओवर में 2024 में गुजरात टाइटन्स के ही खिलाफ अहमदाबाद में 200 प्लस का टारगेट किया था।

लिस्ट में तीसरा नाम मुंबई इंडियंस का है, जिसने वानखेड़े में 16.3 ओवर में 2023 में ये कमाल किया था। इसके अलावा आईपीएल में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ सफलता पूर्वक पीछा किया गया सबसे बड़ा लक्ष्य है, जो 2023 में अहमदाबाद में केकेआर द्वारा बनाए गए 205 रन से ज्यादा है। साथ ही राजस्थान रॉयल्स संयुक्त रूप से तीसरी ऐसी टीम बन गई है, जिन्होंने 4 या इससे ज्यादा बार आईपीएल में 200 या इससे ज्यादा रनों का टारगेट चेज

किया। आरआर के बराबर एसआरएच ने 4 मैच जीते हैं। एमआई ने 5 और पंजाब ने सात मैच जीते हैं। बल्लेबाज के हिसाब से वैभव ने रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी। वे आईपीएल में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले बल्लेबाज बने। उन्होंने 14 साल और कुछ दिनों की उम्र में ही शतक लगा दिया। इसके अलावा वे भारत के लिए आईपीएल में सबसे तेज शतक जड़ने वाले बल्लेबाज भी बने।

उन्होंने महज 35 गेंदों में तीन अंकों का जादुई स्कोर हासिल किया। राजस्थान रॉयल्स के लिए भी वे सबसे तेज शतक जड़ने वाले बल्लेबाज हैं।

संक्षिप्त समाचार

आवासीय क्रीडा छात्रावासों में खिलाड़ियों के प्रवेश के लिए ट्रायल 13 मई को

पिथौरागढ़। सीमांत में आवासीय क्रीडा छात्रावासों में बालक व बालिका खिलाड़ियों के प्रवेश के लिए 13 मई से चयन ट्रायल शुरू होगा। मंगलवार को जिला क्रीड़ाधिकारी अनूप बिष्ट ने बताया कि वर्ष 2025-26 में फुटबॉल, बॉक्सिंग, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, वालीबॉल, क्रिकेट व हॉकी खेलों में 11 जनपदों में संचालित आवासीय क्रीडा छात्रावासों में प्रवेश के लिए दो दिवसीय चयन ट्रायल होने हैं। निर्धारित तिथि को सुबह दस बजे से वल्दिया स्पोर्ट्स स्टेडियम चयन ट्रायल होगा। बताया कि चयन ट्रायल्स में भाग लेने वाले खिलाडियों की आयु एक जुलाई 2025 तक 16 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए, यानि की जन्म तिथि एक जुलाई 2009 या इसके बाद की होनी चाहिए। इसके अलावा इच्छुक बालक-बालिका को जन्म तिथि प्रमाण पत्र, उत्तराखंड मूल निवास प्रमाण पत्र व चिकित्सा विभाग की ओर से प्रदत्त स्वस्थता प्रमाण पत्र साथ में लाना अनिवार्य होगा।

वैभव के शानदार प्रदर्शन से गदगद पिता, बिहार क्रिकेट संघ तथा कोच राहुल द्रविड और मैनेजमेंट को दिया धन्यवाद

जयपुर।

राजस्थान रॉयल्स के युवा ओपनर वैभव सूर्यवंशी ने अपने शानदार खेल से क्रिकेट प्रेमियों को चौंका दिया। मात्र 14 साल की उम्र में वैभव ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंदों में शानदार शतक जड़ा। वे आईपीएल इतिहास के दूसरे खिलाड़ी बन गए, जिन्होंने सबसे कम गेंदों में शतक जड़ा है। वैभव ने जैसे ही शतक जड़ा, पूरे समस्तीपुर में जश्न शुरू हो गया। पिता संजीव सूर्यवंशी ने बिहार क्रिकेट संघ और राजस्थान रॉयल्स के सपोर्ट स्टाफ और मैनेजमेंट को धन्यवाद दिया। वैभव के पिता संजीव सूर्यवंशी ने बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश कुमार तिवारी को धन्यवाद दिया। इसके अलावा उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के कोच राहुल द्रविड़ और अन्य सपोर्ट स्टाफ के सदस्यों के अलावा मैनेजमेंट की भी तारीफ कर दिल से धन्यवाद किया। संजीव ने कहा, वैभव ने अपने खेल से दुनिया को दिखा दिया कि बिहार की मिट्टी में कितनी प्रतिभा छिपी है। आज पूरा जिला, पूरा प्रदेश और पूरा देश वैभव के खेल से गदगद है। बिहार का सीना गर्व से चौड़ा हो गया है। उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के स.पोर्ट स्टाफ को धन्यवाद देकर कहा, हम राजस्थान रॉयल्स टीम और खिलाड़ियों को दिल से धन्यवाद देना चाहते हैं, जिन्होंने पिछले 3-4 महीने से वैभव को ट्रेनिंग दी। हेड कोच राहुल द्रविड़, बैटिंग कोच विक्रम राठौर, साईराज बहुतुले, जुबिन भरूचा और अन्य मैनेजमेंट के सदस्यों ने वैभव के खेल को और बेहतर किया। वैभव ने भी बहुत मेहनत की, इसका परिणाम उन्हें मिला है। कोच बृजेश झा ने कहा कि उन्हें बहुत खुशी है कि उनकी क्रिकेट एकेडमी के किसी बच्चे ने शहर का नाम रोशन किया है। इतनी कम उम्र में सेंचुरी मारना बड़ी बात है। वहीं, चाचा ने कहा कि जिस तरह का प्रदर्शन वैभव ने किया, ये एक महान उपलब्धि है।

आईपीएल में इतिहास रचने वाले वैभव को मिलेंगे दस लाख, सीएम नीतीश ने किया ऐलान

पटना।

बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने सोमवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ रिकॉर्ड तोड़ने वाले शतक के लिए 14 साल क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी को 10 लाख रुपए का पुरस्कार देने की ऐलान किया। अपने शानदार प्रदर्शन से वैभव सूर्यवंशी ने टी20 प्रारूप के इतिहास में एक अमिट छाप छोड़ी। बिहार का रहने वाला यह छोटी उम्र का क्रिकेटर टी20 क्रिकेट में शतक बनाने वाला सबसे कम उम्र का खिलाड़ी बन गया है और 2013 में पुणे वॉरियर्स के खिलाफ क्रिस गेल के 30 गेंदों में वीरतापूर्ण प्रयास के बाद आईपीएल के इतिहास में दूसरा सबसे तेज शतक लगाने वाला खिलाड़ी भी बना गया है। वैभव की पारी को प्रसिद्ध कृष्णा की एक तीखी यॉर्कर की जरूरत पड़ी। हालांकि तब तक वह टीम को फिनिश लाइन तक ले आए थे। नीतीश ने राजस्थान की शानदार 8 विकेट की जीत के दौरान वैभव को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी और मंगलवार को राज्य सरकार की ओर से 10 लाख रुपए के पुरस्कार की घोषणा की गई है। सीएम नीतीश ने एक्स पर लिखा आईपीएल के इतिहास में शतक बनाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने बिहार के वैभव सूर्यवंशी को बधाई और शुभकामनाएं। अपनी मेहनत और

प्रतिभा के बल पर वह भारतीय क्रिकेट के लिए नई उम्मीद बन गए हैं।

सभी को उन पर गर्व है। मैं 2024 में वैभव और उनके पिता से मिला था और उस समय मैंने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की थी। आईपीएल में उनके शानदार प्रदर्शन के बाद मैंने उन्हें फोन पर भी बधाई दी थी।

गुजरात को हराने के बाद राजस्थान के पास प्लेऑफ्स में पहुंचने का मौका

आरआर के बाकी के चार मैच, एक भी हारी तो हो जाएगी बाहर

नई दिल्ली।

आईपीएल 2025 के प्लेऑफ्स की रेस से अभी राजस्थान रॉयल्स बाहर लग रही थी लेकिन गुजरात टाइटन्स के खिलाफ मैच से पहले टीम के बॉलिंग कोच शेन बॉन्ड ने माना था कि उनकी टीम प्लेऑफ्स की रेस से संभावित तौर पर बाहर हो चुकी है। हालांकि जिस तरह का खेल राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाजों ने गुजरात टाइटन्स के खिलाफ दिखाया, उससे टीम के प्लेऑफ्स की उम्मीदें बढ़ गई हैं। टीम अभी भी टूर्नामेंट में बनी हुई है। राजस्थान रॉयल्स आईपीएल 2025 में अब तक 10 मुकाबले खेल चुकी है। पॉइंट्स टेबल में टीम 8वें स्थान पर है, लेकिन पहले स्थान वाली टीम से 8 अंक पीछे है। राजस्थान रॉयल्स को अभी चार मैच और खेलना बाकी हैं। राजस्थान की टीम बाकी के चार और मैचों में जीत हासिल करती है तो 14 अंकों तक पहुंच जाएगी। 14 अंकों से टीम सीधे तो प्लेऑफ्स में क्वॉलिफाई नहीं कर पाएगी, लेकिन एक चांस टीम के पास होगा, क्योंकि आईपीएल के इतिहास में कई बार टीम 14 अंक हासिल करके भी प्लेऑफ्स के लिए क्वॉलिफाई करने में सफल हुई हैं। अगर राजस्थान रॉयल्स अपने बाकी के चार मैचों में जीत दर्ज करती है तो टॉप 4 में फिनिश करने के करीब पहुंच जाएगी, लेकिन फिर टीम को कम से कम चौथे नंबर वाली टीम के खाते में 14 से ज्यादा अंक ना हो और नेट रन रेट भी राजस्थान रॉयल्स का उस टीम से बेहतर रहे। पिछले सीजन हमने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के साथ ऐसा देखा था, जब टीम ने 14 अंक और बेहतर नेट रन रेट से प्लेऑफ्स में जगह बनाई थी। पिछले सीजन आरसीबी ने 6 में से 6 मैच आखिरी के लीग फेज में जीते थे। बता दें राजस्थान रॉयल्स के जो चार मुकाबले बाकी हैं, उनमें एक मई को मुंबई इंडियंस के खिलाफ जयपुर में, 4 मई को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ कोलकाता में, 12 मई को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ चेन्नई में और 14 मई को पंजाब किंग्स के खिलाफ अपने होम ग्राउंड में है। इन मैचों में से अगर राजस्थान की टीम एक भी मुकाबला हारती है तो फिर प्लेऑफ्स की रेस से बाहर हो जाएगी। सीएसके वर्सेस आरआर मैच में जो टीम मैच हारेगी, वह प्लेऑफ्स से बाहर हो जाएगी।

वैभव सूर्यवंशी की कामयाबी पर जुमई में मना जश्न, आतिशबाजी की

जमुई।

राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल में नया इतिहास बना दिया है। समस्तीपुर निवासी 14 वर्षीय वैभव ने मात्र 35 गेंदों में शतक जड़कर सबसे कम उम्र में शतक लगाने का रिकॉर्ड बना दिया। वैभव ने अपनी विस्फोटक पारी में 11 छक्के और 7 चौके लगाए। उन्होंने पहले 18 गेंदों में ही अर्धशतक पूरा किया था। शानदार पारी की बदौलत राजस्थान रॉयल्स ने मैच 8 विकेट से जीत लिया। वैभव को उनकी उम्दा बल्लेबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार भी मिला। जमुई में वैभव की उपलब्धि का जश्न मनाया गया। स्थानीय युवाओं ने देर रात महिसौड़ी चौक पर जमा होकर आतिशबाजी की। लोगों ने कहा कि वैभव की यह पारी आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक साबित होगी। एक छोटे शहर से निकलकर इतनी कम उम्र में इस तरह का प्रदर्शन करना बिहार के युवाओं के लिए एक मिसाल है।

क्या आईपीएल में सच होने वाला है धोनी-संजू का ऐड, जो बना था बिहार के लड़के पर

वैभव की बदौलत राजस्थान जीत सकती है ट्रॉफी तो धोनी की हो सकती है विदाई?

नई दिल्ली।

भातर में आईपीएल मैच खेले जा रहे हैं। इसमें कब-क्या करिश्मा हो जाए कोई नहीं जानता। किसी ने सोचा भी नहीं था कि 14 साल का लड़का इंटरनेशनल गेंदबाजों के सामने टिक पाएगा? अपने शानदार शतक से दुनिया का दिल जीत लेगा? वैभव सूर्यवंशी ने शानदार आगाज किया है। कम उम्र में शतक लगाकर बोल्ड स्टेटमेंट दिया। उसने बता दिया कि टीम इंडियाज में अब उसकी एंट्री होने वाली है। वैभव आईपीएल में धूम मचा रहा है। उसके लिए उम्र महज एक नंबर है। बिहार के समस्तीपुर के रहने वाले वैभव ने धुंरधर गेंदबाजों की गेंद को मैदान में चारों और घुमा दिया है। उनके शतक ने सबको चौंका दिया। उसकी चारों ओर तारीफ हो रही है। वैभव सच कहें तो छोटा पैकेज और बड़ा धमाका हैं, जिस अंदाज में वैभव ने सोमवार के मैच में गुजरात को पानी पिलाया, उसने राजस्थान की प्लेऑफ की उम्मीदों को बरकरार रखा है। वैभव सूर्यवंशी की ताबड़तोड़ पारी से लग रहा कि आईपीएल वाले एड की भविष्यवाणी कहीं सच न हो जाए। दरअसल जियो हॉट स्टार पर धोनी-संजू सैमसन का वाला वह ऐड खूब पसंद किया गया। इसमें धोनी कहते हैं- संजू सुना है कि 13 साल के बच्चे खिला रहे हो? इसके बाद संजू कहते हैं- जी भैया. फिर धोनी कहते हैं- उसके पैदा होने से पहले हमने आईपीएल जीत लिया था। इस पर संजू कहते हैं कि कोई बात नहीं भैया, आपके आईपीएल के जाने से पहले वह भी एक जीत लेगा। तब धोनी कहते हैं- टीम मेट तेरा, ऐटिट्यूड मेरा। उस ऐड में जो बात कही गई थी, वह अब सच साबित होती नजर आ रही है। ऐसा लग रहा है कि वैभव सूर्यवंशी राजस्थान की नैया पार लगा देगा। इसकी पहली स्क्रिप्ट उन्होंने गुजरात के खिलाफ मैच में लिख दी है। उनकी शतकीय पारी की वजह से राजस्थान की प्लेऑफ की उम्मीदें बरकरार हैं। दूसरी ओर धोनी की टीम खस्ता हाल में है। प्वाइंट टेबल में चेन्नई सुपरकिंग सबसे नीचे है। इसका मतलब है कि धोनी की टीम की इस बार आईपीएल जितने की संभावना ना के बराबर है। ऐसी भी अटकलें हैं कि धोनी अब शायद विदाई ले सकते हैं। वैभव की पारी ने राजस्थान को गेम में जिंदा रखा है। राजस्थान को गुजरात ने बड़ा टोटल दिया था। सबकी नजरें यशस्वी जायसवाल पर थी, लेकिन वैभव सूर्यवंशी ने आते ही कैमरे अपनी ओर मुड़वा लिया। ताबड़तोड़ शुरुआत कर गुजरात को गेम में बहुत पीछे छोड़ दिया। वैभव ने महज 38 गेंदों में 101 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली। इसमें उन्होंने 11 छक्के लगाए।

वैभव सूर्यवंशी ने बर्बाद कर दिया अफगानी पेसर करीम का क्रिकेट करियर

आईपीएल में अपने डेब्यू मैच के पहले ओवर में 30 रन देने वाले खिलाड़ी

नई दिल्ली। अफगानी पेसर करीम जनत को आईपीएल में डेब्यू कैप 28 अप्रैल को मिली। गुजरात टाइटन्स ने उन्हें प्लेइंग इलेवन में शामिल किया। करीम के सामने 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी थे, लेकिन वैभव ने कमाल की बल्लेबाजी कर अफगानी पेसर का आईपीएल करियर शुरू होने से पहले ही खत्म कर दिया। बात दें कि भारत में टी20 क्रिकेट में पिछले दो ओवरों में करीम जनत ने 66 रन लुटा दिए हैं। करीम वैभव के सामने गेंदबाजी करने के लिए उतरे। करीम की पहली गेंद पर वैभव ने छक्का जड़ा, दूसरी गेंद पर चौका लगाया, तीसरी गेंद पर फिर से छक्का जड़ दिया। इसके बाद चौथी और पांचवीं गेंद पर फिर से चौके जड़े और आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर कुल 30 रन ओवर में वैभव ने जड़े। इसके बाद करीम को एक भी ओवर कप्तान शुभमन गिल ने नहीं दिया। यहां तक कि वे कुछ ओवर के बाद आउट भी हो गए थे। ये अपने आप में करीम के नाम एक शर्मनाक रिकॉर्ड है, क्योंकि आईपीएल डेब्यू में कभी किसी भी गेंदबाज ने अपने पहले ओवर में 25 से ज्यादा रन नहीं दिए। 2019 में पंजाब किंग्स के लिए खेलकर वरुण चक्रवर्ती ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 25 रन दिए थे। अब 2025 में 30 रन करीम ने लुटाए। इसके अलावा टी20 क्रिकेट में पिछले दो ओवरों में भारत में खेलते हुए करीम जनत ने कुल 66 रन लुटा दिए हैं। दरअसल, इंडिया और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज का आखिरी मुकाबला बीते साल बेंगलुरू में खेला गया था। उस मैच में आखिरी ओवर करीम ने फेंका था। उस ओवर में करीम जनत ने रोहित शर्मा और रिंकू सिंह के खिलाफ कुल 36 रन लुटाए थे। इस तरह उनके पिछले दो ओवरों में भारत में 66 रन गए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बीबीए के बाद क्या है बेहतर कॅरियर ऑप्शन

बीबीए करने के बाद आपको एमबीए में एडमिशन लेने के अतिरिक्त मास कम्युनिकेशन, एनिमेशन, इवेंट मैनेजमेंट, इंग्लिश स्पीकिंग इत्यादि में अपने पैशन और इंटरेस्ट के मुताबिक शॉर्ट टर्म कोर्स भी करते रहना चाहिए। बीबीए यानी बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, हाल के दिनों में बेहद तेजी से यह कोर्स लोकप्रिय हुआ है। दुनिया में छोटे से लेकर बड़े व्यापार लोग कर रहे हैं, तो गवर्नमेंट भी चाह रही है कि लोग-बाग बिजनेस करें, ताकि देश की इकोनॉमी तेज गति से आगे बढती रहे।

इन तमाम चीजों में अगर एक कॉमन फैक्टर खोजा जाए तो वह यह है कि नए-पुराने सभी व्यापारों में मैनेजमेंट के स्टूडेंट्स की अहमियत दिनों दिन बढ़ती जा रही है। चूंकि ह्यूमन रिसोर्स से लेकर सेल्स डिपार्टमेंट, परचेज डिपार्टमेंट, तकनीकी डिपार्टमेंट, नेटवर्किंग और दूसरे विभाग बगैर मैनेजमेंट के चल ही नहीं सकते हैं। चाहे आप आईटी की बात कर लें, चाहे आप सर्विस की बात कर लें, या फिर किसी और डिपार्टमेंट की, जाहिर है कि मैनेजमेंट का रोल बढ़ जाता है। और ऐसी स्थिति में बीबीए को एक स्टूडेंट कॅरियर के रूप में बेहतरीन ऑप्शन के तौर पर चुन सकता है। ऐसी स्थिति में आपको कारपोरेट लीडर बनने का मौका मिल जाता है। अगर साधारण तौर पर भी बात की जाए, तो कॅरियर ग्रोथ के लिए बीबीए के बाद कैंडिडेट्स को एमआईएस अर्थात मैनेजमेंट इनफॉरमेशन सिस्टम का सर्टिफिकेशन कोर्स करने की सलाह भी एक्सपर्ट देते है। सॉफ्टवेयर की जानकारी से आपका कॉन्फिडेंस तो बढ़ेगा ही, साथ ही कारपोरेट वर्ल्ड में इन चीजों का बेहतर से बेहतर प्रयोग होता है, जिससे आपको काफी आसानी होगी। इसी प्रकार कम्युनिकेशन पर भी आपको खासा ध्यान देना चाहिए, क्योंकि प्रबंधन वही कर सकता है, जो तमाम पक्षों से बेहतरीन कम्युनिकेशन करने की दक्षता रखता हो।

मार्केट के कई पक्ष होते हैं, और उनके साथ आप तभी ठीक तरह से कम्युनिकेट कर पाएंगे, जब आप बेहतरीन कम्युनिकेशन स्किल अपने भीतर रखते हैं। इसके लिए आपको अपने कलीग्स के साथ इंटरेक्शन करते रहना चाहिए, तो भिन्न न्यूज पेपर्स भी पढ़ते रहना चाहिए। इतना ही नहीं, मार्केट ट्रेंड को आप अपने ध्यान में हमेशा बनाए रखें, जिससे चीजों को समझने की आपकी दक्षता काफी बढ़ेगी।

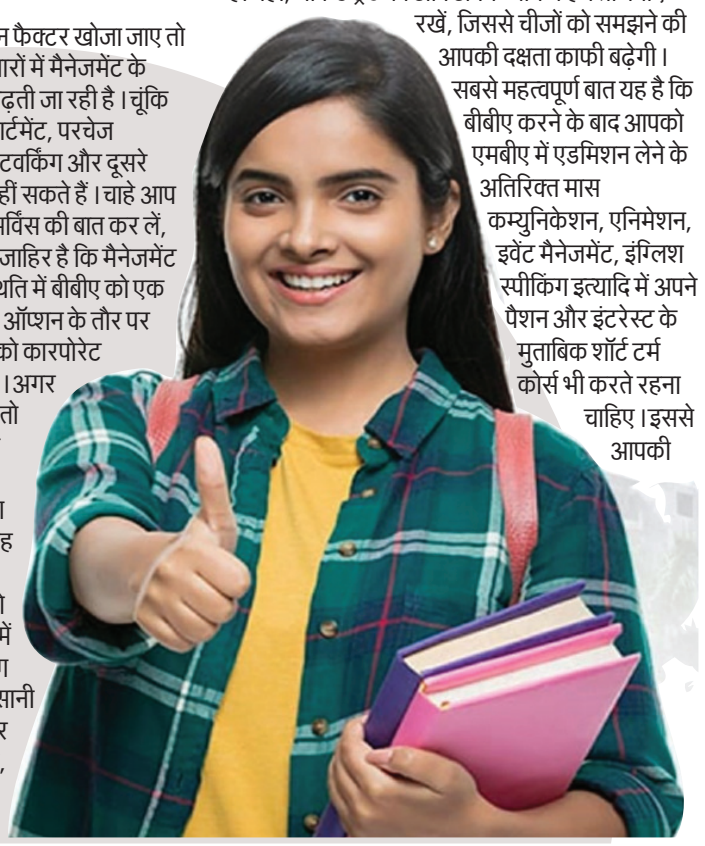

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बीबीए करने के बाद आपको एमबीए में एडमिशन लेने के अतिरिक्त मास कम्युनिकेशन, एनिमेशन, इवेंट मैनेजमेंट, इंग्लिश स्पीकिंग इत्यादि में अपने पैशन और इंटरेस्ट के मुताबिक शॉर्ट टर्म कोर्स भी करते रहना चाहिए। इससे आपकी दक्षता तो बढ़ती ही है, आपका फोकस क्लियर होने से आप सफलता की राह पर इतनी ही तीव्रता से आगे की ओर बढ़ सकते हैं।

ध्यान दीजिये कि अगर आप साधारण कॉलेज से बीबीए करते हैं, और मार्केट ट्रेंड्स पर नजर बनाए रखते हैं, तो शुरुआत में 12000 से 18000 तक की मासिक वेतन पर आपको शुरुआत मिल सकती है, और जैसे-जैसे आप अनुभव में दक्ष होते जाएंगे, वैसे-वैसे लीडर्स की पोजीशन आपको अपनाती चली जाएगी। हालाँकि बीबीए के बाद आपको एमबीए करने की सलाह भी कई एक्सपर्ट आपको देंगे और यह बेहद नॉर्मल है। बीबीए के बाद एमबीए तकरीबन 2 वर्ष का है और तमाम टॉप कॉलेज आपको आसानी से एक से बढ़कर एक आप्शन देते हैं। हालांकि इसके लिए आपको कैट और मैट जैसे एंट्रेंस एग्जाम पास करने पड़ते हैं, और फिर एमबीए में आप मार्केटिंग, एचआर, फाइनेंस और इंटरनेशनल ट्रेड इत्यादि दूसरे स्पेशलाइजेशन कोर्स कर सकते हैं, और अपने कैरियर को चुन सकते हैं। अगर आप के पास समय कम है और आप जॉब कर रहे हैं, तो एग्जीक्यूटिव एमबीए में भी आपको बेहतरीन ऑप्शन उपलब्ध हो सकते हैं, और फिर बाद में आप हेल्थकेयर, टेक्नोलॉजी, गवर्नमेंट एजेंसी, मैन्युफैक्चरिंग एनजीओ और एफएमसीजी ऑर्गेनाइजेशंस में काम करके अपने कैरियर को सेप दे सकते हैं, तो बेहतरीन पैसे कमा सकते हैं। अगर आप एमबीए नहीं कर पाते हैं, तो मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रैजुएट डिप्लोमा कोर्स भी कर सकते हैं। हालांकि कई जगह पर इन दोनों के बीच में कोई फर्क नहीं है, लेकिन एमबीए जहाँ डिग्री कोर्स है, जबकि पीजीडीएम एक डिप्लोमा कोर्स माना जाता है। परंतु अगर आपने किसी बेहतरीन कॉलेज से डिप्लोमा भी किया हुआ है, तो बीबीए के बाद इसका काफी महत्व होता है। एमबीए और पीजी डिप्लोमा के अलावा आप एमएस कोर्स भी कर सकते हैं और मैनेजमेंट में मास्टर डिग्री ले सकते हैं। 2 वर्ष के इस कोर्स को किसी भी यूजीसी से मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी द्वारा किया जा सकता है। सबसे बेहतरीन है कि आप कितनी तत्परता से इन कोर्सेज को सीखते हैं और कितनी स्पीड के साथ अपने कॅरियर में अपनाते हैं। अगर आप सावधानीपूर्वक और फोकस तरीके से इसे करते हैं, तो ना केवल एंटरप्रेन्योरशिप में, बल्कि फाइनेंस एंड अकाउंटिंग मैनेजमेंट, मार्केटिंग, सप्लाई चैन मैनेजमेंट, एचआर मैनेजमेंट, टूरिज्म मैनेजमेंट इत्यादि क्षेत्रों में भी अपने झंडे गाड़ सकते हैं। प्राइवेट सेक्टर में तो एडवरटाइजिंग, बैंकिंग, कंसलटेंसी, एविएशन, फाइनेंस, एंटरटेनमेंट, आईटी, इंश्योरेंस, ऑनलाइन मार्केटिंग, मैन्युफैक्चरिंग इत्यादि इंडस्ट्रीज आपको हाथों हाथ ले सकती हैं।

मैनेजमेंट के स्टूडेंट्स की अहमियत दिनों दिन बढ़ती जा रही है। ह्यूमन रिसोर्स से लेकर सेल्स डिपार्टमेंट, परचेज डिपार्टमेंट, तकनीकी डिपार्टमेंट, नेटवर्किंग और दूसरे विभाग बगैर मैनेजमेंट के चल ही नहीं सकते हैं। चाहे आप आईटी की बात कर लें, चाहे आप सर्विस की बात कर लें, या फिर किसी और डिपार्टमेंट की, जाहिर है कि मैनेजमेंट का रोल बढ़ जाता है।

एमबीए स्टूडेंट की डिमांड आज भी काफी ज्यादा है, और तमाम कंपनियां प्रबंधन में अलग-अलग बैकग्राउंड के एमबीए लड़कों को लेना प्रीफर करती हैं, क्योंकि कार्य करने वाले तमाम लोग तो किसी भी जगह पर उपस्थित होते हैं, पर बेहतरीन ढंग से प्रबंधन करना और कार्य कराना हर कंपनी की प्राथमिकता में सबसे ऊपर होता है।

एमबीए की पढ़ाई की है तो ऐसे मिल सकता है मोटा वेतन

एमबीए का मतलब प्रबंधन से जुड़ा हुआ है, तो प्रबंधन आप तभी करेंगे जब लोगों के बीच में रहेंगे। लोगों के बीच में रहने का मतलब नेटवर्किंग से भी जुड़ा होता है और ऐसी स्थिति में पार्टी- गैदरिंग इत्यादि में आपकी मौजूदगी जरूरी है। कॅरियर की चाहे जितनी भी संभावनाएं सामने आ जाएँ, ट्रेडिशनल कोर्सेज का अपना स्वैग है। आप इतना जान लीजिए कि एमबीए स्टूडेंट की डिमांड आज भी काफी ज्यादा है, और तमाम कंपनियां प्रबंधन में अलग-अलग बैकग्राउंड के एमबीए लड़कों को लेना प्रीफर करती हैं, क्योंकि कार्य करने वाले तमाम लोग तो किसी भी जगह पर उपस्थित होते हैं, पर बेहतरीन ढंग से प्रबंधन करना और कार्य कराना हर कंपनी की प्राथमिकता में सबसे ऊपर होता है। इसीलिए एमबीए करने वाले लड़कों को अच्छी खासी सैलरी भी मिलती है। हालांकि अगर आप अपने कॅरियर से लापरवाही बरतते हैं, इंटरव्यू को लेकर लापरवाही बरतते हैं, तो आप सैलरी के मामले में पिछड़ सकते हैं। आइए जानते हैं कि एमबीए करते समय और उसके पहले क्या सावधानियां आपको अच्छा खासा वेतन दिला सकती हैं।

विषय का रखें ध्यान

जी हां! 12वीं के तत्काल बाद आपको विषयों के चुनाव में सावधानी बरतना चाहिए। अगर आप बाद में एमबीए करना चाहते हैं, तो ग्रेजुएशन में ही उन विषयों को चुनकर रखना चाहिए, जो बाद में एमबीए करने में आपकी मदद करें। साथ ही इंग्लिश पर विशेष ध्यान दें, क्योंकि मल्टीनेशनल कंपनियां इंग्लिश को अच्छा खासा प्रेफरेंस देती हैं, तो शुरु से ही अगर आप इसकी तैयारी करते हैं, तो बाद के दिनों में आप इसमें महारत हासिल कर सकते हैं।

बिजनेस वर्ल्ड पर नजर रखें

शेयर मार्केट की उठापटक, मार्केट ट्रेस करना, कंपनी को रिस्ट्रक्चर किस तरह से किया जाता है, कंपनी के संभालने-रजिस्ट्रेशन इत्यादि से संबंधित कानून इत्यादि बिजनेस वर्ल्ड की तमाम बातों को आप अनदेखा ना करें, बल्कि उन पर केस स्टडी करें। ऑनलाइन तमाम मैटेरियल अवेलेबल हैं, किंतु आप अपने दूसरे फ्रेंड्स, कलीग्स इत्यादि से भी इन विषयों पर गहराई से बात कर सकते हैं। यह आपके नॉलेज को बढ़ाने में अच्छा खासा सहायक सिद्ध होगा, क्योंकि आखिरकार आपको बिजनेस वर्ल्ड में ही जाना और उसके अनुरूप कार्य करना है। ध्यान रखिए एमबीए का मतलब प्रबंधन से जुड़ा हुआ है, तो प्रबंधन आप तभी करेंगे जब लोगों के बीच में रहेंगे। लोगों के बीच में रहने का मतलब नेटवर्किंग से भी जुड़ा होता है और ऐसी स्थिति में पार्टी- गैदरिंग इत्यादि में आपकी मौजूदगी जरूरी है। जाहिर तौर पर आप इस तरह की टीम स्पिरिट विकसित करके नेटवर्किंग बढ़ा सकते हैं, और इस मामले में अपनी स्किल को धार दे सकते हैं।

ग्रुप स्टडी

यह आपकी काफी मदद कर सकती है, क्योंकि एक विषय को जब आप पढ़ते हैं, तो आपका अपना एक नजरिया होता है, एक दिशा होती है, वहीं जब आप ग्रुप स्टडी करते हैं, तो कई सारे पक्ष आपके सामने आते हैं। इसके अलावा ग्रुप स्टडी का एक फायदा यह भी नजर आता है कि कई बार जो चीज आप नहीं पढ़े होते हैं, वह भी ग्रुप स्टडी में सुन-सुनकर आपका सबकॉन्शियस माइंड उन चीजों को ऐड कर लेता है।

लक्ष्य क्लियर रखें

ध्यान रखिए! प्रबंधन के विषयों में उद्देश्य समझना जरूरी है। आप क्या कर रहे हैं, क्यों कर रहे हैं, आप खुद से क्या चाहते हैं? अगर यह सारी चीजें आपके दिमाग में पहले से क्लियर हैं, तो उन उद्देश्यों को पाने से आपको कोई नहीं रोक सकता, किंतु अगर आप खुद ही क्लियर नहीं हैं, तो आप मुश्किल में पड़ने वाले हैं, और आप को नहीं समझ में आएगा कि आप जिंदगी से वास्तव में चाहते क्या हैं? सोचिये-समझिये कि आप अपने कॅरियर से चाहते क्या हैं और अपना लक्ष्य क्लियर रखें, और उसी के अनुरूप तैयारी करें। इसी के माध्यम से अगर आप इन विषयों में महारत हासिल कर लेते हैं, तो दुनिया की कोई ताकत आपको मोटा वेतन से और एक सफल कैरियर बनाने से नहीं रोक सकती। जहाँ तक एमबीए में प्रवेश के लिए योग्यता की बात है तो आपको ग्रेजुएशन में डिग्री के साथ-साथ कम से कम 50% मार्क्स होने आवश्यक हैं और अलग-अलग पैटर्न के एग्जाम देकर आप इस में प्रवेश ले सकते हैं।

मुख्य रूप से एमबीए इन फाइनेंस, एमबीए इन मार्केटिंग, एमबीए इन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, एमबीए इन इंटरनेशनल बिजनेस, एमबीए इन ऑपरेशन मैनेजमेंट, एमबीए इन इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी के कोर्स मौजूद हैं। इसके लिए ऊपर बताये गए पॉइंट्स को अवश्य ही ध्यान में रखें और तभी आपका कांसेप्ट क्लियर रहेगा और आप एक सफल कॅरियर और मोटी तनख्वाह की दिशा में कदम बढ़ा सकेंगे।

इन तरीकों से भी आप जुड़ सकते हैं ब्यूटी इंडस्ट्री से

इसके बारे में तो हर कोई जानता है। एक मेकअप आर्टिस्ट पार्टी वियर मेकअप से लेकर ब्राइडल, फोटोशूट, मीडिया मेकअप आदि करता है। इनका मुख्य काम कॉस्मेटिक्स का सही तरह से एप्लीकेशन करना होता है और इन्हें कलर्स व शेड्स की काफी अच्छी जानकारी होती है। बतौर प्रोफेशनल मेकअप आर्टिस्ट आप सैलून, फिल्म, थिएटर, मॉडलिंग एजेंसी या फैशन डिजाइनर्स आदि के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

जब भी ब्यूटी इंडस्टी में कॅरियर बनाने की बात होती है तो सबसे पहले मेकअप आर्टिस्ट बनने का ही ख्याल आता है। यकीनन यह कॅरियर ऑप्शन हर किसी के मन को लुभाता है और आजकल तो सिर्फ महिलाएं ही नहीं, पुरूष भी बतौर मेकअप आर्टिस्ट बनकर अच्छा खासा पैसा और नाम कमा रहे हैं। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि आप सिर्फ मेकअप आर्टिस्ट बनकर ही अपना कॅरियर संवारें। अगर आप भी खुद को खूबसूरती की इस दुनिया में स्थापित करना चाहते हैं तो इसके लिए आप अन्य कई राहों को चुन सकते हैं। तो चलिए आज हम आपको इनमें से कुछ के बारे में बताते हैं-

मेकअप आर्टिस्ट

इसके बारे में तो हर कोई जानता है। एक मेकअप आर्टिस्ट पार्टी वियर मेकअप से लेकर ब्राइडल, फोटोशूट, मीडिया मेकअप आदि करता है। इनका मुख्य काम कॉस्मेटिक्स का सही तरह से एप्लीकेशन करना होता है और इन्हें कलर्स व शेड्स की काफी अच्छी जानकारी होती है। बतौर प्रोफेशनल मेकअप आर्टिस्ट आप सैलून, फिल्म, थिएटर, मॉडलिंग एजेंसी या फैशन डिजाइनर्स आदि के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

ब्यूटी ब्लॉगर

अगर आप अपने टैलेंट व स्किल को दुनिया के सामने लाना चाहते हैं तो इसमें इंटरनेट की मदद लें। आप बतौर ब्यूटी ब्लॉगर खुद को स्थापित कर सकते हैं। आप लेखन या वीडियोज के जरिए अपने स्किल्स को लोगों के साथ बांट सकते हैं। अगर आप सच में मेकअप व ब्यूटी केयर की गहरी समझ रखते हैं तो यकीनन लोग आपको काफी पसंद करेंगे। आप अपने ब्लॉग में किसी मेकअप प्रॉडक्ट का रिव्यू करने से लेकर ब्यूटी व मेकअप करने की तकनीक, मेकअप ट्यूटोरियल, ब्यूटी टिप्स व टेंड के बारे में बता सकते हैं। बस आप अपना ब्लॉग या चैनल शुरू करें और अपना ज्ञान दूसरों के साथ बांटें। बतौर ब्यूटी ब्लॉगर आप खुद को काफी फेमस भी कर सकते हैं।

हेयर स्टाइलिस्ट

कभी भी मेकअप तभी अच्छा लगता है, जब हेयरस्टाइलिंग भी अच्छी हो। जहां कुछ समय पहले तक मेकअप आर्टिस्ट ही हेयर स्टाइलिंग करते थे, वहीं अब अलग से प्रोफेशनल हेयर स्टाइलिस्ट की डिमांड होने लगी है। हेयर स्टाइलिस्ट बालों को कटिंग, ट्रिमिंग, स्टाइलिंग और अन्य तरीकों से आपको एकदम परफेक्ट लुक देते हैं। बतौर हेयरस्टाइलिस्ट आप एक्टर्स, थिएटर प्रॉडक्शन, टेलीविजन सेट्स या मेकअप आर्टिस्ट के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

नेल टेक्नीशियन

पिछले कुछ समय से नेल आर्ट का क्रेज काफी बढ़ गया है। आजकल नाखूनों को एक कैनवास के रूप में देखा जा रहा है, जिस पर आप अपनी क्रिएटिविटी को आसानी से उकेर सकते हैं। प्रोफेशनल नेल टेक्नीशियन की मार्केट में अलग से डिमांड है। यह नाखूनों पर बेहद खूबसूरत नेल डिजाइन्स बनाते हैं। बतौर नेल टेक्नीशियन आप खुद का नेल सैलून खोल सकते हैं या फिर अन्य सैलून, स्पा या रिसॉर्ट आदि में काम कर सकते हैं।

इन प्रश्नों की मदद से आप किसी की भी पर्सनैलिटी के बारे में जान सकते हैं

अक्सर हम किसी भी व्यक्ति की पर्सनैलिटी के विषय में जब जानना चाहते हैं तो हम उससे कुछ सवाल पूछते हैं। उन सवालों के आधार पर हम ये जानने और समझने का प्रयास करते हैं कि व्यक्ति की पर्सनैलिटी कैसी है। आइए जानते हैं उन सैम्पल प्रश्नों के विषय में जिन्हें आधार बनाकर किसी की पर्सनैलिटी के विषय में पता लगाया जा सकता है।

आपका रोल मॉडल कौन है?

यह प्रश्न आपको किसी व्यक्ति की प्राथमिकताओं, आकांक्षाओं और उद्देश्यों के बारे में बहुत कुछ बताएगा। आप लोगों की लिस्ट पेश करके पूछ सकते हैं कि आप किस व्यक्ति की सबसे अधिक सराहना करते हैं और आपका रोल मॉडल कौन है। प्रत्येक विकल्प किसी व्यक्ति के लिए एक निश्चित प्रवृत्ति या प्राथमिकता की ओर निर्देशित कर सकता है। इस प्रश्न के जरिए किसी की पर्नैलिटी का आसानी से पता लगाया जा सकता है।

आपको सबसे बेहतर कौन जानता है?

व्यक्ति के खुलेपन और घनिष्ठ संबंध बनाने की इच्छा के बारे में बहुत कुछ जानना चाहते हैं तो यह प्रश्न उस व्यक्ति के बारे में यह बताएगा। यदि उनकी अपनी मां उन्हें सबसे अच्छी तरह से जानती है, तो आप एक अंतर्मुखी के साथ बात कर रहे हैं। यदि कोई कहता है कि उन्हें अपनी बहन और एक दोस्त सबसे अच्छी तरह से जानते हैं, तो आप शायद किसी ऐसे व्यक्ति से बात कर रहे हैं जो मतभेदों और असहमति के बावजूद लोगों को जानने और उनके साथ बंधने के लिए हमेशा तैयार रहता है।

आपने अपनी सबसे बड़ी असफलता से क्या सीखा?

यह प्रश्न बताता है कि क्या कोई व्यक्ति क्रिएटिव तरीके से अपनी असफलता से निपटता है। इन प्रश्न के उत्तर के बाद आप जान सकते हैं कि व्यक्ति पॉजिटिव पर्सनैलिटी का है या नेगेटिव पर्सनैलिटी का।

अगर आपके घर में कोई चीज टूट जाती है, तो आप सबसे पहले क्या करते हैं?

यह आपको दिखाएगा कि एक व्यक्ति समस्याओं से कैसे निपटता है और काम में बाधा आने पर उनके कार्य करने की संभावना कैसे होती है। पर्सनैलिटी जांचने के लिए यह सबसे बेहतर तरीका हो सकता है।

वह कौन सा तरीका है जो आपको शांत करने में मदद करता है?

किसी के व्यवहार के बारे में जानना है तो ये जरूर जानिए कि व्यक्ति विषम परिस्थितियों में खुद को शांत कैसे रखता है। जो व्यक्ति विषम परिस्थियों में खुद को शांत रख सकता है वह जीवन में कुछ भी कर सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पवन कल्याण का कांग्रेस पर निशाना, पाकिस्तान का समर्थन करने वाले नेताओं को भारत छोड़ देना चाहिए

कांग्रेस नेता दर्दनाक हमले में भी राजनीति कर रहे

अमरावती।

आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और जनसेना पार्टी के प्रमुख पवन कल्याण ने पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले के बाद कड़ा बयान देकर कहा है कि भारत में रहकर पाकिस्तान का समर्थन करना पूरी तरह अस्वीकार्य है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधकर कहा कि कुछ नेताओं के बयान देश की एकता और अखंडता के खिलाफ हैं और उन्हें पाकिस्तान जाकर बस जाना चाहिए। पवन ने यह टिप्पणी तब की जब वे पहलगाम में मारे गए 26 नागरिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए सभा को संबोधित कर रहे थे। पवन कल्याण ने कहा, कश्मीर हमारा है। आतंकवाद को राजनीतिक फायदे के लिए इस्तेमाल करना शर्मनाक है। जो नेता पाकिस्तान की भाषा बोलते हैं, उन्हें भारत छोड़ देना चाहिए। पवन ने अपील की कि पहलगाम जैसे हमलों को राजनीतिक चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ÷देश आतंकवाद या किसी भी तरह की राष्ट्रविरोधी सोच को बर्दाश्त नहीं करेगा। जनसेना पार्टी ने पहलगाम हमले में मारे गए आंध्र निवासी मधुसूदन राव के परिवार को 50 लाख की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। राव अपने परिवार के साथ कश्मीर घूमने गए थे जब यह हमला हुआ। पवन कल्याण ने बताया कि जब वे राव की पत्नी से मिले, तब उन्होंने कहा, ÷हम कश्मीर गए क्योंकि वहां

भारत का हिस्सा है। हिंदुओं के लिए भारत ही एकमात्र देश है। हम और कहां जाएंगे?

आज बैठकों का दौर, पाकिस्तान पर एक्शन लेने पर होगी चर्चा

नई दिल्ली। पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में तनाव चरम पर है। भारत ने दो टूक कह दिया हैं कि आतंकियों को खत्म किया जाएगा और दुश्मनों को सबक सिखाया जाएगा। केंद्र की मोदी सरकार एक्शन मोड में है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद सुरक्षा तैयारियों की एक-एक जानकारी ले रहे हैं। खबर है कि बुधवार को सरकार बड़े प्लान के साथ मंथन करने जा रही है। बुधवार सुबह 11 बजे सबसे पहले कैबिनेट सुरक्षा कमेटी (सीसीएस) की बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में सुरक्षा तैयारियों पर चर्चा हो सकती है। पहलगाम हमले के बाद दूसरी बार सीसीएस की बैठक हो रही है। बैठक के बाद पीएम की अध्यक्षता में सीसीपीए की अहम बैठक होगी। बैठक में पीएम मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी, सर्वानंद सोनेवाल, राजमोहन नायडु समेत अन्य सदस्य शामिल हो रहे है।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने की संसद के विशेष सत्र बुलाने की मांग

नई दिल्ली।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी है। इस पत्र में उन्होंने प्रधानमंत्री से लोकसभा का विशेष सत्र बुलाने की मांग की है। साथ ही कहा है कि संसद के दोनों सदनों का विशेष सत्र जल्द से जल्द बुलाया जाना चाहिए। पत्र में लिखा है, इस महत्वपूर्ण समय में, भारत को यह दिखाना चाहिए कि हम हमेशा आतंकवाद के खिलाफ एकजुट हैं। बता दें कि 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकवादियों ने दर्जनों लोगों पर गोलियां चलाईं, जिसमें कम से कम 26 लोग मारे गए - जिनमें से ज़्यादातर पर्यटक थे- 2019 में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद से घाटी में सबसे घातक हमला। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर सुरक्षा बलों ने जम्मू-कश्मीर में चल रहे आतंकवाद विरोधी अभियानों को तेज कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ 7, लोक कल्याण मार्ग पर एक अहम बैठक की। यह बैठक सीडीएस जनरल अनिल चौहान द्वारा पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ लिए गए अहम फैसलों के बारे में रक्षा मंत्री को जानकारी देने के बाद हुई है। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को आतंकवादियों और उनके समर्थकों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की अपनी प्रतिज्ञा दोहराई। उन्होंने पहलगाम हमले के पीड़ितों के परिवारों को यह आश्वासन भी दिया कि न्याय मिलेगा। अपने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 121वें एपिसोड के दौरान उन्होंने आगे कहा कि जम्मू-कश्मीर में हाल के वर्षों में अभूतपूर्व विकास हुआ है, जिसमें पर्यटन और युवाओं के लिए अवसरों में वृद्धि हुई है, और कहा कि पहलगाम हमला राष्ट्र के दुश्मनों द्वारा क्षेत्र की प्रगति को पटरी से उतारने का एक हताश प्रयास था।

चारधाम यात्रा का सफर होगा आसान, रोपवे का काम शुरू

नई दिल्ली।

केदारनाथ श्रद्धालुओं के लिए राहतभरी खबर हैं, उन्हें खड़ी और ऊंची नीची चढ़ाई चढ़े बगैर केदारनाथधाम के दर्शन हो सकेंगे। वहां पर रोपवे निर्माण का काम शुरू करने की डेट तय हो गयी है, काम शुरू होने के साथ ही पूरा करने का समय भी तय हो जाएगा। सामान्य तौर पर काम अवार्ड होने के छह माह के अंदर शुरू हो जाता है। इस तरह इस साल अक्तूबर तक रोपवे निर्माण का काम जमीनी स्तर पर शुरू होना तय है। रोपवे का काम पूरा होने में छह साल का समय लग जाएग। इसके बाद कई घंटों का सफर मिनटों का रह जाएगा और दर्शन आसान हो जाएगा। एनएचएआई की रोपवे निर्माण कंपनी एनएचएलएमएल के सीईओ प्रकाश गौड़ बताते हैं कि सड़क परिवहन मंत्रालय के निर्देश में केदारनाथ रोपवे के टेंडर के बाद काम भी कंपनी को अवार्ड कर दिया गया है। यानी काम शुरू करने का समय तय हो गया है। दरअसल यहां पर छह माह बर्फबारी रहती है, इसलिए साल में केवल छह काम ही किया जा सकेगा। इस तरह संभावना है कि 2031 तक रोपवे निर्माण का काम पूरा हो जाएगा। इसके बाद केदारनाथ का सफर 5-6 घंटे के बजाए केवल 28 मिनट का रह जाएगा। रोपवे की वजह से हर उम्र के लोग आसानी से केदारनाथ के दर्शन कर सकेंगे। मौजूदा समय केदारनाथ जाने का दो विकल्प हैं, पहला पैदल 7-8 घंटे का सफर कर पहुंचा जा सकता है और दूसरा हेलीकॉप्टर सेवा

है। हेलीकॉप्टर सेवा महंगी है साथ ही मांग अधिक होने की वजह से असानी से उपलब्ध नहीं होता है। यही वजह से ज्यादातर श्रद्धालु पैदल दुर्गम रास्तों से होते हुए केदारनाथ पहुंचते हैं।

पाकिस्तान का आसमान से लेकर समुद्र तक का रास्ता रोक देगा भारत?

सीजफायर का लगातार कर रहा उल्लंघन, दोनों देशों के बीच बढ़ रहा तनाव

नई दिल्ली।

पाकिस्तान ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के लिए अपना एयरस्पेस बंद कर दिया। भारत इसका करारा जवाब देने की तैयारी कर रहा है। भारत अब पाकिस्तान के लिए अपना एयरस्पेस बंद कर सकता है। इसके साथ ही पानी के रास्ते पर भी प्रतिबंध लगा सकता है। बता दें पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 28 लोगों की मौत के बाद भारत ने पाकिस्तान पर पानी से लेकर कई चीजों पर रोक लगा दी थी। भारत अब पाकिस्तान के लिए अपना एयरस्पेस बंद करने की तैयारी कर रहा है। अगर ऐसा हुआ तो पाकिस्तान को भारी नुकसान होगा। पाकिस्तान की एयरलाइंस का रास्ता लंबा हो जाएगा। पाकिस्तान की फ्लाइट्स एयरस्पेस बंद होने से पहले ही दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के लिए चीन के हवाई रास्ते से जा रही है। भारत एयरस्पेस के साथ-साथ पानी का रास्ता रोक कर भी पाकिस्तान का सिरदर्द बढ़ा सकता है। भारत के इस फैसले से पाकिस्तान की दिक्कत बढ़ जाएगी। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने सिंधु जल संधि स्थगित कर दी थी। इसके साथ और भी फैसले लिए। इसके जवाब में पाकिस्तान ने भारत के लिए अपना एयरस्पेस बंद कर दिया था। भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव काफी बढ़ गया है, लेकिन इसके बावजूद पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। वह लगातार सीजफायर को तोड़ रहा है। पाकिस्तान ने बारामूल समेत कई जगहों पर गोलीबारी की। उसने तुतमारी और रामपुर सेक्टर में भारत की चौकियों को निशाना बनाया। भारतीय सेना ने भी इसका मुंहतोड़ जवाब दिया।

महाराष्ट्र के बांद्रा स्थित मॉल में आग लगने से शोरूम जलकर खाक

आग लगने की घटना में कोई व्यक्ति घायल नहीं हुआ

बांद्रा।

महाराष्ट्र के बांद्रा में स्थित लिंकिंग रोड पर बने लिंकिंग स्क्वायर मॉल के क्रोमा शोरूम में अचानक आग लगने से बहुत नुकसान हुआ है। जानकारी के मुताबिक आग मंगलवार सुबह चार बजे लगी है। लिंकिन स्क्वेयर मॉल चार मंजिला एक इमारत है जिसमें एक क्रोमा शोरूम बेसमेंट में बना हुआ है। क्रोमा शोरूम के बेसमेंट पर लगी आग कुछ ही देर में ऊपर की मंजिलों की तरफ भी बढ़ती दिखी। बांद्रा के लिंकन इस घटना में कोई व्यक्ति घायल नहीं हुआ है। मॉल में आग लगने की घटना के बाद घटनास्थल पर एनसीपी नेता जीशान सिद्दीकी भी पहुंचे हैं। एनसीपी नेता जीशान सिद्दीकी ने कहा कि फायर ब्रिगेड की लापरवाही के कारण आग बढ़ती गई। हालों कि आग पर काबू पा` लिया गया है। उन्होंने बताया कि बेसमेंट में क्रोमा के शोरूम में एक छोटा सा स्पार्क हुआ था। वही फायर ब्रिगेड की गाड़ी जब मौके पर पहुंची तो

उनसे पानी लाने के लिए कहा गया लेकिन उनके पास जरूरी उपकरण नहीं थे। फायर ब्रिगेड कर्मचारियों के पास जो कारण थे उनका इस्तेमाल करना भी उन्हें नहीं आ रहा था। जीशान सिद्दीकी ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। यह घटना पूरी तरह से फायर ब्रिगेड की लापरवाही के कारण बढ़ी है। आई लाइक की क्रोमा शोरूम के अंदर कोई भी इंसान नहीं फंसा है। लेकिन आग लगने की इस घटना के कारण माल की कई शोरूम को बड़ा नुकसान हुआ है।

देश में स्पाईवेयर का इस्तेमाल हो रहा है, इसमें गलत क्या

सुप्रीम कोर्ट बड़ी टिप्पणी, अगली सुनवाई 30 जुलाई को

नई दिल्ली।

स्पाईवेयर पेगासस मामले में सुनवाई कर रहे सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी टिप्पणी कर दी है। शीर्ष न्यायालय ने कहा है कि अगर देश में स्पाईवेयर का इस्तेमाल हो रहा है, तब इसमें गलत क्या है। खास बात है कि सुप्रीम कोर्ट ने दो टूक कहा है कि पेगासस के द्वारा जासूसी की जांच कर रही कमेटी की रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं कर सकते।

रिपोर्ट के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने कहा, अगर कोई देश स्पाईवेयर का इस्तेमाल कर रहा है, तब इसमें गलत क्या है? एक बात साफ कर दें कि स्पाईवेयर रखने में कोई परेशानी नहीं है...। इसका इस्तेमाल इस तरह के कुछ लोगों... जैसे... पर किया जा सकता है। राष्ट्र की सुरक्षा के साथ समझौता नहीं कर सकते। हां सवाल यह हो सकता है कि इसका इस्तेमाल किसके खिलाफ किया जा रहा है। अगर इसका इस्तेमाल सिविल सोसाइटी व्यक्ति के खिलाफ हो रहा है, तब सोचा जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा, देश की सुरक्षा और संप्रभुता से जुड़ी किसी भी रिपोर्ट को नहीं छुआएगा, लेकिन जो व्यक्ति जानना चाहते हैं कि उन्हें इसमें शामिल किया गया है या नहीं, उन्हें सूचित किया जा

सकता है। हां, व्यक्तिगत आशंकाओं से निपटा जाना चाहिए लेकिन इस मामले को हर चौहारे पर चर्चा का दस्तावेज नहीं बनाया जा सकता।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने एक अमेरिकी जिला अदालत के फैसले का जिक्र किया। सिब्बल ने कहा, व्हाट्सएप ने खुद ही यहां खुलासा किया है। किसी तीसरे पक्ष ने नहीं। व्हाट्सऐप ने हैकिंग के बारे में कहा है। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह 30 जुलाई को मामले की सुनवाई करेगी।

संक्षिप्त समाचार

ज़िपलाइन ऑपरेटर को एनआईए ने फिर किया तलबः सूत्र

नई दिल्ली। पहलगाम में एक पर्यटक द्वारा शूट किया गया वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें आतंकवादी हमले के कुछ क्षण दिखाए गए हैं। इस वीडियो में एक शख्स खुद को जिपलाइनिंग करते हुए और जिपलाइन ऑपरेटर को तीन बार अल्लाहु अकबर कहते हुए दिखाया गया है। वीडियो में अल्लाहु अकबर चिल्लाते हुए सुनाई देने वाले ज़िपलाइन ऑपरेटर को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पूछताछ के लिए बुलाया है। सूत्रों ने बताया कि हमले के बाद घटनास्थल पर मौजूद सभी लोगों को जांच एजेंसियों ने पूछताछ के लिए बुलाया था। ज़िपलाइन ऑपरेटर को एक बार फिर पूछताछ के लिए बुलाया गया है और एजेंसियों द्वारा उससे पूछताछ की जाएगी। यह पहलगाम से एक वीडियो के सामने आने के बाद हुआ है, जिसे ऋषि भट्ट नाम के एक व्यक्ति ने रिकॉर्ड किया था। इस हमले को इस क्षेत्र में सबसे भयानक हमलों में से एक बताया जा रहा है, यह हमला तब हुआ जब वर्दी पहने आतंकवादियों के एक समूह ने बैसरन घास के मैदान में पर्यटकों पर गोलीबारी की।

पाकिस्तान के खिलाफ एक और एक्शन ले सकता है भारत

नई दिल्ली। पाकिस्तान के खिलाफ भारत की कार्रवाई खत्म नहीं हुई है। बताया जा रहा हैं कि भारत सरकार अब पाकिस्तान के विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र बंद करने जा रहा है। हालांकि, इस बयान को लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। खास बात है कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद एनएससी की बैठक में पाकिस्तान ने भारत के विमानों के लिए हवाई क्षेत्र पर रोक लगा दी थी।सूत्रों के हवाले से बताया गया कि भारत सरकार पाकिस्तानी जहाजों की बंदरगाहों पर आने पर भी रोक लगा सकती है। साथ ही पाकिस्तानी विमानों की भी हवाई क्षेत्रों में एंट्री बैन कर सकता है। रिपोर्ट्स के अनुसार, अगर भारत सरकार की ओर से एयर स्पेस पर बैन लगाने का फैसला होता है, तब पाकिस्तान के विमानों को दक्षिण पूर्व में कुआला लंपुर जैसे स्थानों पर जाने के लिए चीन या श्रीलंका जैसे देशों के हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल करना पड़ेगा। हालांकि, खबरें ये भी हैं कि पाकिस्तानी विमान पहले ही भारतीय हवाई क्षेत्र में आने से बच रहे हैं।

(मुंबई) मुंबई में ड्रग तस्करी नेटवर्क का पर्दाफाश, 8 करोड़ रुपये का ड्रग्स जब्त

मुंबई। मुंबई पुलिस ने साढ़े चार किलो से ज्यादा ड्रग्स जब्त किया है। जब्त मादक पदार्थ की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में 8 करोड़ रुपये से अधिक है। यह कार्रवाई मुंबई की साकीनाका पुलिस ने किया है। साथ ही, पिछले चार वर्षों में पुलिस ने 450 करोड़ रुपये मूल्य का कीमती सामान जब्त किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 24 अप्रैल को पुलिस ने साकीनाका इलाके से सादिक शेख नामक व्यक्ति को हिरासत में लिया और उससे पूछताछ की। उसके पास से 10 लाख रुपये मूल्य की एमडी (मेफेड्रोन) ड्रग्स जब्त की गई। सादिक शेख से पूछताछ के बाद पुलिस को पता चला कि सादिक शेख बांद्रा इलाके में रहने वाले सिराज पंजवानी के लिए ड्रग पेडलर का काम करता है। साकीनाका पुलिस की विशेष टीम ने 26 अप्रैल को जैसे ही सिराज को हिरासत में लिया, उससे चौंकाने वाली जानकारी सामने आई। सिराज द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार चौधरी नाम का व्यक्ति उसे ड्रग्स सप्लाई करता है। इस चौधरी की तलाश में पुलिस की एक टीम वसई के कोन गांव पहुंची। उस समय पुलिस ने एक सीमेंट फैक्ट्री में नशीली दवा बनाने वाली मशीन और रेफ्रिजरेटर जब्त कर पूरे ड्रग रैकेट का भंडाफोड़ किया था। हालांकि इन ड्रग्स का निर्माण करने वाला चौधरी अभी भी फरार है, लेकिन मुंबई पुलिस ने 8 करोड़ रुपये का ड्रग्स जब्त कर लिया है और चौधरी की तलाश कर रही है।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के मद्देनजर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के मद्देनजर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की है। यह बैठक लगभग 40 मिनट तक चली, ऐसा माना जा रहा है कि पाकिस्तान को घेरने का प्लान तैयार किया जा रहा है। उधर, डोडा और किश्तवाड़ जिलों में सेना की छापेमारी जारी। जानकारी के अनुसार 12 से ज्यादा जगहों पर सुरक्षा बलों की छापेमारी जारी है। ये छापेमारी पाक अधिकृत कश्मीर से आतंकी नेटवर्क चला रहे लोकल आतंकवादियों के घरों पर की जा रही है। बता दें कि इसी क्रम में सुरक्षाबलों द्वारा लगभग 10 पाकिस्तानियों के घर जमींदोज कर दिए गए हैं। इसके साथ ही देश के नागरिकों की सुरक्षा के लिए लगातार कड़े कदम उठाए जा रहे हैं। इसी बीच सोमवार को जम्मू-कश्मीर विधानसभा का एक दिवसीय विशेष सत्र भी बुलाया गया है। वहीं दूसरी ओर चीन ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान को समर्थन देते हुए संयम बनाए रखने का आह्वान किया।

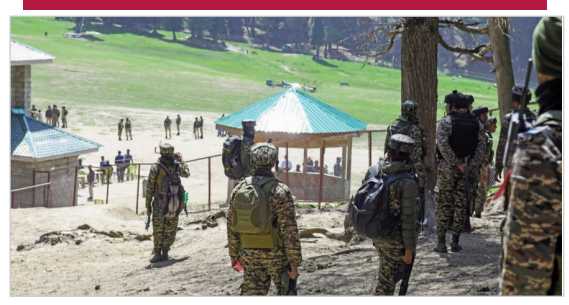

दारुल कजा या शरिया कोर्ट जैसे किसी भी निकाय को कानूनी मान्यता नहीं

- सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए सुनाया अहम फैसला

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में दोहराया है कि काजी की अदालत, दारुल कजा या शरिया कोर्ट जैसे किसी भी निकाय को भारतीय कानून के तहत मान्यता प्राप्त नहीं है और इनके द्वारा दिया गया कोई भी निर्देश या फैसला कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं होता है। जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की युगलपीठ ने यह टिप्पणी एक महिला द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए की। इस मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक फैसले को चुनौती दी गई थी, जिसमें फैमिली कोर्ट ने काजी की अदालत में हुए समझौते के आधार पर फैसला दिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने फैमिली कोर्ट के फैसले को गलत ठहराते हुए साफ कहा कि इस तरह के निकायों का फैसला केवल उन पक्षों के लिए मान्य हो सकता है जो स्वेच्छा से उस पर अमल करने के लिए सहमत हों, लेकिन इसे कानूनी रूप से लागू नहीं किया जा सकता है। पीठ ने 2014 में दिए गए अपने ऐतिहासिक फैसले विश्व लोचन मदन बनाम भारत सरकार के मामले का भी हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि शरिया अदालतों और उनके फतवों को भारतीय कानून में कोई मान्यता प्राप्त नहीं है। इस फैसले में साफ कहा गया था कि कोई भी गैर-सरकारी निकाय बलपूर्वक किसी पर अपने फैसले लागू नहीं कर सकता है।

बता दें याचिका में बताया गया है कि महिला का विवाह 24 सितंबर 2002 को इस्लामी रीति-रिवाजों के मुताबिक हुआ था। यह दोनों की दूसरी शादी थी। 2005 में काजी की अदालत मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में महिला के खिलाफ तलाक का मुकदमा दायर किया गया था, जो बाद में समझौते के आधार पर खारिज हो गया। 2008 में, पति ने दारुल कजा में फिर से तलाक के लिए मामला दायर किया और 2009 में तलाकनामा जारी किया गया। महिला ने 2008 में भरण-पोषण की मांग करते हुए फैमिली कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसे फैमिली कोर्ट ने खारिज कर दिया था।

फैमिली कोर्ट ने यह तर्क दिया था कि महिला स्वयं घर छोड़कर गई थी और यह कि चूंकि यह दोनों की दूसरी शादी थी, इसलिए दहेज की मांग की संभावना नहीं थी। सुप्रीम कोर्ट ने फैमिली कोर्ट की इस दलील को कानून के सिद्धांतों के खिलाफ और केवल अनुमान पर आधारित करार दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने फैमिली कोर्ट के फैसले को पलटते हुए पति को निर्देश दिया कि वह पत्नी को भरण-पोषण के रूप में याचिका दायर करने की तिथि से प्रतिमाह

चार हजार रुपए का भुगतान करे। कोर्ट ने यह भी दोहराया कि केवल किसी समझौता डीड के आधार पर भी अदालतें निष्कर्ष नहीं निकाल सकतीं। बता दें कि यह फैसला 4 फरवरी को सुनाया गया था, जो अब सार्वजनिक हुआ है।

जम्मू-कश्मीर सरकार ने लिया फैसला,लोगों की सुरक्षा को लेकर पर्यटक स्थल किए बंद

जम्मू।

जम्मू-कश्मीर सरकार ने सुरक्षा के मद्देनजर दर्जनों रिसॉर्ट और मशहूर पर्यटक स्थलों को बंद कर दिया है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद यह फैसला लिया गया है।

खूबसूरत इलाके में, जो अपनी शांत वादियों और ऊंचे पहाड़ों के लिए जाना जाता है, करीब 48 रिसॉर्ट बंद कर दिए गए हैं। दूधपात्री और वेरीनाग जैसे कई पर्यटन स्थल अब पर्यटकों के लिए बंद कर दिए गए हैं।

जानकारी के मुताबिक जम्मू-कश्मीर सरकार ने सुरक्षा एजेंसियों की सलाह पर यह फैसला किया है। कश्मीर में आतंकी हमलों की आशंका को लेकर खुफिया एजेंसियों ने चेतावनी दी थी, इसी वजह से 87 में से 48 पर्यटक स्थानों को बंद कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि पहलगाम में हुए हमले के बाद घाटी में कुछ आतंकी सक्रिय हो गए हैं और वह हमला कर सकते हैं।

खुफिया जानकारी के मुताबिक पहलगाम हमले के बाद सुरक्षा बलों द्वारा आतंकियों के घरों को उड़ाने का बदला लेने के लिए टीआरटी संगठन कुछ खास लोगों की हत्या और बड़े हमले की योजना बना रहा है। इसी वजह से गुलमर्ग, सोनमर्ग और डल झील जैसे संवेदनशील पर्यटन स्थलों पर पुलिस की खास टीमें और एंटी फिदायीन दस्ते तैनात कर दिए गए हैं।

आमतौर पर घाटी में आतंकी घटनाओं के बाद सुरक्षा बढ़ा दी जाती है।

इस हमले का असर कश्मीर के हर क्षेत्र पर पड़ सकता है, लेकिन सबसे ज़्यादा नुकसान पर्यटन को हो सकता है।

इससे कश्मीर की अर्थव्यवस्था, जो कई सालों की मेहनत के बाद थोड़ी ठीक हो रही थी, फिर से कमजोर हो सकती है। साथ ही कश्मीर के लोगों की कमाई पर भी इसका बुरा असर पड़ सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत की मदद करने को तैयार अमेरिका

वॉशिंगटन, एजेंसी। दक्षिण एशिया में तनावपूर्ण वातावरण के बीच पाकिस्तान को जहां चीन और तुर्की से मदद मिलना शुरू हो गया है वहीं अमेरिका, स्ट्रैटजिक पार्टनर होने के बाद भी भारत के साथ खुलकर खड़ा होने से हिचकिचा रहा है। अमेरिका के अधिकारी बार बार भारत के साथ होने की बात कर रहे हैं, लेकिन पाकिस्तान का नाम लेने से परहेज कर रहे हैं। एफबीआई चीफ काश पटेल और इंटेलिजेंस एजेंसी की प्रमुख तुलसी गबार्ट ने %इस्लामिक आतंकवाद% का जिक्र किया है, लेकिन ट्रंप प्रशासन खुलकर पाकिस्तान का नाम क्यों नहीं ले रहा है, इसको लेकर सवाल उठ रहे हैं। रविवार को अमेरिकी विदेश विभाग ने इस बात की पुष्टि की है कि वह भारत और पाकिस्तान दोनों के संपर्क में है। इसके अलावा विदेश विभाग ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण हालात को देखते हुए ÷जिम्मेदार समाधान÷ की दिशा में काम करने का आग्रह किया है। लेकिन हैरानी की बात ये है कि अमेरिका ने अभी भी पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराने की कोशिश नहीं की है।

कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है और युद्ध के बादल मंडरा रहे हैं। हमले में शामिल आतंकी अभी भी फरार हैं, जिनकी तलाश के लिए सघन तलाशी अभियान चलाए जा रहे हैं। भारत ने पाकिस्तान की सेना पर इस आतंकी हमले का प्लान रचने का आरोप लगाया है। जिससे दोनों देशों के बीच तनाव काफी बढ़ गया है। हालांकि अमेरिकी सरकार ने सार्वजनिक रूप से भारत के लिए समर्थन जताया है, लेकिन उसने हमले के लिए पाकिस्तान को दोषी ठहराने से परहेज किया है। जबकि ये देखा जा रहा है कि चीन ने खुलकर पाकिस्तान का समर्थन कर दिया है। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि क्या अमेरिका पूरी तरह से भरोसा करने लायक है? पाकिस्तान का नाम लेने से क्यों हिचकिचा रहा अमेरिका? अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता ने रॉयटर्स को ईमेल के जरिए दिए गए बयान में बताया है कि ÷यह एक उभरती हुई स्थिति है और हम घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। हम कई स्तरों पर भारत और पाकिस्तान की सरकारों के संपर्क में हैं।÷ विदेश विभाग के प्रवक्ता ने आगे कहा, ÷संयुक्त राज्य अमेरिका सभी पक्षों को एक जिम्मेदार समाधान की दिशा में मिलकर काम करने के लिए प्रोत्साहित करता है।÷ अमेरिकी विदेश विभाग ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की तरफ से अपनाए गए रुख को दोहराते हुए कहा, कि वाशिंगटन ÷भारत के साथ खड़ा है और पहलगाम में आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करता है।÷ लेकिन हैरानी की बात ये है कि इनके बयान में पाकिस्तान का नाम कहीं नहीं है। जबकि दूसरी तरफ चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने अपने पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार से टेलीफोन पर बात की है और पाकिस्तान के उस बयान का समर्थन किया है, जिसमें शहबाज शरीफ ने पहलगाम आतंकी हमले की %निष्पक्ष जांच की मांग की थी। बीजिंग ने पाकिस्तान की मांग का समर्थन किया है। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स ने कहा है कि विदेश मंत्री वांग ने रविवार को पाकिस्तान के इशाक डार से फोन पर बात की। जिसमें चीनी विदेश मंत्री ने कहा कि वह विकसित हो रहे हालात पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। चीनी राजनयिक ने कॉल में कहा, ÷चीन पाकिस्तान की वैध सुरक्षा चिंताओं को पूरी तरह समझता है और उसकी संप्रभुता और सुरक्षा हितों को बनाए रखने के उसके प्रयासों का समर्थन करता है।÷ उन्होंने कहा, ÷चीन निष्पक्ष जांच की तत्काल शुरुआत का समर्थन करता है, इस बात पर जोर देता है कि संघर्ष न तो भारत और ना ही पाकिस्तान के बुनियादी हितों और न ही क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए काम आता है। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत सरकार ने 60 से ज्यादा देशों के राजदूतों को हमले को लेकर जानकारी दी है और हमले के पीछे पाकिस्तान को मास्टरमाइंड बताया है। इस बैठक में चीन भी मौजूद था, जो बीजिंग और नई दिल्ली के बीच संबंधों में सहजता को दर्शाता है। लेकिन फिर भी चीन, पाकिस्तान के साथ चट्टान की तरफ खड़ा हो गया है और उसने इस्लामाबाद को तत्काल में पीएल-15 मिसाइलें भेजी हैं, जिसे पाकिस्तानी वायुसेना ने अपने जेएफ-17 फाइटर जेट में लगाया है। आपको बता दें कि जब 2019 में भारत पर पुलवामा हमला हुआ था, तो उस समय आयोजित इसी तरह की ब्रीफिंग में चीनी दूत को आमंत्रित नहीं किया गया था। जबकि भारत और चीन वर्तमान में अच्छी स्थिति में हैं, लेकिन फिर भी इस्लामाबाद के लिए बीजिंग का समर्थन नई दिल्ली के लिए चिंता का विषय माना जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस के साथ हड़ताली शिक्षकों की हिंसक झड़प, 63 शिक्षक घायल

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में पिछले 27 दिनों से सड़क पर आंदोलन कर रहे शिक्षकों और पुलिस के बीच हिंसक झड़प होने से 63 शिक्षक घायल हो गए हैं। बैरिकेडिंग तोड़ने का प्रयास कर रहे हड़ताली शिक्षकों पर पुलिस लाठीचार्ज किए जाने के बाद दोनों पक्षों के बीच टकराव हुआ। रविवार को नया बानेश्वर क्षेत्र में शिक्षकों का शांतिपूर्ण प्रदर्शन हिंसक हो गया। पुलिस के साथ यह टकराव तब हुआ जब शिक्षकों ने एक प्रतिबंधित क्षेत्र में जबरन प्रवेश की कोशिश की और बैरिकेडिंग तोड़ने का प्रयास किया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पानी की बौछार के साथ लाठीचार्ज किया। जवाब में नाराज प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बलों पर पथराव शुरू कर दिया, जिससे स्थिति तनावग्रस्त बन गई। नेपाल शिक्षक महासंघ के महासचिव तुला बहादुर थापा ने बताया कि पुलिस के साथ झड़प में 63 शिक्षक घायल हुए हैं। इनमें करीब एक दर्जन से अधिक शिक्षकों की अवस्था गंभीर बताई गई है। थापा के मुताबिक घायल शिक्षकों को पास के ही सिविल हॉस्पिटल में दाखिल कराया गया। सामान्य रूप से घायल शिक्षकों का सड़क पर ही उपचार किया गया। इसी बीच शिक्षक महासंघ ने आकस्मिक बैठक बुलाई। संगठन के महासचिव थापा के मुताबिक उनका आंदोलन निरंतर जारी रहेगा। हड़ताल पर रहे शिक्षक महासंघ और सरकार के बीच कई चरणों की वार्ता हुई लेकिन सभी बेनतीजा निकली।

डोनाल्ड ट्रंप चाहते हैं पुतिन-जेलेंस्की दो सप्ताह में करें शांति समझौता

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की दो सप्ताह के भीतर शांति समझौता करें। हालांकि उन्होंने बाद में कहा कि समझौते के लिए थोड़ा और समय स्वीकार्य हो सकता है। ट्रंप ने इससे पहले 26 अप्रैल को वेटिकन सिटी में पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार के अवसर पर यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से मुलाकात की थी। एबीसी न्यूज के अनुसार, ट्रंप ने वाशिंगटन लौटने से पहले न्यू जर्सी के मॉरिसटाउन म्यूनिसिपल एयरपोर्ट पर संवाददाताओं से बातचीत में यह इच्छा जताई। उन्होंने कहा कि जेलेंस्की के साथ उनकी मुलाकात अच्छी रही। अब देखना यह है कि अगले कुछ दिनों में क्या होता है। उन्होंने कहा कि वह इस बात से बेहद निराश हैं कि रूस ने यूक्रेन में मिसाइल और ड्रोन हमले जारी रखे हैं। यह तब है, जब उन्होंने पुतिन से बातचीत जारी रहने के दौरान हमलों को रोकने का अनुरोध किया था। ट्रंप से पूछा गया कि जेलेंस्की ने किस बारे में बात की। उन्होंने कहा कि जेलेंस्की ने और हथियारों की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पुतिन को गोलीबारी बंद कर समझौते पर हस्ताक्षर करना चाहिए। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि हालांकि यूक्रेन के लिए क्रीमिया में अपने क्षेत्र को पुनः प्राप्त करना जटिल होगा। इस पर रूस का 2014 से कब्जा है। उन्होंने इसके लिए पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा को रूस को इस क्षेत्र पर कब्जा करने की अनुमति देने के लिए दोषी ठहराया। इससे पहले रविवार को विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि ट्रंप की जेलेंस्की से मुलाकात के बाद रूस और यूक्रेन समझौते के करीब पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि अब अमेरिका को यह सोचना होगा कि क्या वह मध्यस्थता करने के लिए आगे आए। रुबियो ने मीट द प्रेस के दौरान कहा कि उन्हें लगता है कि पिछले तीन सालों की तुलना में रूस और यूक्रेन आम तौर पर समझौते के करीब पहुंच गए हैं।

जेल में बंद नेपाल के पूर्व उपप्रधानमंत्री लामिछाने की मुसीबत बढ़ी, एक और घोटाला, मुकदमा दर्ज

काठमांडू, एजेंसी। जेल में बंद नेपाल के पूर्व उप प्रधानमंत्री रवि लामिछाने की मुसीबत और बढ़ गई है। इस बीच उनके खिलाफ एक और को-ऑपरेटिव बैंक घोटाला सामने आया है। इस पर सोमवार को मुकदमा दायर हुआ है। बीरगंज के पाइला को-ऑपरेटिव बैंक में 112 करोड़ रुपये से अधिक के घोटाला सामने आने के बाद सरकार के तरफ से पर्सा जिला अदालत में रवि लामिछाने सहित 30 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। बीरगंज के सिटी एसपी गौतम मिश्र ने कहा कि घोटाला को लेकर जिला अदालत में चार्जशीट दाखिल कर दी गई है। इसमें पूर्व उपप्रधानमंत्री रवि लामिछाने सहित कुल 30 लोगों को प्रतिवादी बनाया गया है। एसपी मिश्र ने बताया कि इस चार्जशीट में को-ऑपरेटिव बैंक में कुल 112.65 करोड़ रुपये की अनियमितता का प्रमाण दिया गया है।

ईरान के सनसनीखेज दावे- इजरायली मोसाद ने ईरान के बंदर अब्बास बंदरगाह में मचाई तबाही

ईरान, एजेंसी। ईरान के दक्षिणी शहर बंदर अब्बास में शाहिद राजाई बंदरगाह पर शनिवार को भीषण धमाका हुआ था। जिसको लेकर अब ईरान ने इजरायल पर आरोप लगाए हैं। भीषण विस्फोट के बाद रविवार को भी आग बुझाने का काम जारी रहा। अग्निशमन दल को ऊपर से पानी गिराने के लिए विमानों और हेलीकॉप्टरों को तैनात करते देखा गया है। ईरानी गृह मंत्री एस्कंदर मोमेनी ने कहा है कि आग पर 80त्न काबू पा लिया गया है। हालांकि अभी भी अनुमान लगाया जा रहा है, कि इसे पूरी तरह से बुझाने में कई घंटे और लगेंगे। रविवार दोपहर के आसपास नए कंटेनरों में हुए धमाकों की वजह से आग फिर से भड़क गई थी। ईरान के अधिकारियों ने मरने वालों की संख्या बढ़ाकर 36 कर दी और घायलों की संख्या 800 से ज्यादा बताई जा रही है। वहीं 190 लोग गंभीर तौर पर घायल हैं, जिनका अलग अलग अस्पतालों में इलाज किया जा रहा है। इस बीच ईरान की सरकारी मीडिया ने बताया है कि बंदरगाह के बिना क्षतिग्रस्त हिस्सों में ऑपरेशन फिर से शुरू हो गये हैं। ईरानी टेलीविजन ने डॉक किए गए जहाज से कंटेनर उतारते हुए तस्वीरें जारी की हैं। वहीं हादसे के कई घंटे बीतने के बाद ईरान ने पहली बार सार्वजनिक रूप से इजरायल पर इसमें शामिल होने का आरोप लगाया है। ईरान के संसद सदस्य मोहम्मद सेराज ने आरोप लगाया है कि ÷राजई बंदरगाह विस्फोट में इजरायल शामिल था। यह कोई दुर्घटना नहीं थी।÷ उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि ÷विस्फोटक कंटेनरों में रखे गए थे, या तो मूल देश में या शिपिंग रास्ते के किनारे। हम विस्फोटकों को लगाने में मदद करने वाले अंदरूनी लोगों के होने की संभावना से इनकार नहीं करते।÷ उन्होंने दावा किया कि कि ÷स्पष्ट सबूत इजरायल की संलिप्तता की ओर इशारा करते हैं।

लंदन में पाकिस्तानी उच्चायोग पर हमले को लेकर पाकिस्तान ने उठाई आवाज

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में पाकिस्तान के उच्चायुक्त डॉ मोहम्मद फैसल ने लंदन स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग पर हुए हमले को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि इस गंभीर मुद्दे को औपचारिक रूप से ब्रिटिश विदेश कार्यालय के समक्ष उठाया गया है। डॉ फैसल ने एक बयान जारी कर कहा कि किसी भी देश के राजनयिक मिशनों की सुरक्षा सुनिश्चित करना मेजबान देश यानी ब्रिटेन की जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि हमलावर बड़े पत्थर लेकर आए थे और उच्चायोग के चांसरी कार्यालय को नुकसान पहुंचाया। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस अब तक हमलावरों की पहचान उजागर नहीं कर पाई है। उच्चायुक्त ने इस हमले को अत्यंत गंभीर चिंता का विषय बताते हुए ब्रिटिश सरकार से आग्रह किया कि हमलावरों को शीघ्र गिरफ्तार कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। यह घटना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राजनयिक सुरक्षा से जुड़े प्रोटोकॉल पर सवाल खड़े कर रही है। पाकिस्तान ने स्पष्ट किया है कि वह इस मामले में आवश्यक कार्रवाई की उम्मीद कर रहा है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। ब्रिटिश अधिकारियों ने फिलहाल घटना की जांच शुरू कर दी है और उच्चायोग की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

कनाडा में संसदीय चुनाव, मुख्य मुकाबला कंजर्वेटिव और लिबरल के बीच

ओटावा, एजेंसी। कनाडा में आज हो रहे संसदीय चुनाव में मुख्य मुकाबला प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के नेतृत्व वाली लिबरल पार्टी और पियरे पोइलिव्रे की कंजर्वेटिव पार्टी के बीच है। देश के मतदाता तय करेंगे सरकार का नेतृत्व मार्क करेंगे ये पियरे। चुनाव में मुख्य मुद्दा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कनाडा पर टैरिफ हमला है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, कनाडा की अर्थव्यवस्था अपेक्षाकृत कमजोर स्थिति में है। इस पर ट्रंप के टैरिफ का बड़ा असर पड़ रहा है। कुछ मतदाता लिबरल पार्टी को इसके लिए दंडित करना चाहते हैं। लिबरल पार्टी पिछले एक दशक से सत्ता में है। कंजर्वेटिव पार्टी ने बदलाव, छोटी सरकार, कर कटौती और विनियमन में ढील का वादा किया है। बावजूद इसके लिबरल पार्टी को दोबारा वापसी की उम्मीद है। अधिकांश पोल पूर्वी समयानुसार रात 9:30 बजे बंद हो जाएंगे। अन्य मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उम्मीदवारों ने रविवार को जनता से वोट मांगने के लिए अपना अंतिम प्रयास किया, लेकिन प्रचार के अंतिम घंटों में वैंकूवर में एक घातक कार-हमले से हड़कंप मच गया। इस हमले ने थोड़े समय के लिए देश का ध्यान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से हटा दिया। इस बार खास बात यह है कि पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो चुनाव से दूर हैं। 60 वर्षीय कार्नी को मार्च की शुरुआत में लिबरल पार्टी का नेता चुना गया।उन्होंने जस्टिन ट्रूडो की जगह ली। राजनीति में वो नए हैं लेकिन इससे पहले कनाडा और इंग्लैंड के दो बैंकों के प्रमुख रहे हैं। उनके पक्ष में बड़ी बात यह जाती है कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ बागी रुख अपनाया है। 45 वर्षीय पियरे पोइलिव्रे लगभग दो दशक से कनाडा की राजनीति में हैं। वह अपनी टकरावपूर्ण शैली के लिए जाने जाते हैं। इन दो पार्टियों के अलावा ब्लॉक क्यूबेकॉइस और न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी भी मैदान में हैं,

लेकिन दोनों ही सरकार बनाने की दौड़ में नहीं है। ब्लॉक क्यूबेकॉइस स्थानीय और क्यूबेक राष्ट्रवादी पार्टी है। यह केवल इस फ्रांसीसी भाषी प्रांत क्यूबेक में उम्मीदवारों को खड़ा करती है। इसके नेता यवेस-फ्रांस्वा ब्लैंचेट 2019 से पार्टी का नेतृत्व कर रहे हैं। 46 वर्षीय जगमीत सिंह न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता हैं। यह वामपंथी झुकाव वाली पार्टी है।

खालिस्तानी नेता ने पाकिस्तान के समर्थन में जताई एकजुटता, भारतीय सेना के पंजाब से गुजरने का किया विरोध : नई दिल्ली, एजेंसी। खालिस्तान आंदोलन के प्रमुख नेता गुरपतवंत सिंह पन्नून ने एक बार फिर विवादास्पद बयान देते हुए पाकिस्तान के साथ एकजुटता व्यक्त की है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि वे भारतीय सेना को पंजाब के रास्ते पाकिस्तान पर हमला करने की अनुमति नहीं देंगे। पन्नून ने कहा, हम भारतीय सेना को पंजाब से पाकिस्तान पर आक्रमण करने के लिए नहीं गुजरने देंगे। भारत में पाकिस्तान पर हमला करने का साहस नहीं है। उन्होंने दावा किया कि वे पाकिस्तान के लोगों के साथ पूरी मजबूती से खड़े हैं। पन्नून ने जोर देकर कहा, ÷हम बीस मिलियन सिख पाकिस्तान के साथ दीवार की तरह खड़े हैं। पन्नून ने भारत में अल्पसंख्यकों, विशेष रूप से सिख समुदाय के प्रति हो रहे कथित अत्याचारों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, यह न तो 1965 है, न ही 1971; यह 2025 है। अब हालात बदल चुके हैं। अपने संबोधन में पन्नून ने पाकिस्तान के नाम की व्याख्या करते हुए कहा कि ÷पाकिस्तान÷ का अर्थ ही पवित्रता है और यह उनके समुदाय की परंपरा रही है कि वे आक्रमण की पहल नहीं करते। उन्होंने चेतावनी दी कि, ÷जो भी हमला करता है, उसका अंत निश्चित होता है, चाहे वह इंदिरा गांधी हों, नरेन्द्र मोदी, या अमित शाह। पन्नून ने यह भी कहा कि वे अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, केंद्रीय मंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री एस. जयशंकर को न्याय के कठघरे में लाने का संकल्प लेते हैं।

भारत के हुक्का-पानी बंद करने से बिलबिलाया पाकिस्तान आका की शरण में, चीन बोला-डटे रहो

इस्लामाबाद, एजेंसी। भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुआ आतंकी हमला पाकिस्तान के लिए गले की फांस बन गया है। न उससे उगलते बन रहा और न ही निगलते। इस हमले के बाद भारत के दंडात्मक कूटनीतिक उपायों की घोषणा से वह बिलबिला गया है। हालांकि मुल्क की अवाम को खुश करने के लिए उसने भी कुछ जवाबी कदम उठाए हैं। पहलगाम हमले के ठीक दूसरे दिन भारत के सिंधु जल संधि को स्थगित करने की घोषणा से वह भविष्य में होने वाले जल संकट से पसीना-पसीना है। संघीय सरकार ने रविवार को दिनभर चीन समेत कई देशों से गुहार लगाता रहा। चीन को इस समय उसका सबसे बड़ा हमदर्द माना जाता है। डॉन अखबार की वेबसाइट पर आज सवेरे अपडेट की रिपोर्ट के अनुसार, मुल्क के राजनीतिक नेतृत्व ने पहलगाम हमले के मद्देनजर भारत की भड़काऊ कार्रवाई और झूठे आरोपों को छिपाने के प्रयासों को उजागर करने के लिए सप्ताहांत में

कई देशों के साथ बातचीत जारी रखी। चीन, ब्रिटेन और ईरान के नेताओं के साथ अलग-अलग बातचीत में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, उप प्रधानमंत्री और विदेशमंत्री इशाक डार ने नई दिल्ली के उठाए गए एकतरफा कदमों की ओर ध्यान आकर्षित किया। शहबाज और डार ने इस दौरान सिंधु जल संधि का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। डार ने ब्रिटेन और चीन के अपने समकक्षों से बात कर दखल देने की गुहार लगाई। चीन के विदेश मंत्री और चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य वांग यी ने डार से कहा कि बीजिंग पाकिस्तान और भारत के बीच पनप रहे हालात पर बारीकी से नजर रख रहा है। बीजिंग, पाकिस्तान की चिंता को समझता है। वह पाकिस्तान के साथ है। ब्रिटेन के विदेश सचिव डेविड लैमी ने मुद्दों के शांतिपूर्ण समाधान के माध्यम से स्थिति को कम करने के महत्व पर जोर दिया। इससे पहले शहबाज शरीफ ने शनिवार को ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से दखल देने की गुहार लगाई थी। शहबाज ने सिंधु जल संधि का मुद्दा प्रमुखता से उठाया।शहबाज शरीफ ने रविवार को जति उमरा में अपने बड़े भाई पीएमएल-एन प्रमुख नवाज शरीफ से मुलाकात कर पहलगाम हमले और उसके बाद की स्थिति के बारे में जानकारी दी।

खालिस्तान समर्थक गुरपतवंत सिंह पन्नू पाकिस्तान के मीडिया में भारत के खिलाफ उगल रहा जहर

इस्लामाबाद, एजेंसी। खालिस्तान समर्थक और सिख फॉर जस्टिस संगठन का संस्थापक गुरपतवंत सिंह पन्नू ने पाकिस्तान के मीडिया में भारत के खिलाफ फिर जहर उगला है। वाशिंगटन में पंजीकृत सिख फॉर जस्टिस को भारत सरकार पहले ही आतंकवादी संगठन घोषित कर चुकी है। ऐसा पहली बार नहीं है कि उसने भारत के खिलाफ विष वमन किया हो। पन्नू का विष वमन भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद उपजे हालात के बीच आया है। पाकिस्तान के एआरवाई न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में गुरपतवंत सिंह पन्नू ने भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ भी जहर उगला है। उसने इंटरव्यू में अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद और कश्मीर में चल रहे संघर्ष जैसे मुद्दों पर बात की है। उसने खुलकर कहा कि वह पाकिस्तान के साथ एकजुटता व्यक्त कर रहा है। उसने कहा कि वह पाकिस्तान के पंजाब में भारत की सेना के प्रवेश करने के किसी भी प्रयास का दृढ़ता से विरोध करेगा। पन्नू ने टिप्पणी की कि उसकी संयुक्त राज्य अमेरिका में हत्या कराने की कोशिश की गई। खालिस्तान समर्थक पन्नू ने कहा कि कश्मीर के लोगों को दुनिया भर में भारतीय दूतावासों के बाहर विरोध प्रदर्शन करना चाहिए। गुरपतवंत सिंह पन्नू ने इंटरव्यू में

क्लिंटन की भारत यात्रा का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इस दौरान भारत में सिखों का नरसंहार करवाया गया।उसने कहा कि पाकिस्तान को वैश्विक मंच पर भारत के खिलाफ मोर्चा खोलना चाहिए। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पेशे से वकील पन्नू का परिवार पहले भारत के पंजाब के नाथू चक गांव में रहता था। बाद में परिवार अमृतसर के पास खानकोट में बस गया। पन्नू के पिता महिंदर सिंह पंजाब मार्केटिंग बोर्ड के सचिव रह चुके हैं। पन्नू के एक भाई और एक बहन हैं। 1990 के दशक में पन्नू ने पंजाब यूनिवर्सिटी से कानून की पढ़ाई की। साल 1991-92 वे पन्नू अमेरिका चला गया। वहां एमबीए किया और न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी से कानून की डिग्री ली। साल 2007 में पन्नू ने सिख फॉर जस्टिस की स्थापना की।संगठन का पंजीकृत कार्यालय अमेरिका के वॉशिंगटन में है। पन्नू न्यूयॉर्क के ऑफिस से काम करता है।

चीन के बाद तुर्की ने भारत का खून बहाने को पाकिस्तान भेजा हथियारों का जखीरा, धोखेबाज एर्दोगन भूल गये भूकंप में मदद का अहसान

इस्लामाबाद, एजेंसी। भारत से युद्ध की आशंका के बीच ऐसी रिपोर्ट है कि तुर्की ने पाकिस्तान को हथियारों का जखीरा भेजा है। दावा किया गया है कि तुर्की से हथियारों का जखीरा लेकर कार्गो फ्लाइट्स इस्लामाबाद पहुंचे हैं। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच जब तनाव काफी बढ़ा हुआ है, उस वक्त तुर्की ने पाकिस्तान को हथियार भेजने का कदम उठाया है। ये वही तुर्की है जहां भूकंप आने के बाद सबसे पहले मदद पहुंचाने वाले देशों में भारत था। लेकिन ये वही तुर्की है, जिसने सबसे पहले भारत का खून बहाने के लिए हथियारों का जखीरा पाकिस्तान भेज दिया है। तुर्की एयर फोर्स का सी-130 हरक्यूलिस सैन्य परिवहन विमान रविवार को कराची पहुंचा, जिसमें हथियार हैं। अपुष्ट सूत्रों के मुताबिक तुर्की से कम से कम 6 सी-130 कार्गो लड़ाकू विमान इस्लामाबाद पहुंचे हैं। कराची के अलावा, 6 सी-130 विमान कथित तौर पर इस्लामाबाद में एक सैन्य अड्डे पर उतरे हैं। पाकिस्तान, जो अकेले भारत से मुकाबला नहीं कर सकते हैं, उसे तुर्की का साथ मिला है, जो लंबे समय से भारत को अस्थिर देखना चाहता है। तुर्की और पाकिस्तानी, दोनों ने हथियारों के ट्रांसफर की पुष्टि की है। हालांकि, शिपमेंट में कौन कौन से हथियार भेजे गये हैं, फिलहाल इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है।

तुर्की ने पाकिस्तान को भेजे हथियार तुर्की ऐसे समय में पाकिस्तान के साथ खड़ा हुआ है, जब भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की बात कही है। इससे पहले पाकिस्तान को चीन ने भी पीएल-15 मिसाइलें भेजी हैं, जिसे पाकिस्तान ने अपने छ्ब्स्न-17 लड़ाकू विमानों में लगाया है। माना जा रहा है कि तुर्की ने पाकिस्तान को ड्रोन

भेजे हैं। हालांकि हम पुष्टि नहीं कर रहे हैं, लेकिन पाकिस्तान के कई लोगों ने सोशल मीडिया पर दावा किया है कि तुर्की ने पाकिस्तान को जो हथियार भेजे हैं, उनमें क्ठ्ठ4ह्ड्डद्मह्लड्डह्- ञ्जक्च2 ड्रोन, छोटे हथियार, स्मार्ट बम और गाइडेड मिसाइल सिस्टम हो सकते हैं। पाकिस्तान और तुर्की के बीच हथियारों को लेकर समझौते पहले हो रखे हैं। पिछले दिनों जब तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैय्यर एर्दोगन पाकिस्तान आए थे, उस दौरान भी दोनों देशों के बीच हथियारों को लेकर समझौता हुआ था। तुर्की और पाकिस्तान ने इस्लामिक भाइचारे की बुनियाद पर अपनी दोस्ती को रणनीतिक भागीदारी में बदलने का फैसला किया था। खासकर भारत के खिलाफ पाकिस्तान की मदद करने के लिए तुर्की ने कई तरह के हथियार समझौते किए हैं। तुर्की अकसर कश्मीर के मुद्दे पर पाकिस्तान की मदद करता रहता है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

11 साल के छात्र को लेकर भागी शिक्षिका का अब तक कोई सुराग नहीं

दो दिन पहले स्कूल बैग, अपहरण के दिन ट्रॉली बैग खरीदी योजना के तहत प्राइवेट बस में भागी, पुलिस को शक

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में 23 वर्षीय एक शिक्षिका ने 11 वर्षीय छात्र को भगाने की घटना शहर में चर्चा का विषय बन गई है। यह शिक्षिका सूरत रेलवे स्टेशन या बस में दिखाई नहीं दी, जिससे पुलिस के लिए इसे ट्रैक करना मुश्किल हो गया है। इस शिक्षिका के छात्र को लेकर प्राइवेट ट्रैवल्स से भागने की संभावना जताई जा रही है, और पुलिस वहां के सीसीटीवी फुटेज को चेक कर रही है। साथ ही, उसकी जन्मभूमि पर भी जांच की जा रही है, लेकिन वहां भी कोई सुराग नहीं मिला है। उल्लेखनीय है कि इस शिक्षिका ने दो दिन पहले स्कूल बैग खरीदी थी, और अपहरण के दिन उसने ट्रॉली बैग खरीदी थी। यह छात्र, जिसे शिक्षिका ने भगाया है, पिछले एक साल से उसके पास ट्यूशन के लिए जाता था।

सूरत के पुना क्षेत्र में रहने वाला और पांचवी कक्षा में पढ़ाई करने वाला 11 वर्षीय छात्र 25 अप्रैल को दोपहर में अपनी नजदीकी ट्यूशन और स्कूल शिक्षिका द्वारा भगाया गया था। सोसायटी के सीसीटीवी चेक करने पर देखा गया कि यह बच्चा अपनी 23 वर्षीय शिक्षिका के साथ जा रहा था, और उसके कंधे पर एक बैग भी था। छात्र और शिक्षिका का पता लगाने के लिए पुलिस ने चार टीमें बनाई हैं और जांच तेज कर दी है।

रेलवे और बस स्टेशन के सीसीटीवी में नहीं दिखने के बाद पुलिस उलझन में पड़ गई थी। इस बीच, इस शिक्षिका का मोबाइल फोन सूरत रेलवे स्टेशन के पास से बंद हो गया, जिससे यह संभावना जताई जा रही है कि वह ट्रेन से या फिर पास के सरकारी बस स्टेशन से बस के जरिए कहीं गई हो। पूरी रात सीसीटीवी फुटेज को खंगालने के बाद भी पुलिस को सूरत रेलवे स्टेशन या बस स्टेशन पर इस शिक्षिका और छात्र का नहीं दिखना पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। परिचित द्वारा मदद करने की शंका में भी पुलिस ने उस दिशा में जांच शुरू की है।

पूर्व कर्मचारी ने पत्नी के और मां के खातों में कुल 17.73 लाख रुपये ट्रांसफर

वराछा के अवसर फेंटावाला व्यापारी के पूर्व कर्मचारी की करतूत सामने आई।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के छोटे वराछा किरनचोक में दुकान चलाने वाले फेंटा व्यापारी के यहां पार्टटाइम अकाउंटेंट के रूप में काम करने वाले एक युवक ने, जो मूल रूप से भावनगर का निवासी था, व्यापारी के, उसकी पत्नी और उसकी मां के खातों में 17.73 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद कापोद्रा पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, मूल रूप से भावनगर के पालीताणा सगापरा के निवासी और सूरत के छोटे वराछा किरनचोक भगवतिक्रपा सोसाइटी बी/203 में रहने वाले 34 वर्षीय अनिलभाई रामजीभाई खुंट भगवतिक्रपा सोसाइटी ए-38 में अवसर फेंटा नाम से फेंटा और सफाई की दुकान चलाते हैं।

पिछले नवंबर महीने में उन्हें एकाउंटेंट की आवश्यकता थी, जिसके लिए उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर पार्टटाइम नौकरी की विज्ञापन दी थी। इसे देखकर, मूल रूप से भावनगर महुवा बगदाणा के निवासी और सूरत के पासोदरा शालीग्राम ओम पैलेस एस/401 में रहने वाले ध्रुवकुमार दिनेशभाई उर्फ दिनकरभाई पंडया उनकी दुकान पर आए और 18 हजार रुपये महीने के वेतन पर नौकरी शुरू की थी।

ध्रुव को दुकान के एकाउंट से अनिलभाई के पिता और भाई के खातों में पैसे ट्रांसफर करने की जानकारी थी।

इस बीच, ध्रुव काम में सही नहीं था और मोबाइल पर गेम खेलता रहता था, इसलिए उसे जनवरी महीने की शुरुआत में नौकरी से हटा दिया गया।

उसके कुछ दिनों बाद, 12 जनवरी को वह दुकान पर आया और ऑर्डर देने की बात कहकर अनिलभाई का फोन मांगा ताकि वह फेंटा-सफाई की पीडीएफ़ डाल सके। अनिलभाई ने फोन दे दिया। थोड़ी देर बाद, वह फोन लेकर वहां से चला गया। पांच दिन बाद, एक ग्राहक के ऑनलाइन पेमेंट में समस्या आने पर अनिलभाई ने बैंक में जांच की, तब पता चला कि उनके अकाउंट से दो दिन पहले 1 लाख रुपये अन्य अकाउंट में ट्रांसफर हुए थे। चूंकि अनिलभाई ने खुद पैसे ट्रांसफर नहीं किए थे, तो उन्हें ध्रुव पर शक हुआ।

जब उन्होंने इस बारे में और जांच की, तो पता चला कि ध्रुव ने 27 नवंबर 2024 से 19 जनवरी 2025 के बीच अनिलभाई, उनकी पत्नी अक्षिता और मां हंसा बेन के अकाउंट में कुल 17,73,294 रुपये ट्रांसफर कर दिए थे। इसके बाद अनिलभाई ने कल कापोद्रा पुलिस स्टेशन में तीनों के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई, और सेकंड पीआई एम.आर. सोलंकी ने आगे की जांच शुरू की है।

घुसपैठ करके आई कुछ महिलाओं को देह व्यापार करने के लिए मजबूर

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात पुलिस ने वर्तमान में च्ऑपरेशन क्लीन सिटीज़ के तहत राज्य में अवैध रूप से रह रहे पाकिस्तानी और बांग्लादेशी नागरिकों को खोजने के लिए अभियान शुरू किया है। अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा और राजकोट जैसे शहरों में अब तक 450 बांग्लादेशी नागरिक मिले हैं, जबकि अन्य संदिग्धों की जांच चल रही है। जिन बांग्लादेशी घुसपैठियों का पता चला है, उनमें आधी महिलाएं हैं। सूरत की बात करें तो यहां से 30 महिलाएं मिली हैं, जिनमें से कुछ देह व्यापार से जुड़े होने का भी पता चला है।

बांग्लादेश में जो महिलाएं या युवतियां आर्थिक तंगी में होती हैं या जिनके पति का निधन हो चुका होता है, उनकी मजबूरी का फायदा उठाया जाता है। एजेंट उन्हें भारत में पैसा कमाने का लालच देकर भेज देते हैं। बांग्लादेश से पश्चिम बंगाल होते हुए महिलाएं विभिन्न राज्यों में पहुंच रही हैं, यह भी सामने आया है।

सूरत क्राइम ब्रांच ने वर्तमान में च्ऑपरेशन बांग्लादेशज़ के तहत कुल 134 संदिग्धों की गिरफ्तारी की है, जिनमें 47 महिलाएं और 87 पुरुष शामिल हैं। इसी प्रकार, सूरत ग्रामीण पुलिस ने 60 ऐसे लोगों की पहचान की है, जो बांग्लादेश से अवैध तरीके से भारत आए थे और सूरत ग्रामीण के विभिन्न इलाकों में रह रहे थे। इनकी पहचान बांग्लादेशी के रूप में हुई है। महत्वपूर्ण बात यह है कि इन 60 बांग्लादेशी नागरिकों में 30 महिलाएं हैं... यह सवाल उठता है कि इतनी संख्या में महिलाएं बांग्लादेश बॉर्डर पार करके भारत क्यों आ रही हैं।

सूरत शहर और ग्रामीण पुलिस द्वारा की गई जांच में एक बड़ा खुलासा हुआ है। जितने भी संदिग्ध या पहचाने गए बांग्लादेशी हैं, उनमें से 40 से 50% महिलाएं शामिल हैं। जब उनसे पूछताछ की गई,

निजी बस की टक्कर से युवक की घटनास्थल पर ही मौत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के बड़े वराछा क्षेत्र में एक निजी लक्जरी बस ने सड़क पार कर रहे 42 वर्षीय युवक को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए थे और चालक को पकड़ लिया गया था। इस मामले में उत्राण पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया और आगे की जांच शुरू कर दी है।

बस का टायर युवक के ऊपर फिर से चढ़ने से घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई।

मिली जानकारी के अनुसार, सूरत के बड़े वराछा क्षेत्र में 42 वर्षीय प्रकाश औड़ सोमवार (28 अप्रैल) को अपने घर के पास रामचोक स्थित मणकी मा चौक के पास पैदल जा रहे थे। इस दौरान जब वे सड़क पार कर रहे थे, तो तेज रफ्तार से दौड़ रही निजी लक्जरी बस के चालक ने उन्हें टक्कर मार दी और बस का टायर प्रकाश के ऊपर से फिर से गुजर गया, जिससे घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई।

29 वर्षीय इंजीनियर और 40 वर्षीय रत्न कलाकार की अचानक मौत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वराछा में एक रत्न कलाकार की मौत दांतों के क्लिनिक में हो गई, जबकि सिंगणपोर रोड का एक युवक घर जाते समय चलते-चलते अचानक गिर पड़ा और उसकी मौत हो गई।

सूरत शहर में पिछले कुछ समय से अचानक बेहोश होकर सीने में दर्द के बाद मौत के मामले बढ़ते जा रहे हैं। ऐसे ही मामलों में वराछा में एक 40 वर्षीय रत्न कलाकार और चौकबाजार में एक 29 वर्षीय इंजीनियर की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद बेहोश होकर मौत हो गई। मेडिकल कोलेज (स्मीमेर) अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार, वराछा रोड स्थित रविपार्क सोसाइटी में रहने वाले 40 वर्षीय हिमत गोवर्धन डाभी मंगलवार दोपहर अपनी पत्नी को दांतों की जांच के लिए वराछा के कुबेरनगर स्थित एक डेंटल क्लिनिक में ले गए थे। वहां अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और वे बेहोश होकर गिर पड़े। उन्हें तुरंत मेडिकल कोलेज (स्मीमेर) अस्पताल ले जाया गया, जहां ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

हिमत मूल रूप से भावनगर जिले के उमराडा तालुका के चौगगाम गांव के निवासी थे। उनके परिवार में एक पुत्र है और वे रत्न कलाकार के रूप में कार्यरत थे।

दूसरे मामले में, चौकबाजार क्षेत्र के सिंगणपोर रोड स्थित देव रेसिडेंसी में रहने वाले 29 वर्षीय चिराग गोवर्धन परमार मंगलवार सुबह घर पर चलते समय अचानक तबीयत बिगड़ने से बेहोश हो गए। उन्हें तुरंत इलाज के लिए एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

चिराग मूल रूप से अमरेली जिले के सांवरकुंडला के निवासी थे। उनके परिवार में एक बेटा है और वे एक निर्माण स्थल पर सिविल इंजीनियर के रूप में कार्यरत थे।

सूरत का अनोखा समर कैंप, जहां मानसिक और शारीरिक दिव्यांग बच्चों को जीवन जीने की ट्रेनिंग

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में स्कूल की छुट्टियों से पहले पालिका स्कूल में एक एन.जी.ओ. द्वारा एक अनोखा समर कैंप आयोजित किया गया है, जहां मानसिक दिव्यांग बच्चों को जीवन जीने की ट्रेनिंग दी जा रही है और उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए विभिन्न कोर्स सिखाए जा रहे हैं। सूरत के पालंपोर स्थित पालिका स्कूल में लगातार 10 दिनों तक इन बच्चों को प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे इन बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ेगा।

पालिका स्कूल में दिव्यांग बच्चों के लिए 10 दिन का समर कैंप शुरू किया गया है, जिसमें बच्चों को आर्ट एंड क्राफ्ट के साथ विभिन्न चीजें बनाने की ट्रेनिंग दी जा रही है। समर कैंप का आयोजन करने वाले स्पंदन चैरिटेबल ट्रस्ट की तृप्ति देसाई ने कहा कि यह प्रयास दिव्यांग बच्चों को समाज की मुख्य धारा में जोड़ने के लिए किया जा रहा है। दिव्यांग बच्चों को प्रकृति ने जो शक्ति दी है, उसे पहचान कर उनके क्षमता के अनुसार उन्हें इस कैंप में हुनर सिखाया जा रहा है। आज से शुरू होने वाले इस 10 दिन के समर कैंप में बच्चों को आर्ट एंड क्राफ्ट, क्ले पर, कोरियोग्राफी डांस, दीवों, डिश डेकोरेशन, ब्लैक प्रिंट, जूट बैग, पेपर बैग, गाय के गोबर से दीवों, धूप और स्टिक बनाने के साथ-साथ नेचुरल साबुन बनाने की ट्रेनिंग दी जाएगी।

इन बच्चों के साथ काम करने वाली दीप्ती वोरा कहती हैं, "ऐसे बच्चों को प्रोफेशनल ट्रेनिंग देना बहुत मुश्किल काम है, लेकिन इन बच्चों में सीखने की एक अद्भुत इच्छा है। ये बच्चे गिफ्ट कवर, फाइल, पेपर बैग, और कोडिया जैसी चीजें बना रहे हैं, जो सामान्य कारीगर भी बना सकते हैं। ऐसे बच्चों को रोजगार मिलने के लिए ऐसे समर कैंप और ट्रेनिंग बहुत मददगार साबित होती है।"

शाक मार्केट में खाखरा बेचने वाली मनाली कंसरानी कहती हैं, "मुझे मार्केटिंग करना पसंद है। हमारे समाज द्वारा नवसारी खाखरा बनाया जाता है, जिसे मैं पहले शाक मार्केट में बेचती थी, लेकिन कुछ लोग परेशान करते थे। इसलिए अब मैं मोबाइल का उपयोग करके ऑनलाइन खाखरा बेचती हूं और मेरे रिपीट ग्राहकों की संख्या बढ़ गई है। सिर्फ खाखरा ही नहीं, बल्कि दिवाली के समय दीवों और कवर का भी मैं ऑनलाइन बेचती हूं। जब मैं शाक मार्केट में खाखरा बेचती थी, तब इस संस्था के कुछ सदस्य मुझे लाए थे और मुझे ट्रेनिंग दी थी, जिसके कारण मैं अब अपने परिवार को आर्थिक मदद दे पा रही हूं।"

सूरत में आयोजित इस समर कैंप के पहले दिन इन बच्चों को योग सिखाया गया था। योग सिखाने वाली ज्योति टेलर कहती हैं, "योग के माध्यम से मानसिक दिव्यांग बच्चों की मानसिक स्थिति सुधारने का प्रयास किया जा रहा है। मानसिक दिव्यांग बच्चे हाइपर होते हैं, लेकिन योग के द्वारा उन्हें शांत और प्रसन्न होने के कई उदाहरण सामने आए हैं। साथ ही, बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास भी होता है। गरबा के कारण बच्चों को जो योग कठिन लगता था, वह अब आसानी से कर पा रहे हैं।"

सूरत नगर निगम के ठेकेदारों पर गंदगी फैलाने का आरोप लगाया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर निगम के ठेकेदारों द्वारा नियमों का उल्लंघन करते हुए गंदगी फैलाने और लोगों के स्वास्थ्य को खतरे में डालने की शिकायत रांदेर जोन से सामने आई है। रांदेर जोन में ड्रेनेज कार्य चल रहा है, लेकिन डी-वाटरिंग की प्रक्रिया गटर के गंदे और बदबूदार पानी से की जा रही है, जिसके कारण शिकायत की जा रही है। इसके अलावा, अडाजन पाल, पालोपनर, रांदेर सहित कई इलाकों में कचरे का निस्तारण नहीं होने से लोगों के स्वास्थ्य पर खतरा बढ़ रहा है। सूरत नगर निगम के रांदेर जोन में पाल क्षेत्र में पिछले कुछ समय से ड्रेनेज कार्य चल रहा है, जिसके कारण कई जगहों पर खुदाई की जा रही है, जिससे धूल उड़ रही है और श्वसन संबंधी रोगों के मरीज बढ़ने की शिकायत मिल रही है। साथ ही, सड़क की खुदाई के कारण ट्रैफिक की समस्याएं भी उत्पन्न हो रही हैं। हालांकि, अब पूर्व निगम पार्षद और स्थानीय निवासियों ने नगर निगम को गंभीर शिकायत दर्ज कराई है।

यह शिकायत इस प्रकार है कि ड्रेनेज कार्य चल रहा है और कार्य पूरा होने के बाद मिट्टी भरकर और साफ पानी से डी-वाटरिंग करना चाहिए, लेकिन ठेकेदार इन क्षेत्रों से नगर निगम के गटर के गंदे पानी का सीधा उपयोग कर रहे हैं। इसके कारण कार्य के आसपास बदबू फैल रही है और लोगों के स्वास्थ्य पर भी खतरा मंडरा रहा है।

इसके अलावा, रांदेर जोन में रांदेर बस स्टैंड के पास, पाल, अडाजन और पालोंपोर क्षेत्रों में सफाई तो हो रही है, लेकिन कुछ स्थानों पर कचरे के ढेर हटाए नहीं जा रहे हैं। इस गंदगी के कारण इन इलाकों की सुंदरता में कमी आ रही है और लोगों के स्वास्थ्य को भी खतरा हो रहा है। इस शिकायत के साथ समस्या का समाधान करने की मांग की गई है।

गर्मी के बीच सूरत में डायरिया, उल्टी और बुखार के कारण दो बच्चों की मौत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

पांडेसरा में डायरिया और उल्टी के बाद 11 साल के बच्चे की मौत हो गई, जबकि साचिन में बुखार के बाद 3 साल के बच्चे ने जान गंवाई।

सूरत शहर में गर्मी के बावजूद पानी और मच्छरजनित बीमारियों के मामले बढ़ रहे हैं। इसी दौरान, पांडेसरा में डायरिया और उल्टी के बाद 11 वर्षीय बच्चे की और साचिन में बुखार के चलते 3 साल के बच्चे की तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। नई सिविल अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार, मूल रूप से ओडिशा निवासी और वर्तमान में पांडेसरा की आशापुरी सोसाइटी में रहने वाले हीरा गोंड का 11 वर्षीय बेटा बादल पिछले दो दिनों से डायरिया और उल्टी से परेशान था। पहले उसे प्राथमिक इलाज के लिए क्लिनिक में ले जाया गया था, लेकिन रविवार रात तबीयत ज्यादा बिगड़ने पर उसे नई सिविल अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बादल की एक बहन भी है और उसके पिता मजदूरी करते हैं।

दूसरी घटना में, मूल रूप से जूनागढ़ के भेसाण निवासी और सूरत के साचिन इलाके की आशोपालव सोसाइटी में रहने वाले विजय डोबरिया के 3 वर्षीय बेटे दिव्य को पिछले दो-तीन दिनों से बुखार था। उसे पहले स्थानीय अस्पताल में इलाज के लिए ले जाया गया था,लेकिन सोमवार सुबह उसकी तबीयत अचानक ज्यादा बिगड़ने पर बेहोश हो गया। उसे निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दिव्य के पिता एक निजी कंपनी में काम करते हैं।

श्री छाजल अमरी सती दादी मंगल पाठ आज

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,श्री चौधरी कुलदेवी परिवार सूरत के ग्यारहवें वार्षिक महोत्सव एवं श्री छाजल दादी के जन्मोत्सव के उपलक्ष में विशाल श्री छाजल अमरी सती दादी मंगल पाठ का आयोजन अक्षय तृतीया पर बुधवार को किया जाएगा। इस अवसर पर मां का दरबार वीआईपी रोड़ स्थित श्री श्याम मंदिर, सूरतधाम के लखदातार हॉल में सजाया जाएगा। शृंगारित दरबार के समक्ष दोपहर दो बजे से अखंड ज्योत प्रज्वलित की जाएगी। इसके पश्चात दादी के जीवन चरित्र पर आधारित पाठ का वाचन मुंबई से आमंत्रित पाठ वाचक कुंदन मिश्रा करेंगे। पाठ के दौरान विभिन्न प्रसंगों पर भजनों की प्रस्तुति होगी। आयोजन में छप्पन भोग, जन्मोत्सव, चुनड़ी उत्सव, शृंगार उत्सव, भव्य दरबार, महाप्रसाद, सवामणी आदि कार्यक्रम होंगें।